मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.4	20.2
जमशेदपुर	32.9	19.4
डालटनगंज	33.4	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● रविवार, 29 अक्टूबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 192

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

हरमू मैदान में भाजपा की संकल्प सभा में जेपी नड्डा ने भरी हुंकार

जेपी नड्डा बोले- झारखंड में लैंड, सैंड और लीकर माफिया दनदना रहे

सरकार को जाना होगा

सत्य शरण मिश्रा। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रांची के हरमू मैदान में भाजपा के संकल्प सभा में हुंकार भरी. कार्यकर्ताओं को मिशन 2024 का मंत्र दिया और जनता से हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की. कहा हेमंत सरकार फरेबियों की सरकार हैं. यह सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है. अपराध चरम पर है और मुख्यमंत्री के पीछे ईडी पड़ी हुई है. राज्य में लीकर, लैंड और सैंड माफिया दनदना रहे हैं. प्रदेश की ऐसी स्थिति के लिए जिम्मेदार इस सरकार को चले जाना चाहिए. नड्डा ने कहा हेमंत सरकार ने वोट की राजनीति के लिए धर्मांतरण पर आंख मूंद कर उसे मौन स्वीकृति दे दी है. ये बताता है कि हेमंत सोरेन को आदिवासियों की संस्कृति की नहीं सिर्फ वोट की चिंता है. ऐसी सरकार जो तुष्टीकरण से युक्त हो, भ्रष्टाचार और अनाचार से युक्त हो उस सरकार को हम नहीं रहने देंगे. ये संकल्प लेकर हमें चलना होगा.

तुष्टीकरण की राजनीति कर रही सरकार : राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा सबको मालूम है कि झारखंड सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है. उन्होंने कहा, मैं खुले मंच से आरोप लगा रहा हूं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने नाम से जमीन आवंटित करते हैं. अपने नाम से टेंडर करते हैं. जमीन हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम तक बदल लेते हैं. कहा यह सरकार वोटबैंक के लिए तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है. झारखंड में मंदिर टूट रहे हैं, शिवा बारात रोकी जा रही है, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा. जब प्रदेश में बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास की सरकारें थीं, तब नक्सली घटनाएं रुक गई थीं, लेकिन गठबंधन की सरकार बनते ही महिलाओं पर अत्याचार, राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गये.

क्या बोले नड्डा

1. हेमंत सरकार को आदिवासियों की नहीं सिर्फ वोट की चिंता है
2. तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार व अनाचार युक्त सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेना होगा
3. जमीन हड़पने के लिए माता-पिता के नाम बदल लेते हैं हेमंत सोरेन
4. धर्मांतरण पर आंख मूंदकर उसे हेमंत सरकार ने दे दी है मौन स्वीकृति
5. अलग झारखंड आंदोलन की आवाज सुनकर कांग्रेस ने बंद किये थे कान
6. भाजपा सेवा के लिए, झामुमो मेवा के लिए गद्दी पर बैठती है

> झारखंड की जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही है हेमंत सरकार, सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सजग होकर करना होगा संघर्ष -अर्जुन मुंडा

> हेमंत सरकार में विकास नहीं हो रहा है. पूरी सरकार कमाने में लगी हुई है. सरकार लुटेरों को संरक्षण दे रही और उन्हें बचाने के लिए महंगे वकील कर रही -बाबूलाल मरांडी

भाजपा आदिवासियों की हितैषी : जेपी नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा झामुमो और कांग्रेस आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते हैं, लेकिन ये लोग आदिवासियों के हितैषी नहीं हैं. जब अलग झारखंड राज्य की लड़ाई चल रही थी उस वक्त केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी. तब कांग्रेस ने झारखंड के आदिवासियों-मूलवासियों की आवाज से मुंह मोड़ कर कान में रुई डाल ली. केंद्र में भाजपा की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार आई, तब अलग झारखंड राज्य बना. इसके बाद मोदी सरकार ने आदिवासियों की सभ्यता और संस्कृति को संरक्षित करने का काम किया. भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में समर्पित किया. वहीं हेमंत सरकार में झारखंड के आदिवासियों को जितना नुकसान हुआ है, उतना पहले किसी दूसरे सरकार में नहीं हुआ.

तकदीर और तस्वीर बदलनी है तो सरकार बदलिए

नड्डा ने कहा भाजपा की सरकार और भाजपा के कार्यकर्ता जब सत्ता पर बैठते हैं, तो लोगों की सेवा के लिए बैठते हैं. लोगों के काम करने के लिए बैठते हैं. झारखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए बैठते हैं, लेकिन जब झामुमो के लोग सत्ता पर बैठते हैं तो वो अपनी सेवा के लिए बैठते हैं. मेवा खाने के लिए और अपना तिजोरी भरने के लिए बैठते हैं. कहा कि झारखंड में केंद्र की योजनाओं का बुरा हाल है. पीएम आवास योजना का काम ढीला चल रहा. गरीब कल्याण अन्न योजना में भ्रष्टाचार हुआ. अगर आप चाहते हैं कि आपका प्रधानमंत्री आवास बने, शौचालय बने तो भाजपा की सरकार बनाइए. हम आपकी तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए चिंतित है, जबकि झामुमो अपनी तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए चिंतित है.

भारत की लगातार दूसरी जीत

वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

रांची। एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्राफी के दूसरे दिन शनिवार को तीन मुकाबले खेले गए. अंतिम मैच में भारत ने मलेशिया को 5-0 से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की. इससे पहले चाइना ने थाईलैंड को 6-0 से हराया. वहीं जापान ने दक्षिण कोरिया को 4-0 गोल से पराजित किया. दूसरे दिन भी स्टेडियम खचाखच भरा रहा.

रुलाने लगी प्याज दाम हो गए दोगुने

रांची। राजधानी में नवरात्र समाप्त होते ही प्याज की कीमत दोगुनी हो गई है. प्याज की कीमत बढ़ने से आम आदमी के रसोई का बजट बिगड़ गया है. नवरात्र के समय खुदरा बाजार में प्याज 30 से 35 रुपए किलो बिक रही था, जबकि अब 60 से 65 रुपए किलो में बिक रही है.थोक मंडी में प्याज की कीमत नवरात्र के समय 20 से 25 रुपए किलो थी, जो अब 45 से 50 रुपए किलो हो गई है. अनुमान है प्याज की कीमत नवंबर महीने के अंत तक थोक बाजार में 60-70 रुपए किलो तक जा सकती है. खुदरा बाजार में प्याज 80-90 रुपए किलो तक बिक सकती है. पंडरा आलू-प्याज थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष मदन प्रसाद ने बताया कि एक माह के बाद बाजार में नई प्याज आते ही कीमत में तेजी से कमी आएगी. हालांकि, थोक मंडी में देश की राजधानी दिल्ली और पड़ोसी राज्य पटना से रांची में प्याज की कीमत 5 रुपए कम है. दिल्ली और पटना की थोक मंडी में प्याज लगभग 50-55 रुपए किलो बिक रही है. रांची में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान से प्याज आयात की जाती है.

मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को एक ई-मेल मिला है, जिसमें 20 करोड़ रुपए नहीं देने पर उन्हें गोली मारने की धमकी दी गई है. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि अंबानी को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी वाला ई-मेल मिला और उनके सुरक्षा प्रभारी की शिकायत के आधार पर गामदेवी पुलिस थाने में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. अधिकारी के मुताबिक, मुकेश अंबानी को मिले ई-मेल में कहा गया है कि अगर वह 20 करोड़ नहीं देते हैं, तो उन्हें गोली मार दी जाएगी. उन्होंने बताया कि आईपीसी की धारा 387 और 506 (2) के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के लिए अभियान भी शुरू किया गया है. मुंबई पुलिस ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने वाला कॉल करने के आरोप में पिछले साल बिहार के दरभंगा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था.

धनबाद में बेखौफ अपराधी

मटकुरिया में रंगदारी के लिए कार सेंटर के मालिक को मारी गोली, हालत गंभीर

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के मटकुरिया के पास बेकौफ अपराधियों ने शनिवार की रात कार सेंटर नामक प्रतिष्ठान के संचालक दीपक अग्रवाल को गोली मार दी. अचानक हुई गोलीबारी से बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गयी. गोली मारने के अपराधी भाग निकले. स्थानीय लोगों ने गोली लगने से घायल दीपक अग्रवाल को जोड़ा फाटक रोड स्तित एक निजी क्लीनिक में पहुंताया, जहां चिकित्सकों ने उनकी गंबीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया गया. इसके बाद उन्हें जालान हॉस्पिटल ले जाया गया. चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर है. उधर गोलीबारी की घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस के कई आला अधिकारी दल-बल के साथ पहले घटनास्थल, फिर अस्पताल पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल पर कार सेंटर के आसपास के दुकानदारों व अन्य लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली.

रंगदारी देने से इनकार करने पर मारी गोली

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि मामला रंगदारी से जुड़ा हुआ है.दुकानदारों ने दबी जुबान से कहा कि धनबाद में अपरादी व्यवसायियों से आए दिन रंगदारी मांग रहे हैं. रंगदारी देने से इनकार करने पर जान मारने की धमकी दे रहे हैं. दीपक अग्रवाल को भी रंगदारी के लिए गोली मारी गयी है. दुकानदारों का कहना है कि हाल के दिनों में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं. रंगदारी के लिए कबी हिसक वारदातों को अंजाम दे दे रहे हैं. अपराधियों के डर से व्यवसायी पुलिस के पास शिकायत करने भी नहीं जाते हैं.

गोली किसने चलाई, पुलिस लगा रही पता

गोली किसने चलाई और क्यों चलाई, पुलिस इसका पता लगाने में जुट गई है. हालांकि पुलिस गोलीबारी की घटना के संबंध में कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रही है. स्थानीय दुकानदारों के रंगदारी को लेकर गोलाबारी किए जाने के संबंध में सवाल किए जाने पर भी पुलिस ने चुप्पी साधे रखी. पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच कर रही है. घटना के बाद पुलिस कार सेंटर व आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी के फुटेज भी कंगाल रही है. फुटेज के सहारे पुलिस अफराधियों तक पहुंचने का प्र.यास कर रही है.

ब्रीफ खबर

गुजरात में परिवार के 7 लोग मृत मिले

सूरत। गुजरात के सूरत में शनिवार को तीन बच्चों सहित एक परिवार के सात लोग अपने घर में मृत पाए गए. पुलिस को संदेह है कि यह सामूहिक आत्महत्या का मामला है. सातों शव अदजान इलाके के एक अपार्टमेंट में पाए गए और मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें कहा गया है कि हम आर्थिक तंगी के कारण यह कदम उठा रहे हैं. छह की मौत संभवतः जहर खाकर हुई, जबकि एक शव फंदे से लटका मिला. पुलिस उपायुक्त आरपी बरोट ने कहा, एक व्यक्ति, उसकी पत्नी, उसके माता-पिता, दंपती के तीन बच्चे सिद्धेश्वर अपार्टमेंट में अपने आवास में मृत पाए गए.

2024 का चुनाव सनातनियों और भ्रष्टाचारियों के बीच, हेमंत सरकार चंद दिनों की मेहमान

झामुमो के संरक्षण में कोयले की तस्करी: चौबे

संवाददाता। धनबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि धनबाद कोयलांचल में माफिया तंत्र सक्रिय हैं. अपराध तेजी से बढ़े हैं. झामुमो के संरक्षण में माफिया तंत्र कोयले की तस्करी करा रहे हैं. केंद्रीय मंत्री ने ये बातें शनिवार को सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता में कहीं. हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल है. बढ़ते अपराध से जनता भय के वातावरण में जी रही है. लोग पलायन को मजबूर हैं. हेमंत सरकार चंद दिनों की मेहमान है, क्योंकि जनता उसकी कारस्तानियों को समझ चुकी है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2024 का चुनाव सनातनियों और भ्रष्टाचारियों के बीच है. कांग्रेस और विपक्ष देश में युवराज और यमराज की मिली-जुली सरकार बना कर अशांति व राजनीतिक अस्थिरता लाना चाहते हैं. उनकी साजिश सफल नहीं होने वाली है. नरेंद्र मोदी दो तिहाई बहुमत के साथ फिर प्रधानमंत्री बनेंगे. जातीय जनगणना पर कहा कि बिहार में 81 प्रतिशत सनातनी धर्म के लोग रहते हैं.

भ्रष्टाचारियों का गंठजोड़ है आईएनडीआईए: आईएनडीआईए (इंडिया) पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि यह अपराधियों और भ्रष्टाचारियों का गठबंधन है. इसमें दर्जनों पार्टियां उन्हीं की गोद में बैठी हैं, जो आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या कर चुके हैं. अगर इनकी सत्ता आ गई, तो देश बर्बाद हो जाएगा. जनता को सावधान रहना होगा.

चाहत में नीतीश बने पलटू राम

एक सवाल के जवाब में मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री की बनने की चाहत वर्षों से रही है. कुर्सी की चाह में वे इधर-उधर भटकते रहे हैं. उनकी छवि पलटू राम और कुर्सी कुमार की बन गई है. इनका राजनीतिक जीवन समाप्त हो रहा है.

सप्ताह में 70 घंटे काम नारायण मूर्ति के सुझाव पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं

युवा करें ज्यादा काम, तभी आगे बढ़ेगा देश

एजेंसी। मुंबई

सप्ताह में 70 घंटे का काम करने की इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की सलाह चर्चा बटोर रही है. उद्योग जगत हो या बुद्धिजीवी वर्ग या फिर आम जनता, मूर्ति के सुझाव पर पूरी तरह अलग-अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही है. देश का एक वर्ग है, जो मूर्ति की भावना का खुल कर समर्थन कर रहा है, तो दूसरा वर्ग जोरदार विरोध करता दिख रहा है. एक वर्ग ऐसा भी है, जो बीच का रास्ता सुझा रहा है. मूर्ति के समर्थक राष्ट्र निर्माण का हवाला दे रहे हैं, तो विरोधी इसमें शोषण का आधार देख रहे हैं. ऐसे में तीसरा पक्ष सुझाव दे रहा है कि राष्ट्र निर्माण का जुनून रखते हुए कामगारों के व्यक्तिगत हितों का भी ख्याल रखना जरूरी है. इसलिए काम और कामगारों के व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन साधते हुए ही कोई बात होनी चाहिए.

नारायण मूर्ति ने आखिर कहा क्या है: इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने हाल ही में 3वन44 कैपिटल के पॉडकास्ट पर कहा कि भारतीय युवाओं को प्रोडक्टविटी बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर देश की

-शेष पेज 10 पर

सज्जन जिंदल ने मूर्ति का किया खुला समर्थन

देश के बड़ व्यवसाई सज्जन जिंदल एक्स पोस्ट पर लिखते हैं- ''मैं नारायण मूर्ति के बयान का तहे दिल से समर्थन करता हूं. इसका संबंध लोगों को निचोड़ने से नहीं है, बल्कि यह समर्पण के बारे में है. हमें भारत को एक ऐसी आर्थिक महाशक्ति बनाना है, जिस पर हम सभी गर्व कर सकें. हमारे पीएम मोदी रोज 14-16 घंटे से अधिक काम करते हैं. मेरे पिता सप्ताह में 7 दिन 12-14 घंटे काम करते थे. मैं हर रोज 10-12 घंटे काम करता हूं.

बिल्कुल सही: भाविश

कैब एग्रीगेटर ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल कहते हैं, मैं मूर्ति से सहमत हूं. यह समय कम काम करने का बिल्कुल नहीं है. बल्कि यह हमारा क्षण है कि हम सब कुछ करें और एक ही पीढ़ी में वो सब तैयार कर दें, जो अन्य देशों ने कई पीढ़ियों में किया है.

सहमत नहीं : पद्मनाभन

बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन लैब तलाववी के सीईओ राजेश पद्मनाभन कहते हैं, अलग-अलग अपेक्षाओं के साथ मिल कर काम करने वाली वर्क फोर्स की पांच पीढ़ियों को जापानी या जर्मन मॉडल पर वापस जाने के बजाय आपसी सहमति से नया क्रांतिकारी मॉडल खोजने की जरूरत है.

आस्था वर्ष 1740 में झोपड़ीनुमा मंदिर में स्थापित हुई थी प्रतिमा

पाथुरिया में 283 वर्षों से हो रही काली की पूजा

शेखर शरदेंदु। बोकारो

बोकारो जिला के प्राचीन काली मंदिरों में पाथुरिया का भी काली मंदिर है. जिले में पाथुरिया एक ऐसा गांव है, जहां पिछले 283 वर्षों से काली पूजा हो रही है. पाथुरिया बोकारो जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है.

यह गांव ऐसे तो कई मंदिरों का गांव है, लेकिन काली पूजा इस गांव की सबसे प्रमुख पूजा है. गांव के बारे रोचक जानकारी यह है कि सन् 1733 में हजारीबाग के पद्मा स्टेट के राजा स्वर्गीय बिशन सिंह ने वर्धमान जिले के एक गरीब ब्राह्मण विश्वनाथ चटर्जी को पूजा पाठ के लिए 3 मौजा जमीन दान कर जमींदारी का जिम्मा सौंपा. 1733 में यह गांव स्थापित होने के बाद सन् 1740 में पाथुरिया में काली पूजा की शुरुआत एक छोटे से झोपड़ीनुमा मंदिर में हुई, जो कालांतर में एक भव्य मंदिर के रूप में परिणत हो गयी.

बोकारो जिले के पाथुरिया का भव्य काली मंदिर.

2020 में बनवाया गया भव्य काली मंदिर

शुरुआती दौर में झोपड़ी नमा मंदिर में लगभग 50 वर्षों तक मां काली की पूजा अर्चना होती रही. इसके बाद एक विशाल मंदिर का निर्माण ग्रामीणों के सहयोग से किया गया. 2020 के लॉकडाउन के दौरान मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया. यह मंदिर आस्था का केंद्र है. यहां झारखंड - बंगाल से श्रद्धालु पूजा-अर्चना और मां काली के दर्शन के लिए आते हैं. इस गांव में ब्राह्मण परिवार में चटर्जी, बनर्जी, चक्रवर्ती, मुखर्जी के अलावा अन्य समुदाय में बाउरी, दास, साव, कर्मकार व मुस्लिम भी निवास करते हैं.

पौराणिक, धार्मिक व सामाजिक नाटकों का होता है मंचन

काली पूजा में पूजन से लेकर विसर्जन और भैया दूज के अवसर पर सैकड़ों लोगों की भीड़ गांव में एकत्रित होती है. इस गांव में काली पूजा के दौरान कई दशक से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता रहा है. गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का इतिहास प्राचीन काल से ही रहा है. काली पूजा के दौरान धार्मिक, सामाजिक से लेकर पौराणिक जात्रा एवं नाटकों का मंचन हर वर्ष काली मंदिर के निकट स्थित रंगमंच पर किया जाता है. आज भी पाथुरिया के लोक कलाकारों द्वारा नाटकों के मंचन का सिलसिला जारी है.

गिरिडीह प्लस टू हाईस्कूल पहुंचे केके खंडेलवाल, दिये आईआईटी की तैयारी के टिप्स और बच्चों के सवालों के जवाब

स्टूडेंट्स कैरियर का चुनाव गंभीरता से करें : खंडेलवाल

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह के पहले आईएएस और प्रथम आईआईटीयन केके खंडेलवाल शनिवार को गिरिडीह प्लस टू हाई स्कूल पहुंचे. मालूम हो कि गिरिडीह हाई स्कूल से उन्होंने शिक्षा की थी. करीब 45 साल बाद खंडेलवाल के अपने स्कूल पहुंचने पर स्कूल परिवार ने भव्य स्वागत किया.

मौके पर स्कूल के प्राचार्य मनोज रजक ने कहा कि राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद पर रहे हमारे पूर्व विद्यार्थी के आगमन से हमारे स्टूडेंट्स को काफी प्रेरणा मिलेगी.

तत्कालीन शिक्षक दिनेश प्रसाद और पूर्ववर्ती विद्यार्थी अजीत बरनवाल ने भी के के खंडेलवाल से जुड़े संस्मरण सुनाए. इस दौरान खंडेलवाल ने विद्यालय से जुड़ी अपनी कई स्मृतियां साझा की. उन्होंने कहा कि शिक्षकों से हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली. यही कारण है कि जब गिरिडीह में आईआईटी और आईएएस की तैयारी के लिए कोई कोचिंग संस्थान नहीं था, उस दौरान उन्हें इन दोनों में सफलता मिली. उन्होंने कहा कि आज प्रतियोगिता के दौर में स्टूडेंट्स को अपने कैरियर का चुनाव काफी गंभीरता से करना चाहिए.

फास्ट कैलकुलेशन के तरीके बताए

झारखंड के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पद से रिटायर खंडेलवाल खुद भी आईआईटीयन हैं. अपने सेवाकाल में उन्होंने जिन 16 बच्चों को पढ़ाया, सबको आईआईटी में प्रवेश मिला. उनके बेटे अनुपम को ऑल इंडिया रैंक 09 मिला. यह झारखंड बनने से अब तक रांची का सर्वश्रेष्ठ रैंक है. सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने आईआईटी की हाई क्वालिटी तैयारी कराने के लिए रांची में खंडेलवाल क्लासेस की स्थापना की है. कार्यक्रम के दौरान खंडेलवाल ने बच्चों को फास्ट कैलकुलेशन के तरीके और गणित के जुड़े कई बिंदुओं की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि एक बार आपने आगे बढ़ने की ठान ली तो कोई भी मुश्किल नहीं होगी. कहा कि गिरिडीह हाईस्कूल में पढ़ाई के दौरान ही मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली. कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स ने खंडेलवाल से कई सवाल भी पूछे. जिसका काफी सरल तरीके से जवाब देकर उन्होंने उपस्थित बच्चों को संतुष्ट किया.

आपकी बात

> प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के अभिभावकों की तरह सरकारी विद्यालयों के नौनिहालों के माता-पिता को भी सजग और जागरूक होना होगा.

नाम : पुष्पा कुमारी
पद : प्रभारी प्रधानाध्यापिका
जन्मस्थल : इटकी (रांची)
कार्य क्षेत्र : मिडिल स्कूल सिंदूर, हजारीबाग

पांच जनवरी 2016 से मिडिल स्कूल सिंदूर, हजारीबाग में निरंतर शिक्षा की लौ जलाने वाली प्रभारी प्रधानाध्यापिका पुष्पा कुमारी फिलहाल 360 नौनिहालों का भविष्य संवारने में जुटी हैं. वह कहती हैं कि प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के अभिभावकों की तरह सरकारी विद्यालयों के नौनिहालों के माता-पिता को भी सजग और जागरूक होना होगा. उन्हें सरकारी और निजी विद्यालयों में अंतर और फर्क की खाई को पाटना होगा. निजी विद्यालयों की तरह ही पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग में शामिल होकर बच्चों के भविष्य के प्रति गंभीरता बरतनी होगी. सरकारी स्कूल के शिक्षक इस कोशिश में लगे हुए हैं कि वहां के बच्चों को कॉन्वेंट स्कूलों की तरह तालीम हासिल हो सके. सरकारी स्कूल में शिक्षक बच्चों के प्रति कड़ी मेहनत करते हैं. चूंकि प्राइवेट स्कूलों में संपन्न घरानों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं. लेकिन सरकारी स्कूलों में अधिकांश बच्चे गरीब तबके के होते हैं. उन्हें घरों में वह साधन-संसाधन उपलब्ध नहीं होते, जो निजी विद्यालयों के बच्चों को मिलते हैं. फिर भी सरकारी स्कूलों में देश के भविष्य को मुकाम तक पहुंचाने के लिए शिक्षक निष्ठा और ईमानदारी से लगे रहते हैं. यही वजह है कि पिछले सात साल में मिडिल स्कूल सिंदूर की हालत में अप्रत्याशित सुधार हुए हैं. यहां कैंपस के अभाव में असामाजिक तत्वों की जमघट लगी रहती थी. तमाम विरोध के बावजूद ग्रामीणों के सहयोग से उन्होंने स्कूल की चहारदीवारी कराई और असामाजिक तत्वों का रास्ता अवरुद्ध किया. स्कूल में हर गतिविधियां संचालित की गईं.

ब्रीफ खबरें

रविवार को नगरपालिका नियुक्ति की परीक्षा

जमशेदपुर। झारखंड सरकार की ओर से आयोजित नगरपालिका नियुक्ति परीक्षा (जेएमएससीसीई) का रविवार को आयोजन किया गया है. इस परीक्षा में करीब 6000 से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे. परीक्षा के लिए शहर के विभिन्न स्कूलों में केंद्र बनाया गया है. इनमें राजेंद्र विद्यालय, दयानंद पब्लिक स्कूल, गुलमोहर स्कूल, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, केरला पब्लिक स्कूल समेत अन्य स्कूल शामिल हैं. जानकारी के अनुसार परीक्षा तीन पालियों में होगी, जो सुबह से शाम तक चलेगी. इसे लेकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से सारी तैयारी कर ली गयी है.

4-5 नवंबर को दयानंद सरस्वती जयंती महोत्सव

कतरास। आर्य समाज के प्रणेता महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती 4 व 5 नवंबर को डीएवी प्लस टू उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज कतरासगढ़ में ज्ञान ज्योति महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी. यह जानकारी कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. मृणाल ने शनिवार को भारतीय क्लब कतरास में प्रेसवार्ता में दी. बताया कि इस बार महर्षि की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी. कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, क्षेत्रीय सांसद, विधायक को आमंत्रित किया गया है.

योगासन चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

धनबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल में 28 अक्टूबर को चार दिवसीय सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप 2023 का शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पर अंडर-14 बालक- बालिका वर्ग के समस्त प्रतिभागियों द्वारा क्वालीफाइंग राउंड के तहत विभिन्न योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया. इसके पूर्व चैंपियनशिप का उद्घाटन उपायुक्त वरुण रंजन ने किया. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग द्वारा हम अपने मन पर नियंत्रण प्राप्त कर अपने समस्त संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचा कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं.

पोलियो मुक्त अभियान को लेकर निकाली रैली

निरसा। किड्स एजुकेशन सेंटर में रोटरी सहेली केंद्र के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने शनिवार को जागरूकता रैली निकली। रैली का नेतृत्व किड्स एजुकेशन सेंटर के संचालक तपेश्वर चौहान ने किया। रैली में बच्चों द्वारा लोगों को पोलियो के रोकथाम की जानकारी दी गई कि किस तरह आज देश में पोलियो से लोग विकलांग हो रहे हैं उससे किस तरह बचा जाए। इस विषय में किड्स एजुकेशन सेंटर के संचालक तपेश्वर चौहान ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय पोलियो दिवस 24 अक्टूबर को मनाया जाता है लेकिन 24 अक्टूबर को दशहरा होने के कारण उस दिन यह अभियान नहीं चल पाए.

बचपन प्ले स्कूल में मनाई वाल्मीकि जयंती

कोडरमा। बचपन प्ले स्कूल अ यूनीट ऑफ ग्रिजली पब्लिक स्कूल में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्या, सभी संयोजक - संयोजिका, शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र- छात्राओं ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर की. कार्यक्रम को सुसज्जित करने के लिए कक्षा सातवीं के रुद्र प्रताप ने आदि महाकवि वाल्मीकि का अभिनय किया. साथ ही साथ वह महर्षि वाल्मीकि के द्वारा लिखित श्लोक को भी पढ़ा. कक्षा छः के आरव हिसारिया ने आकर्षक तरीके से महर्षि वाल्मीकि की जीवनी पर प्रकाश डाला.

रेलवे ऑडिटोरियम में रोजगार मेले के दौरान पहुंचे थे 173 अभ्यर्थी

युवाओं के चेहरे खिले, केंद्रीय मंत्री ने बांटे नियुक्ति पत्र

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के रोजगार मेले में 184 युवक-युवतियों को नौकरी मिली है. रेलवे ऑडिटोरियम में कार्यक्रम के दौरान 173 अभ्यर्थी पहुंचे थे. जिसे नियुक्ति पत्र रेलवे ऑडिटोरियम धनबाद में रोजगार मेला कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि उपभोक्ता, खाद्य, सार्वजनिक वितरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बांटे. उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि धनबाद समेत देशभर में 37 जगहों पर रोजगार मेला का आयोजन हो रहा है. 11 युवा किसी कारणवश नहीं पहुंचे. बाद में आने पर उन्हें धनबाद के रेलवे अधिकारी डीआरएम कार्यालय में नियुक्ति पत्र दे देंगे. पीएम मोदी सरकार के कार्यकाल में 9 साल में देशभर में 10 लाख लोगों को नौकरी मिल चुकी है.

धनबाद के सांसद पीएन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है. युवाओं को हर साल नौकरी मिल रही है. युवा वर्ग के बढ़ावा मिल रहा है. डीआरएम केके सिन्हा ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी रोजगार मेला का आयोजन रेलवे ऑडिटोरियम में हो रहा है. 184 युवाओं को नौकरी मिली है. धनबाद के अलावा अन्य रेल मंडल में भी रोजगार मेला के दौरान युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं.

शिक्षा और रोजगार दोनों ही विकास का पहिया : केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि युवा विकास का आधार है. शिक्षा और रोजगार दोनों ही विकास का पहिया है. सरकारी स्तर के अलावा निजी क्षेत्र में भी युवा आगे बढ़ रहे हैं. कार्यक्रम के दौरान झारखंड के धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, रांची समेत अन्य जिलों और बिहार व अन्य राज्यों से पहुंचे युवक-युवतियों को केंद्रीय मंत्री ने नियुक्ति पत्र दिए. नियुक्ति पत्र पाने वाले युवक-युवतियों के चेहरे खिल उठे. इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि अब सरकार केवल घोषणा ही नहीं करती काम भी करती है. देशभर में 51 हजार अभ्यर्थियों को नौकरी दी गई है. कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री के साथ-साथ धनबाद रेल मंडल के डीआरएम केके सिन्हा, सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार समेत अन्य थे.

9 साल में देशभर में 10 लाख लोगों को मिल चुकी है नौकरी

नौकरी पाने वाले युवक-युवतियों के साथ केंद्रीय मंत्री समेत अन्य.

खास बातें

- रोजगार मेले में 184 युवक-युवतियों को मिली नौकरी
- धनबाद समेत 37 जगहों पर रोजगार मेले का हुआ आयोजन

कुमारधुबी नियोजनालय में रोजगार मेला 31 को

धनबाद। श्रम, नियोजन एवं कौशल विभाग के निर्देश पर 31 अक्टूबर को कुमारधुबी नियोजनालय में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा. यह सूचना शनिवार को जिला जनसंपर्क विभाग ने जारी की है. जिसमें बताया गया है कि इस मेले में ऑफिस स्टॉफ, सेल्स मैन, डाटा इंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर, टेक्नीशियन,ऑडी कलेक्शन, सिक्योरिटी गार्ड, कैप्टन, डिलीवरी बॉय, एचआर मैनेजर, सिविल इंजीनियर, लेखपाल और रसोईया के पद के लिए कुल 747 योग्य युवाओं का चयन किया जाएगा. मैट्रिक, इंटर, स्नातक से लेकर एमबीए, बीटेक पास युवा इसमें भाग ले सकते हैं. ज्यादातर जॉब झारखंड के अलग-अलग शहरों के लिए है. मेले में जाने से पूर्व युवाओं के पास राज्य के किसी भी नियोजनालय से निबंधन होना जरूरी है. इसके अलावा उनके पास बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी, खुद की दो तस्वीर होना अनिवार्य है. अनुभवी के साथ साथ फ्रेसर भी मेले में शामिल हो सकते हैं. 10 हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये के जॉब ऑफर मेले में दिए जायेंगे.

बेरोजगार युवा प्रशिक्षण के लिए रांची रवाना

पाकुड़। बेरोजगार युवक-युवतियों को प्रशिक्षण के लिए रांची एवं रायपुर रवाना किया गया. झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, पाकुड़ के सौजन्य से दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत जेएसएलपीएस जिला कार्यालय, सूचना भवन के पास से जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा के द्वारा31 बेरोजगार युवक-युवतियों को प्रशिक्षण लेने के लिए रांची और रायपुर रवाना किया गया. दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देकर सरकार रोजगार देने का कार्य कर रही है. इसी के तहत पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों से भूमिका गारमेंट सिलाई का प्रशिक्षण, हेलर्स आर्क - रोगी देखरेख, जीसीएस कंप्यूटर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के लिए बिजली मिस्त्री और सिलाई इत्यादि में प्रशिक्षण के लिए युवा रांची के लिए रवाना हुए.

राज्यस्तरीय कला उत्सव में हिस्सा लेंगे 17 छात्र

कसमार। कारो जिले के विभिन्न प्लस टू उच्च विद्यालय के 17 छात्र-छात्राएं राज्यस्तरीय कला उत्सव 2023 में शामिल होंगे. झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रांची में होनेवाली 29 व 30 अक्टूबर को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में ये सभी बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे. प्लस टू उच्च विद्यालय कसमार से बजरंगी मुंडा, प्लस टू विद्यालय चंदनकियारी से नेहा कुमारी, पवन पाल, पीआर प्लस टू विद्यालय सतनपुर, चास से तापस दास, राजु मांझी, झबबु सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज बेरमो से सरिता कुमारी, साक्षी कुमारी, रामबिलास प्लस टू विद्यालय बेरमो से राहुल कुमार, केजीबीभी गोमिया से कलावती कुमारी, पम्मी मरांडी, जीजीपीएस से अभिलाषा डे, रामरुद एचएस चास से दीपक बाउरी, केजीबीभी बेरमो से डोली कुमारी, कार्मेल उच्च विद्यालय बोकारो थर्मल से मुकेश किस्कू का चयन किया गया है.

मध्य विद्यालय में पीएलवी ने बच्चों को दी कानूनी जानकारी

संवाददाता। चांडिल

नीमडीह प्रखंड के मध्य विद्यालय तिल्ला में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला और अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति चांडिल की ओर से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में पीएलवी शुभंकर महतो ने छात्र-छात्राओं को कानूनी जानकारी दिया. उन्होंने महिला, बाल अपराध व लैंगिक अपराधों की जानकारी देते हुए उसमें मिलने वाली सजा के बारे में बच्चों को बताया. मौके पर विभिन्न अपराधों में मिलने वाली सजा के बारे में जानकारी दिया. उन्होंने कहा कि बाल विवाह कठोर कारावास के साथ दंडनीय अपराध है.

लैंगिक अपराध में मिल सकता है मृत्युदंड

नीमडीह प्रखंड के पीएलवी शुभंकर महतो ने बताया कि बच्चों के विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों के लिए तीन वर्ष की कारावास से लेकर मृत्युदंड तक का सजा का प्रावधान है. इसके अतिरिक्त पीएलवी ने विभिन्न कानून की जानकारी देने के साथ कानूनी पुस्तिका और पर्चा का वितरण किया. इस अवसर पर प्रधानाध्यापक देवेंद्र नाथ मुदी, शिक्षक अनिल कुमार भगत, तुषार दास, सुब्रतो दास, सुमित्रा महतो, सुनीता महतो, प्रेमजीत पाल समेत विद्यालय के विद्यार्थीउपस्थित थे.

गोविंद विद्यालय में वाद-विवाद में बच्चों का उतकृष्ट प्रदर्शन

संवाददाता। जमशेदपुर

तामोलिया स्थित गोविंद विद्यालय में शनिवार को हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें स्कूल की पहली से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. विभाग एक्टिविटी इंचार्ज नौशाद रजिया और उनकी टीम में शामिल पूनम कुमारी, मंजू कुमारी और संजू सिन्हा की देखरेख में प्रतियोगिता संपन्न हुई. प्रतियोगिता के आयोजन का उदेश्य छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, आत्म अभिव्यक्त का निर्माण, व्यक्तित्व कौशल विकसित करना है. इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या कृष्णा मोदक, सचिव अभिषेक शर्मा एवं हिंदी विभाग की शिक्षिकाएं उपस्थित थीं.

शिक्षकों लिए लाभप्रद है प्रशिक्षण : प्राचार्य

बेरमो। सीबीएसई द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षणकार्य को सुचारू एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से क्षमता-संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए इस तरह की कार्यशाला अनिवार्य एवं उपयोगी होती है. इसी लक्ष्य को ध्यान रखते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में डीएवी सवांग के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थीं. कार्यक्रम का आरंभ वैदिक-हवन, दीप- प्रज्वलन, वैदिक मंत्रोच्चारण, डीएवी गान तथा स्वागत- गान के साथ किया गया. प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इसे शिक्षकों लिए अत्यंत ही लाभप्रद बताया. विषय विशेषज्ञ के रूप में सीबीएसई द्वारा नियुक्त यूएस सिंह एवं गार्गी पाल उपस्थित थीं.

एसआरके डीएवी ने चलाया स्वच्छता अभियान, स्वच्छता पर नुक्कड़- नाटक प्रस्तुत किया

स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वच्छता जरूरी : सिंह

संवाददाता। सरिया

सीबीएसई तथा भारत सरकार के निर्देशानुसार शनिवार को श्री रामकृष्ण डी.ए.वी पब्लिक स्कूल सरिया के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस अभियान में कक्षा सातवीं के बच्चों के द्वारा एक रैली निकाली गई, जो विद्यालय परिसर से चलकर ठाकुरबारी परिसर तक गई. सभी बच्चों ने ठाकुरबारी परिसर की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता पर नुक्कड़- नाटक तथा गीत भी प्रस्तुत किया.

सभी बच्चे स्वच्छता के नारे लगाते हुए हाथ में तख्ती लिए जन-जन को स्वच्छता का संदेश दे रहे थे. इस अवसर पर विद्यालय में निबंध लेखन, नारा लेखन तथा चित्रकला का भी आयोजन

किया गया. विद्यालय के प्राचार्य आर.के. सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार के द्वारा उठाया गया यह कदम निश्चय ही अपने जीवन में अपनाना चाहिए. सिंह ने सभी बच्चों को शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी अपने अभिभावक तथा अपने आस - पड़ोस के लोगों को भी इसके प्रति सचेत करेंगे और अपने गली-मोहल्ले को स्वच्छ रखने में अपनी भूमिका निभाएंगे.

डीएवी ललपनिया में हुआ स्वच्छता अभियान कार्यक्रम

बेरमो। डीएवी पब्लिक स्कूल टीटीपीएस ललपनिया में के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. विद्यालय के प्राचार्य आकाश कुमार सिन्हा ने समस्त विद्यालय परिवार केंद्रीय साथ स्वच्छता अभियान की शपथ ली, वहीं कक्षा नवम की लक्ष्मी कुमारी ने सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई. स्लोगन प्रतियोगिता में सृष्टि आर्य, जिगर, आराध्या ने सुंदर कलाकारी के नमूने पेश किए. लघु नाटिका के माध्यम से बच्चों ने स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूक किया. श्रेयस आर्य, रेहान जफर, दिव्या कुमारी, निर्जरा प्रसाद, साक्षी कुमारी ने मुख्य रूप से नाटक में भाग लिया.

कार्यक्रम गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दो दिवसीय उमंग कार्यक्रम का शुभारंभ

टैलेंट सर्च प्रोग्राम में प्रशिक्षुओं ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

संवाददाता। हजारीबाग

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग के विवेकानंद सभागार में शनिवार को दो दिवसीय उमंग कार्यक्रम शुरू हो गया. इसके जरिए बीएड सत्र-2023-25 के प्रशिक्षुओं की प्रतिभाएं परखी गईं. उमंग कार्यक्रम के अंतर्गत मंच पर गीत-संगीत, नृत्य, भाषण, कविता समेत विभिन्न गतिविधियों से प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रतिभा का लोह मनवाया. वहीं ओरिएंटेशन कम इंट्रोडक्शन सेरेमनी में प्रशिक्षुओं की कॉलेज से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई गईं. इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ आइक्यूएसी की को-ऑर्डिनेटर बसुंधरा कुमारी के नेतृत्व में सभी सहायक प्राध्यापकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

को-ऑर्डिनेटर ने कार्यक्रम से संबंधित विषयों और रूपरेखा को विस्तार से रखा. मंच संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक दशरथ कुमार ने समान अवसर के बारे में प्रशिक्षुओं को जानकारी उपलब्ध कराई. सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार ने फीडबैक के महत्व के बारे में प्रशिक्षुओं को समझाया. वहीं डॉ. पुष्पा कुमारी ने एंटी रैगिंग के बारे में प्रशिक्षुओं को जानकारी दी. सहायक प्राध्यापिका पुष्पा कुमारी ने एनएसएस समेत अन्य गतिविधियों के बारे में बताया. नेहा कुमारी एंड टीम ने स्वागत गान प्रस्तुत किया. धन्यवाद ज्ञापन डी.एल.एड. के विभागाध्यक्ष महेश प्रसाद ने दिया. मौके पर सहायक अध्यापिका कुमारी अंजलि, अशोक कुमार, अनिल कुमार, संदीप खलखो, गुलशन कुमार, दिलीप कुमार सिंह आदि मौजूद थे.

खास बातें

- इंट्रोडक्शन सेरेमनी में कॉलेज के बारे में दी अहम जानकारी
- एंटी रैगिंग के बारे में भी प्रशिक्षुओं को जानकारी

उमंग कार्यक्रम का समापन 30 को, डीइओ होंगे मुख्य अतिथि

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में आयोजित दो दिवसीय उमंग कार्यक्रम का समापन 30 अक्तूबर होगा. समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीइओ उपेंद्र नारायण और विशिष्ट अतिथि देव कॉलेज ऑफ एजुकेशन हजारीबाग की प्राचार्या डॉ रीतू कुमारी व डॉ. एस. राधाकृष्णन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज लारी, रामगढ़ के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार राणा होंगे.

कोल्हान के कॉलेजों में बीएड की 150 से अधिक सीटें खाली

संवाददाता। जमशेदपुर

जेसीबीसीईबी की ओर से चलायी जा रही नौ महीने की एडमिशन प्रक्रिया के बाद भी बीएड कॉलेजों में कॉलेजों में काफी सीटें खाली हैं. केवल कोल्हान (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां) के कॉलेजों में बीएड की सीटों पर नजर डाली जाये, तो अभी भी 150 से अधिक सीटें खाली हैं. इनमें कोल्हान प्रमंडल स्थित सरकारी समेत प्राइवेट बीएड कॉलेज भी शामिल हैं. यहां सभी बीएड कॉलेजों को मिला कर सीटों की संख्या 1300 के करीब है. चार राउंड (अंतिम) की काउंसेलिंग के बाद भी सीटें खाली रहने की वजह से कॉलेजों में नये सत्र (2023-25) की कक्षाएं आरंभ नहीं हो सकी हैं.

कहां कितनी सीटें खाली

- जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज : 07
- द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वीमेन : 17
- करीम सिटी कॉलेज : 28
- एमबीएनएस बीएड कॉलेज : 25
- यामिनी कांत महतो बीएड कॉलेज : 10
- बहरागोड़ा कॉलेज : 01
- महिला कॉलेज चाईबासा : 05
- मधुसूदन बीएड कॉलेज : 14
- इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन : 15
- जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज : 30

कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं ने सिखाए लीडरशिप के गुर

संवाददाता।रांची

कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं ने शनिवार को यहां झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेतृत्व विकास मिशन (एलडीएम) शिविर में लीडरशिप के गुर सिखाए. यह कार्यक्रम चिरौंदी रोड स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में आयोजित हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ. मुख्य अतिथि झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे, एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक विभाग के नेशनल कॉडिनेटर के राजू, एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लिलोटिया, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, सांसद धीरज प्रसाद साहू, मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो द्वारा नेतृत्व विकास मिशन की पुस्तिका का विमोचन किया गया.

वंचित वर्गों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा देना है : पांडे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि उदयपुर अधिवेशन में नवसंकल्प घोषणा-2023 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने एससी और एसटी आरक्षित सांसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में वंचित वर्गों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए नेतृत्व विकास का संकल्प लिया. जिसमें एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे. यह समन्वय समिति एक दूसरे को जोड़ने के लिए बनाया गया है. जिसमें सभी ईकाई को एक साथ प्रदेश स्तर, लोकसभा स्तर, विधानसभा स्तर, प्रखंड, मंडल स्तर पर समन्वय बनाएंगे.

हर कांग्रेसी को आगे आना होगा : ठाकुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि 2024 का चुनाव देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. इसलिए हर कांग्रेसी को आगे आना होगा और नेतृत्व करना होगा. कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि एलडीएम कोर्डिनेटर राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे जनहित कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाएं.

गीताश्री उरांव ने फिर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

रांची। पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने फिर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली. शनिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाये जा रहे आ अब लौट चलें अभियान के तहत उनकी यह वापसी हुई. इटकी रोड स्थित आगमन वैंक्वेट हॉल में आयोजित एक समारोह में अपने समर्थकों के साथ उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की. झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने उन्हें माला एवं पट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत करते हुए उनकी वापसी की.

पार्टी को बल मिलेगा : इस अवसर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा का परिणाम है कि लोगों का झुकाव कांग्रेस की ओर तेजी से बढ़ रहा है. श्रीमती गीताश्री उरांव आदिवासी महिला के रूप में काफी चर्चित रहीं हैं और आदिवासियों के बीच जाकर काम करना, उनके सुख-दुख में सहभागी बनना इनकी पहचान रही है.

यह एक सुखद पल है : प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज खुशी की बात है कि गीताश्री उरांव जैसी मजबूत आदिवासी महिला की घर वापसी हो रही है. यह एक सुखद पल है. कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में गीताश्री उरांव की कार्य सराहनीय रहा है.

आओ जानें

चाईबासा के कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	कांग्रेस	बागुन सुंब्रई
2005	भाजपा	पुत्कर हेंब्रम
2009	झामुमो	दीपक बिरुआ
2014	झामुमो	दीपक बिरुआ
2019	झामुमो	दीपक बिरुआ

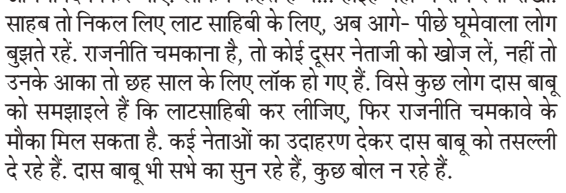

राजरंग

पहिले दास थे, अब तो लाट साहिबी बघारेंगे ...

बोले में महारथ हासिल दास बाबू अब संभल के बोलेंगे. पहिले दास थे, अब लाट साहिबी बघारेंगे. बड़का भवन में राज करेंगे. पिछला चुनाव में अड़बड़ बोले लगे. चचा से पंगा ले लिए. एतना अड़बड़ बोले लगे कि पूछिए मत. चचा से पंगा लेना महंगा पड़ा. झारखंड में कमल मुरझा दिए. लेकिन पार्टी में उपरे तक पहुंच-पउवा था, वाइस प्रेसिंडेट बना दिए गए, पर लौहनगरी से मोह भंग नहीं हुआ. पूर्वी को सीने से लगइले रहे. चचा से रह-रह कर ठेन खोजते रहे. टकराइते भी रहे, लेकिन चचा भी कम थोड़े न थे. पटकनिया पर पटकनिया देते रहे. दास बाबू अपने आजू-बाजूवालों से कहते रहे कि अबकी चांस में सभे का दिन फिर जाएगा. घबराना नहीं है. चचा यहां नहीं टिकेंगे. आजू-बाजूवाले भी हांका खिंचते रहे. लेकिन केंद्र में बैठे आकाओं ने ऐसा गेम प्लान सेट किया कि दास बाबू चारो खने चित्त हो गए. बोलतिए बंद हो गई. भवन में राज करने का हुक्म मिला, तो दास बाबू ने एकदम से गुमकी साध ली है. समर्थक हतोत्साहित हैं कि अब का करें, अब तो उनके आका का ही राजनीतिक बोरिया-बिस्तर समेट दिया गया है, तो भला उनकी क्या औकात है. फिर भी करीबी जीभ लपलपाइले हैं कि शायद अभियो दिन फिर जाए. लेकिन कहते हैं न... होइहें वहीं जे राम रची राखा. साहब तो निकल लिए लाट साहिबी के लिए, अब आगे- पीछे घूमेवाला लोग बुझते रहें. राजनीति चमकाना है, तो कोई दूसर नेताजी को खोज लें, नहीं तो उनके आका तो छह साल के लिए लॉक हो गए हैं. विसे कुछ लोग दास बाबू को समझाइले हैं कि लाटसाहिबी कर लीजिए, फिर राजनीति चमकावे के मौका मिल सकता है. कई नेताओं का उदाहरण देकर दास बाबू को तसल्ली दे रहे हैं. दास बाबू भी सभे का सुन रहे हैं, कुछ बोल न रहे हैं.

का पे करूं श्रृंगार पिया मोर...

बड़ी मशक्कत के बाद राज्य में कुछ बोर्ड -निगम का गठन हुआ, कुछ का होना बाकी है. कांग्रेसवालों का तो कोटा फुल हो गया है, फिर भी लकलकाइले हैं. एगो मंत्री जी संथाल से हैं. बहुते विनम्र. हाथे जोड़ले घूमते रहते हैं. उनके विभाग का भी दुगो बोर्ड का गठन हुआ. धार्मिंक न्यास बोर्ड और मार्केटिंग बोर्ड. पांच महीना हो गया. चिट्ठी तो जारी हो गयी, लेकिन अध्यक्ष द्वय को कोई सुविधा नहीं मिली. जइसे-तइसे कांग्रेसी सेटिंग से ऑफिस में बइठे भर का जगह तो जुगाड़ कर लिए, लेकिन तेल-पानी का जुगाड़ नहीं बइठा. अपना जेबी के पइसा से तेल-पानी भरा रहे हैं. पानियो खरीद के पीना पड़ रहा है. निजी गाड़ी से आना-जाना पड़ रहा है, खिजिया भी रहे हैं, लेकिन खुल कर कुछ बोलियो नहीं पा रहे हैं. बोर्ड के अध्यक्ष उम्मीद लगाइले बइठे हैं कि राज्यमंत्री का दर्जा मिलेगा. गाड़ी-घोड़ा की सुविधा मिलेगी. उनके साथ ही आवास बोर्ड सहित दूसरे बोर्ड के लोगों को तो सुविधा मिल गई है, लेकिन उनके अपने ही मंत्री जी के विभाग के बोर्ड-निगम वाले हांफ रहे हैं. कुछो नहीं मिला है. धार्मिक न्यास बोर्ड में ऊपरी कृपा से पद हथियाने में कामयाब रहे एनआरजे (नन रेसिडेंट झारखंडी) पंडित जी का सिर का बालवो तनी उड़ले है. वैसे पुश्तैनी घर हजारीबाग है.उनके बाबुजी भी बड़का नेता थे. ...ठक जी के साथ कई कांग्रेसी भी न्यास बोर्ड में जगह हथियावे में कामयाब हो गए हैं. पंडित जी, मुवाफ कीजिएगा ...ठक जी झारखंड की सक्रिय राजनीति में कम ही दिखाई पड़ते हैं, लेकिन गेटिंग-सेटिंग कर पद हथियावे में माहिर हैं. चेहरा चमकावे ला कभी-कभी आ जाते हैं. इनका कोइयो जोड़ नहीं है. मार्केटिंग बोर्ड में ठाकुर साहेब हैं. लंबा-चौड़ा शरीर लिए घूमते रहते हैं. फर्राटे से भोजपुरी बोलते हैं. लेकिन उहो हांफ रहे हैं. बड़ी मुश्किल से हांफते-हांफते पद तो मिल गया, लेकिन सुविधा जीरो. कहते हैं कि कुछो नइखे मिलल हो. खाली चिठिया मिलल बा. हमनी के कांग्रेस कोटा के मंत्री जी भी कुछ करे के स्थिति में नइखन. उनकर केहुं सुनते नइखे. अब ..ठक जी और ठाकुर साहेब मुंह बिचकाइले फिर रहे हैं, कहते हैं... का कहल जाओ भाई, कुछो कह..हूं लायक नइखीं. केकरा से का बोलल जाओ. हाल इहे बा..अरे का पे करूं श्रृंगार जब पिया मोर...

दीपक की लौ कम क्या हुई, दाएं-बाएं वालों ने भी कन्नीकाट ली, दूरे रह रहे हैं...

भाजपा में एगो नेताजी हैं. एक समय खूब चलती थी. उपर के नेताओं से खूब छनती थी. जो चाहते थे, सो कराते थे. उनके दीपक से ऐसी प्रकाश फैलती थी कि पूछिए मत. जब जो चाहा किया. राज्यसभा में भी हुनर दिखाते हुए प्रदेश में पार्टी की बागडोर संभालते थे. खूब चली मर्जी. गुपचुप तरीके से इनर कैबिनेट का विस्तार करते रहे. कभी किसी को, तो कभी किसी और चहेते को पदधारी बना दिया. सार्वजनिक घोषणा कर पद बांटने से परहेज करते रहे. गते-गते, चुपे-चुपे अपने चहेतों, राग दरबारियों को रेवड़ी की तरह पद बांटते रहे. पद था, तो पावर भी था. खूब चली नेताजी की. उनके जमाने में पार्टी में बोलनेवाले नेताओं (प्रवक्ताओं) पर भी बंदिश थी. या तो उनको बोलने नहीं दिया जाता था और बोलने दिया भी जाता था, तो उतना ही, जितना बोलने को कहा जाता था. अब बेचारे नेताजी किनारे हो गए हैं या सच पूछा जाए तो किनारा धरा दिए गए हैं. नेताजी किनारा का धरे, उनके इनर कैबिनेट (पदधारी) के नेताजी लोग भी उनसे कन्नी काटने लगे हैं. कुछ टिकट की चाहतवाले नेताजी पहले ज्यादा ही आगे-पीछे किया करते थे, लेकिन अब वे भी किनारा कर लिए हैं. सामने से कहीं दीपक का प्रकाश दिख गया, तो उलटे पांव भागते हैं कि प्रकाश की रोशनी में कोई देख न ले. कहीं नप न जाएं. जो हूं उम्मीद है, उसमें पलीता न लग जाए. अब कभी प्रकाश फैलानेवाला दीपक खुद ही प्रकाशित होने को तरस रहा है, तो अग्गू-भग्गू के पूछेवाला भला कौन है. एही से सब भागले फिर रहा है.

ब्रीफ खबरें

विधायक की अनुशंसा पर हुई डीप बोरिंग

जमशेदपुर। गोलमुरी केबल टाऊन स्थित बिड़ला मंदिर और मोहरदा स्थित प्राचीन मंदिर के समीप विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर शनिवार को डीप बोरिंग कराई गई. डीप बोरिंग कार्य की देखरेख कर रहे जनसुविधा प्रतिनिधि हरे राम सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सरयू राय ने इन कार्यों को करवाया है. इसके लिए अन्य स्थल चिह्नित हैं जहां डीप बोरिंग की जानी है. डीप बोरिंग के पश्चात यहां सबमर्सिबल पंप, पांच हजार लीटर क्षमता की पानी टंकी भी लगाई जाएगी.

योजनाओं को शुरू करने की मांग की

जमशेदपुर। भारतीय जनतंत्र मोर्चा जमशेदपुर महानगर के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी से भेंट की. इस दौरान एक ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में लंबे समय से अधूरे पड़े विकास कार्यों एवं लंबित विकास योजनाओं को यथाशीघ्र शुरू कराने की मांग की. भाजमो ने नगर विकास विभाग की निधि से क्रियान्वित होने वाली योजनाएं जिनका लंबे समय से एकरारनामा पूरा नहीं हुआ है तथा विभिन्न योजनाएं जो लंबित हैं उन्हे शीघ्र शुरू किया जाए.

एक को होगी भाकपा जिला परिषद की बैठक

कोडरमा। भाकपा जिला परिषद कोडरमा की बैठक आगामी एक नवंबर को साहू धर्मशाला, झुमरी तिलैया में होगी. इसमें आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव, संगठन को मजबूती करने, जन संगठन आदि मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी. साथ ही बताया कि बैठक में हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, जिप सदस्य महादेव राम, भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक, अंचल मंत्री सच्चिदानंद पांडेय मौजूद थे.

अमर बाउरी बने अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान बने सचिव

कतरास (धनबाद)। मुराईडीह काली मंदिर परिसर में हर साल की तरह इस बार भी काली पूजा का आयोजन धूमधाम से होगा. शनिवार को हुई कमेटी की बैठक में तैयारी पर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का चुनाव किया गया.जिसमें अध्यक्ष अमर कुमार बाउरी, उपाध्यक्ष कार्तिक कर्मकार, सचिव वीरेंद्र चौहान, कोषाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, अभिषेक कुमार व नवीन सिंह सर्वसम्मति से चुने गए. संजय कुमार, मनोज मोदी, विश्वजीत दुबे, प्रदीप मिस्त्री, जगनारायण चौहान संरक्षक बनाए गए.

जिलाध्यक्ष विजय महतो का अभिनंदन

आदित्यपुर। जिले के तीनों विधानसभा खरसावां, सरायकेला और ईचागढ़ में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के "संकल्प यात्रा" को ऐतिहासिक सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए शनिवार को जिला अध्यक्ष विजय महतो को आदित्यपुर नगर निगम के पूर्व मेयर व पार्टी के वरिष्ठ नेता विनोद श्रीवास्तव की उपस्थिति में भाजपा नेता गणेश महाली ने स्वागत एवं अभिनंदन किया. इस मौके पर जिला महामंत्री मधु गोराई, जिला मंत्री मनोज तिवारी, मीडिया सह प्रभारी ललन शुक्ला, वरिष्ठ नेता ब्रह्मानंद झा मौजूद थे.

6 विधानसभा की संयुक्त सभा के साथ बाबूलाल की संकल्प यात्रा का समापन

हेमंत लुटेरों के संरक्षक : मरांडी

प्रमुख संवाददाता।रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा का हरमू मैदान में बड़ी जनसभा के साथ समापन हुआ. बाबूलाल मरांडी 17 अगस्त से राज्य के 81 विधानसभा सीटों के लिए संकल्प यात्रा पर निकले थे. शनिवार को रांची, हटिया, कांके, तमाड़, खिजरी और मांडर विधानसभा की संयुक्त सभा के साथ उन्होंने अपनी यात्रा को विराम दिया. वहीं मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत राज्यभर से संग्रहित 312 कलश में मंच पर लाए गए. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत पार्टी के कई सांसद और विधायक भी सभा में पहुंचे. संकल्प सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर तीखे हमले किये. कहा कि हेमंत सरकार में विकास का कोई काम नहीं हो रहा है. पूरी सरकार कमाने में लगी हुई है. जब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी तब प्रदेश की आधारभूत संरचना मजबूत हुई.सड़क, पुल, पुलिया बने. चुनाव से पहले हेमंत सरकार ने कई घोषणाएं की थी. रोजगार और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ. उन्होंने कहा प्रदेश में हेमंत सरकार के रहते विकास नहीं हो सकता. यह सिर्फ अपना विकास कर रही है. सरकारी दफ्तरों में बिना पैसे का कोई काम नहीं होता. खनिजों की लूट मची हुई है. हेमंत सरकार लुटेरों को संरक्षण दे रही है. लुटेरों को बचाने के लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट के महंगे वकील लाती है.

खास बातें

- 17 अगस्त को बाबूलाल ने शुरू की थी संकल्प यात्रा
- 81 विधानसभा सीटों के लिए संकल्प यात्रा पर थे बाबूलाल

मोदी झारखंड को विकास की मुख्य धारा में ला रहे : जेपी नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड को विकास की मुख्य धारा में लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 2014 तक राज्य में सिर्फ 2402 किलोमीटर तक नेशनल हाइवे था. चार साल बाद यह 7491 किलोमीटर हो गया है. 1100 करोड़ की लागत से देवघर में एम्स बना है. गोड्डा में कोच मेंटेनेंस डिपो बना. आने वाले समय में रांची रेलवे स्टेशन वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनेगा. वहीं हेमंत सरकार ने जिस काम में हाथ लगाया उसका बंटाधार ही हुआ.

सरकार को उखाड़ फेंकने तक संघर्ष करना पड़ेगा : अर्जुन मुंडा

संकल्प सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रदेश की हालत से जनता अवगत है. हेमंत सरकार राज्य और यहां की जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही है. यह सरकार जनता को सताने का काम कर रही है. माफिया सरकार को चला रहे हैं. राज्य में हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है. इस सरकार के 4 साल के कार्यकाल में झारखंड काफी पिछड़ गया है. हमें राज्य को हर स्तर पर बचाना है.

4 साल में जनहित के काम नहीं हुए : संजय सेठ

रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि हेमंत सरकार ने 4 साल मे जनहित के मुद्दों पर कोई काम नहीं किया है. सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है. हेमंत सरकार में सड़क, बिजली, पानी जैसे मुलभूत सुविधाओं में कोई सुधार नहीं हुआ है. जनता कराह रही है.

झूठ बोलने का खामियाजा भुगतना पड़ेगा : नवीन

हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि पिछले चुनावों में झामुमो और कांग्रेस ने जनता से जो वादे किये थे वे पूरे नहीं हुए हैं. 2024 में इनको झूठ बोलने का खामियाजा भुगतना पड़ेगा. मोदी को हराने के लिए बेल और जेल वाले नेता एक मंच पर आ रहे हैं, लेकिन जनता इन्हें उखाड़ फेंकेगी.

यह सरकार निकम्मी है : सुदर्शन भगत

लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि हेमंत सरकार अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर रही है. यह सरकार निकम्मी है और भ्रष्टाचार में लिप्त है. लोगों को बरगला कर वोट हासिल किया है. राज्य में रोजगार नहीं है. अपराध बढ़ गया है.

पीएम को पत्र लिख सरना धर्म कोड की घोषणा करने की मांग

संवाददाता।जमशेदपुर

आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरना धर्म कोड की घोषणा करने की मांग की. पत्र के माध्यम से सालखन मुर्मू ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन 15 नवंबर (1875), जो झारखंड प्रदेश का स्थापना दिवस (15 नवंबर 2000) भी है, के ऐतिहासिक मौके पर 15 नवंबर 2023 को बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलिहातू ग्राम,खूंटी- रांची पधार रहे हैं. आदिवासी सेंगेल अभियान बिरसा मुंडा की धरती पर आपका हार्दिक स्वागत करता है. आपने महामहिम राष्ट्रपति के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को पदास्थापित कर संपूर्ण भारत के आदिवासियों को सम्मानित और गौरान्वित किया है. भगवान बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आइकॉन बनाया है. बिरसा मुंडा के जन्मदिन 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस घोषित और पालन कर राष्ट्र के सभी आदिवासी वीर शहीदों और उनके राष्ट्र रक्षा संघर्षों और बलिदानों को रेखांकित और सम्मानित किया है. सेंगेल अभियान जानना चाहता है कि क्या आप इस ऐतिहासिक दौरे में भारत के प्रकृति पूजक आदिवासियों को सरना धर्म कोड देकर धार्मिक आजादी प्रदान कर धन्य करेंगे.

लोकसभा की सभी 14 सीटें जीतेगी भाजपा झारखंड में भी सरकार बनाएगी : लक्ष्मण

संवाददाता।रांची

राजधानी रांची में शनिवार को आयोजित विशाल संकल्प रैली में धनवार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके पूर्व आईपीएस अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने भी टीम के साथ हिस्सा लिया. उनके साथ धनवार विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल से मेरी माटी -मेरा देश कार्यक्रम के तहत लाये गये कलश को मंच पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं के समक्ष रखा. पूर्व आईपीएस अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि रांची की संकल्प रैली में हिस्सा लेने के बाद सभी कार्यकर्ता दिल्ली रवाना हो जाएंगे, जहां सारे कलश को राष्ट्रीय कार्यालय में जमा करेंगे. कार्यकर्ताओं ने संकल्प रैली में हिस्सा लेकर जेपी नड्डा का संबोधन सुना. लक्ष्मण सिंह जी ने कहा कि मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम से लोगों में देशभक्ति की भावना जगेगी. हरमू की विशाल जनसभा से यह साफ हो गया है कि आनेवाले दिनों में भाजपा झारखंड की लोकसभा की सभी 14 सीटें जीतकर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनाएंगी और विधानसभा चुनावों में भी भारी जीते के साथ झारखंड में भी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी.

खास बातें

- पूर्व आईपीएस अधिकारी लक्ष्मण सिंह हुए रैली में शामिल
- कहा - झारखंड में भी भारी बहुमत से जीतेगी भाजपा

चांडिल

चुनाव निकट आते ही लोगों की याद आई, आम लोगों के साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह

क्षेत्र में सक्रिय हो गए सांसद, दुर्गोत्सव में भी हुए शामिल

संवाददाता । चांडिल

इन दिनों रांची लोकसभा क्षेत्र के सांसद संजय सेठ ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं. चुनाव जीतने के बाद शायद पहली बार वे शारदीय नवरात्र में आयोजित दुर्गोत्सव के कार्यक्रमों में शामिल हुए. दुर्गोत्सव के दौरान सांसद चावलीबासा, चौका, चिलगु आदि स्थानों में पहुंचे और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया. स्थानीय लोगों के साथ शामिल होने पर एक ओर जहां आम लोगों के साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह है, वहीं इसको लेकर चर्चा का बाजार भी गर्म है. क्षेत्र में चर्चा है कि चुनाव निकट आते ही सांसद को लोगों की याद आने लगी.

दुर्गोत्सव में शामिल सांसद संजय सेठ.

कार्यकर्ताओं को एकजुट करना चुनौती

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम के लिए भी सांसद तीन दिनों तक ईचागढ़ क्षेत्र में ही रहे. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का कोई ऐसा नेता नहीं है जो समूचे विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधकर रख सके. पूर्व विधायक दिवंगत साधु चरण महतो के निधन के बाद भाजपा कई गुटों में बंट चुकी है.

डॉ प्रदीप वर्मा की फ्लैक्स से पटा ईचागढ़

भाजपा के प्रदेश मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा ने दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली, काली पूजा, सोहराई, छठ पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं. उनके शुभकामना वाले फ्लैक्स से समूचा ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र पटा हुआ है. बताया जा रहा है कि रांची लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में उन्होंने शुभकामना वाले फ्लैक्स लगवाये हैं. बीते वर्ष भी डॉ प्रदीप वर्मा ने फ्लैक्स लगवाए थे. डॉ प्रदीप वर्मा को रांची लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट के प्रमुख दावेदारों में से एक माना जा रहा है. बैनर पोस्टर के सहारे वे क्षेत्र में अपनी पैठ बनाना जारी रखे हुए हैं. ईचागढ़ में उनकी गहरी पैठ बने इसलिए डॉ. प्रदीप वर्मा ने एक कार्यकर्ता को अपने सहयोगी के रूप में भी रखा है. वहीं रांची से छह बार विधायक रहने वाले सीपी सिंह और हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल भी टिकट की दौड़ में हैं. ऐसे में सांसद संजय सेठ के लिए अपनी साख बचाए रखना चुनौती है.

कांग्रेस जिला महासचिव ने दिया पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा

संवाददाता।सिंदरी

कांग्रेस जिला महासचिव राहुल राज ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. कांग्रेस के झारखंड प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे के द्वारा शुक्रवार को धनबाद लोकसभा सीट पर दावा करने और समन्वय समिति की बैठक के बाद कांग्रेस धनबाद जिला महासचिव राहुल राज ने पद सहित पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने इसका कारण कांग्रेस में जातिवाद हावी होना बताते हुए कांग्रेस धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को इस्तीफा भेज दिया है. राहुल राज पार्टी में वर्ष 2009 से छात्र संगठन, युवा कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस सहित सिंदरी नगर अध्यक्ष सहित जिला महासचिव पद पर रह चुके हैं.

इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस में कुछ वर्षों से जातिवाद हावी हो गया है. उन्होंने कहा कि कर्मठ कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करते हुए निरंतर चापलूस, अनुशासनहीन, पार्टी को कमजोर करने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है. कांग्रेस कोआर्डिनेशन कमेटी में सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को कम स्थान देकर धनबाद विधानसभा के सर्वाधिक कार्यकर्ताओं को बढ़ावा देना गलत प्रक्रिया है.

ब्रीफ खबरें

बीस सूत्री अध्यक्ष ने किया बीडीओ का स्वागत

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड के सीओ चंचला कुमारी द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी का पदभार लेने पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने शनिवार को बुके देकर स्वागत किया. बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के ने विकास कार्य में पूरा सहयोग करने का आश्वासन प्रभारी बीडीओ को दिया. सीओ सह प्रभारी बीडीओ ने सभी जनप्रतिनिधियों से सहयोग करने की बात कही. मौके पर उप प्रमुख चैतन मुर्मू, मुखिया सरस्वती बास्के, मालती मुर्मू, झामुमो नेता उदय मुर्मू, सरकार किस्कू आदि उपस्थित थे.

अधिवक्ता दिवस को लेकर वकीलों की बैठक

जमशेदपुर। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर लॉयर्स डिफेंस के उपाध्यक्ष अधिवक्ता राजकुमार दास के भुइयांडीह स्थित आवास पर शनिवार को अधिवक्ताओं ने बैठक कर 3 दिसंबर अधिवक्ता दिवस मनाने का निर्णय लिया. इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सभी अधिवक्ताओं की दुख सुख में हमेशा साथ रहने एवं अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए कार्य करने का साथ अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया. इस दौरान शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पूजाका आयोजन किया गया.

स्टेशन में महिला जवान ने बचाई यात्री की जान

जमशेदपुर। जमशेदपुर के टाटानगर स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात महिला जवान एसआर कुमारी ने यात्री की जान बचाई. महिला जवान ने चलती ट्रेन से रेल पटरी पर गिरने के दौरान उसे बचाया. घटना गुरुवार देर रात 1.30 बजे की है. दरअसल ट्रेन नंबर 15929 तंबरम-न्यू तिसुकिया एक्सप्रेस रात 1.30 बजे टाटानगर स्टेशन के प्लैटफार्म नंबर 3 पर पहुंची थी. ट्रेन 1.36 बजे टाटानगर स्टेशन से खुली. हालांकि इस दौरान एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगा. इसी बीच वह ट्रेन से गिरकर पटरियों में जा घुसा.

आजसू समर्थकों ने किया थाने का घेराव

कतरास। मधुबन थाना क्षेत्र के नावागढ़ मोड़ में दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में आजसू द्वारा लगाए गए शुभकामना संदेश के पोस्टर को अज्ञात लोगो द्वारा फाड़े जाने के विरोध में सांसद प्रतिनिधि रामा शंकर तिवारी के नेतृत्व में उनके समर्थकों ने मधुबन थाना का मुख्य द्वार का घेराव कर प्रदर्शन किया एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की. मौके पर तिवारी ने कहा की कुछ दिनों पूर्व भी उक्त स्थल पर लगे आजसू के पोस्टर को अज्ञात लोगो ने फाड़ दिया था. उन्होंने कहा कि उपरोक्त मामले को लेकर मधुबन पुलिस को पुनः लिखित शिकायत दी गई है. फिर भी पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो आजसू पार्टी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी.

कथारा में फिट इंडिया कार्यक्रम का आयोजन

कथारा (बेरमो) । सीसीएल कथारा क्षेत्र के कथारा महाप्रबंधक कार्यालय में शनिवार को फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 4.0 का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में सीसीएल कथारा क्षेत्र के अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय लोग और स्कूली छात्र उपस्थित थे.साथ ही फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 4.0 में 103 प्रतिभागियों ने भाग लिया. वहीं कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपने तथा अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के लिए लोगों को जागरूक करना था. इस दौरान स्वच्छता का महत्व के साथ एक स्वस्थ जीवन शैली के सिद्धांतों का पाठशाला भी चलाई गई.

सूर्यनाथ सिंह की प्रतिमा होगी स्थापित

बेरमो। मजदूर नेता सूर्यनाथ सिंह की 9वीं पुण्यतिथि महिला मंडल करगली में श्रमिक कल्याण और एकता दिवस के रूप में मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मजदूर नेता गिरजाशंकर पांडेय और संचालन भाजपा फुसरो मंडल निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने किया. कार्यक्रम में पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय, पूर्व मंत्री लालचंद महतो और बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो, सीसीएल के ढोरी और कथारा जीएम सहित विभिन्न दलों, संगठनों के नेता समेत अन्य अधिकारी शामिल थे. इस अवसर पर बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने कहा कि बेरमो कोयलांचल में श्रमिक नेता स्वर्गीय सूर्यनाथ सिंह की प्रतिमा निजी मद से स्थापित करेंगे.

निरसा में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के दोनों तरफ सर्विस लेन अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है

जाम की समस्या से लोग परेशान, नहीं हो पा रहा निदान

संवाददाता ।निरसा

निरसावासियों के लिए जाम की समस्या अब नासूर बन गई है. निरसा जीटी रोड़ पर हो रही जाम की समस्या से मुक्ति नहीं मिल पा रही है. प्रतिदिन जाम की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है. जबकि सड़क किनारे दो पहिया व चार पहिया वाहनों को खड़ा करना जाम का प्रमुख कारण है.

वहीं शनिवार को निरसा चौक पर निरसावासियों को महाजाम का सामना करना पड़ा. निरसा चौक से लगभग दो-ढाई किलोमीटर की दूरी तक दिल्ली-कोलकाता एवं कोलकाता-दिल्ली लेन पर घंटों महाजाम की स्थिति बनी रही. उक्त जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी थी. जिसमें काफी नाजुक स्थिति में मरीज था. बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के दोनों तरफ निरसा में सर्विस लेन बनी है, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण दोनों सर्विस लेन अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है. यह अधिकारियों की लापरवाही कहें या भय जिसके कारण आए दिन राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर जाम की स्थिति बनी रहती है.

सड़क जाम

- सड़क किनारे चार पहिया वाहन लगा रहता है
- निरसा चौक पर महाजाम का सामना करना पड़ता है

आए दिन यहां दुर्घटनाएं होती रहती हैं. लोग मरते रहते हैं, पर उनकी बला से क्या जिसकी होती है उसकी होती है. इन्हें इन सबों से क्या सरोकार. यह तो कुंभकर्णी नींद में सोए रहते हैं. यह सब निरसावासियों को झेलना पड़ता है. अखबारों में समाचार प्रकाशित होने के बाद 2, 3 दिन प्रशासन हरकत में आएंगे. फिर वही ढ़ाक के तीन पात हो जाती है. सर्विस लेन वाहन चलाने के लिए बनाया गया था, परंतु दुखद बात यह है कि सर्विस लेन को अतिक्रमणकारियों को दुकान चलाने के लिए कब्जे में दे दिया गया. सूत्र बताते हैं कि सर्विस लेन पर लगे दुकानदारों से जमीन का भाड़ा भी वसूला जाता है. परंतु यह वसूली कौन करता है, किसके सह पर करता है, यह जांच का विषय है. प्रशासन, अधिकारी और जनप्रतिनिधि सब के सब मूकदर्शक बनकर बैठे हैं.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- कौन सी जनजाति ओडिशा से आकर झारखंड में बसी – **खोंड**
- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहां रवींद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा का अनावरण किया – **वियतनाम**
- गुंदेचा भाई किस संगीत कला से सम्बंधित हैं – **द्रुपद**
- वो खेल जिसे वर्ष 2028 के ओलंपिक में शामिल किया गया– **क्रिकेट, बेसबॉल व स्कवैश**
- कोठेश्वरनाथ स्तूप झारखंड के किस जिले में है– **ईटखोरी**
- चारुदत्त व वसंतसेना नामक नगरवधू की प्रेम कथा पर आधारित नाटक– **मृच्छकटिकम्**
- जावाई बांध किस राज्य में स्थित है – **राजस्थान**
- थीपुसम त्यौहार किस समुदाय द्वारा मनाया जाता है – **तमिल**
- भगवती सूत्र किसके बारे में जानकारी देता है – **महावीर**
- हिमाचल प्रदेश में किसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है – **खजियार**

डीसी ने की भू-अर्जन व आपूर्ति समेत कई विभागों के कार्यों की समीक्षा की

लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर करें निष्पादन : डीसी

संवाददाता ।गढ़वा

अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय के पदाधिकारी के साथ बैठक करते हुए उपयुक्त गढ़वा

समाहरणालय सभागार में डीसी शेखर जमुआर ने भू-अर्जन, राजस्व, आपूर्ति समेत कई विभागों से संबंधित कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की. बैठक में डीसी ने भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए एनएचएआई-75 को लेकर अधिग्रहित सेक्शन 4 एवं 5 में हुए मुआवजा भुगतान की जानकारी ली. जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने बताया कि उक्त सेक्शन में मुआवजा भुगतान का कार्य जारी है. डीसी ने सभी अंचल अधिकारी को लैंड पोजेशन सर्टिफिकेट (एलपीसी) समय पर निर्गत करने का निर्देश दिया. डीसी ने अनिवार्य रूप से अंचल के कर्मचारी एवं अमीन को स्पॉट पर जाकर एलपीसी निर्गत करने संबंधित कार्य करने का निर्देश दिया. वहीं पेंडिंग जीएम लैंड जो एनएचएआई को हस्तांतरित करना है, इस संबंध में गढ़वा, मेराल, रमना एवं नगर उंटारी अंचल को निर्देश दिया गया.

राजस्व की समीक्षा करते हुए डीसी ने दाखिल खारिज के 30 एवं 90 दिनों से अधिक के लंबित मामलों की समीक्षा की. समीक्षा के क्रम में डीसी ने रमना, भवनाथपुर, गढ़वा, भंडरिया समेत अन्य अंचलों में 30 एवं 90 दिनों से अधिक लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने का निर्देश दिया. डीसी ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आवेदन को लंबित न रखें. निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदनों का निष्पादन करें. डीसी ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत करने को लेकर पंचायत स्तर पर व्यवस्था करने का निर्देश दिया. जिससे आमजनों को प्रमाण पत्र निर्गत कराने की समस्या का सामना न करना पड़े. लैंड डेमोक्रेशन, एफआरए, वन पट्टा से जुड़े मामलों की भी समीक्षा करते हुए डीसी ने आवश्यक निर्देश दिए.

दिये निर्देश

- डीसी ने मुआवजा भुगतान की जानकारी ली
- डीसी ने एलपीसी समय पर निर्गत करने का निर्देश दिया
- डीसी ने जन्म प्रमाणपत्र निर्गत करने का निर्देश दिया

आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान उपस्थित जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा जिले में राशन उठाव की वर्तमान स्थिति पूछी गई. साथ ही दर्ज विभिन्न शिकायतों पर अबतक किये गए कार्रवाई एवं निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन के बारे में पूछा गया. डीसी जमुआर ने विभिन्न दर्ज शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के साथ बैठक कर करने का निर्देश दिया. इसके अलावा डाकिया योजना के तहत पीवीटीजी परिवारों को 100% तक राशन वितरित कराने का निर्देश दिया. संबंधित एजीएम को जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के स्टॉक एवं स्टॉक पंजी की जांच करने का निर्देश दिया. डीसी ने कहा कि ससमय राशन का वितरण सुनिश्चित करें. डीसी ने पदाधिकारियों से कहा कि उत्तरदायित्व को समझते हुए जनता के हित में कार्य करें. अगर इस दौरान कोई परेशानी होती है तो वरीय पदाधिकारियों से साझा करें. इस बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता पंकज कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा बिजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर रतन कुमार सिंह, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी एजाज अनवर, जिला नजारत उप समाहर्ता-सह-जिला कल्याण पदाधिकारी नीलेश मुर्मू, सभी अंचल अधिकारी, सभी सीआई समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे.

अवैध खनन का विरोध, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता।जमशेदपुर

सामाजिक सेवा संघ ने पोटका तिरिलडीह निवासी बयार सिंह सरदार के रैयती जमीन पर अवैध रूप से क्रशर चलाने एवं खनन करने के विरोध मे शनिवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई करने की मांग की. इस संबंध में सामाजिक सेवा संघ के राजेश सामंत ने बताया कि पोटका थाना के तिरिलडीह गांव निवासी बयार सिंह सरदार पिता स्वर्गीय भैरव भूमिज के पुश्तैनी रैयती जमीन (खाता संख्या 121 प्लॉट संख्या 100) पर मिंटू सिंह द्वारा अवैध खनन कर क्रशर चलाया जा रहा है. मिंटू सिंह के द्वारा बयार सिंह सरदार के छोटे भाई बुद्धेश्वर सिंह और रणजीत सिंह को बहला फुसला कर शराब पिलाकर आदिवासी जमीन पर अवैध रूप से क्रशर चलाया जा रहा है और खनन किया जा रहा है. यह सीएनटी एक्ट का उल्लंघन है. बयार सिंह सरदार के विरोध करने पर मिंटू सिंह द्वारा जान मारने की धमकी दी जाती है. पुलिस भी इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त से कार्रवाई करने की एवं बयार सिंह सरदार को न्याय दिलाने मांग की गई है. इस अवसर पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष सगेन पूर्ति, मुखिया शिवलाल लोहार, भूपति सरदार, अमित दास, छोटे सरदार, बयार सिंह सरदार उपस्थित थे.

अवैध खनन रोकने के लिए लोगों ने भेजा हस्ताक्षरयुक्त पत्र

मैथन। ईसीएल मुगमा एरिया के कापासारा कोलियरी क्षेत्रों में कोयले की अवैध खनन रोकने के लिए मुगमा स्टेशन रोड के निवासियों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त त्राहिमाम पत्र ईसीएल के महाप्रबंधक भेजा है. कहा कि कापासारा आउटसोर्सिंग कोलियरी में बेरोक टोक अवैध खनन हो रहा है. चोरों ने चार-पांच सौ मीटर तक सुरंग बना दिया है. आये दिन भू धंसान एवं चाल धंसने की घटना हो रही है. कई लोगों की जान जा चुकी है. यदि इसी तरह अवैध खनन होता रहा तो उनका घर कभी भी जमींदोज हो सकता है. कहा है कि गोपीनाथपुर, भालुकसुंदा, मुगमा, शिवडंगाल, मारकोड़ा, साहेबडंगाल आदि क्षेत्रों के लोग डर के साये में जीने को विवश हैं. लोगों ने पत्र की प्रतिलिपि धनबाद के डीसी, एसएसपी, एसडीओ और एग्यारकुंड बीडीओ को भी भेज दिया है. लोगों ने अवैध खनन के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की मांग अधिकारियों से की है. लोगों के पत्र को गंभीरता से लेते हुए एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने भी जीएम को पत्र भेज कर अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए अविलंब रोक लगाने की मांग की है.

एसएसपी ने बरसोल थाना का किया निरीक्षण

बहरागोड़ा। पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने शनिवार को बरसोल थाना का निरीक्षण किया. उन्होंने बरसोल थाना के वार्षिक निरीक्षण के तहत कई बिंदुओं का निरीक्षण की. कई दस्तावेजों का निरीक्षण किया, जिसमें कमी पाई गई उसे त्वरित पूरा करने का निर्देश दिया गया. एसएसपी ने बरसोल थाना प्रभारी रामदयाल उरांव को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये. उन्होंने कहा कि बरसोल थाना पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र का थाना है. इसलिए विशेष तौर पर पश्चिम बंगाल के बालियाबेड़ा थाना के जो अपराधी हैं उनकी सूची थाना को उपलब्ध कराया गया है. अतः अपराधी की सूची भी समीप के थाना को दिया जाए.

नशे के खिलाफ चला अभियान तीन शराब भट्ठियां ध्वस्त की गईं

संवाददाता ।जमशेदपुर

जमशेदपुर में जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत बिरसानगर पुलिस ने हुरलुंग में छापेमारी कर अवैध देसी शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया है. बिरसानगर थाना प्रभारी विवेक माथुरी ने अपनी टीम के साथ मिलकर हुरलुंग में छापेमारी कर तीन शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया.

साथ ही कई किलो जावा महुआ और शराब को भी नष्ट किया गया है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में फिर से शराब भट्ठियां शुरु कर दी गई है. सूचना पाते ही टीम का गठन करते हुए छापेमारी की गई. हालांकि पुलिस को देख मौके से लोग फरार हो गए. फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

श्रम विभाग ने जियो को दिया बकाया भुगतान का आदेश

संवाददाता।धनबाद

मोबाइल टावर लगाने के बाद लेबर सेस नहीं जमा करने वाली टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो इन्फ्राटेल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ शनिवार को श्रम विभाग ने कड़ी कार्रवाई की. बकाया लेबर सेस का 77 लाख 94 हजार रुपए भुगतान करने का आदेश दिया.साथ ही अन्य टावर कंपनी को भी नोटिस जारी किया.

सहायक श्रमायुक्त सह श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार ने बताया कि रिलायंस जियो कम्पनी ने 194 टावर लगाने के बाद भी कर का भुगतान नहीं किया था. जिसे देखते हुए कंपनी को भुगतान का आदेश दिया गया है. साथ ही एटीसी इंडिया, भारती इन्फ्राटेल लिमिटेड (एयरटेल), इंडस टावर लिमिटेड, टावर विजन एवं सुमित डिजीटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को लेबर सेस जमा करने के लिए नोटिस जारी किया गया है.

उन्होंने बताया कि किसी भी तरह के निर्माण कार्य के कुल लागत का एक प्रतिशत का लेबर सेस जमा करना अनिवार्य है. यह राशि श्रम विभाग के झारखण्ड भवन एवं सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण निधि के नाम से भारतीय स्टेट बैंक, नेपाल हाउस, डोरंडा के चालू खाता संख्या 30613895935 में जमा किया जाता है. इस लेबर सेस (उपकर) राशि से ही झारखंड भवन एवं सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जाता है.

मतदाता पुनरीक्षण कार्य में करें सहयोग: डीसी

लातेहार । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हिमांशु मोहन ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 की सफलता के लिए जनसहयोग की अपेक्षा की है. उन्होंने कहा कि जन सहयोग से इस अभियान को सफल किया जा सकता है. उपायुक्त शनिवार को समाहरणालय के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. उपायुक्त ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण- 2024 कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृत मतदाताओं का नाम हटाने और त्रुटि में सुधार का कार्य किया जाएगा. उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 27 अक्टूबर को कर दिया गया है. उन्होंने दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने एवं उसका निष्पादन तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हेतु आयोग द्वारा निर्धारित तिथियों की जानकारी दी.

शिक्षा विभाग करेगा सुसाइड के प्रयास की जांच

संवाददाता।धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के अंतर्गत आने वाले एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में अगस्त में हुए सुसाइड प्रयास मामले में अब नया मोड़ आ गया है. राजभवन के आदेश के बाद अब अटेम्प्ट टू सुसाइड केस की जांच जिला शिक्षा विभाग के हाथों में आ गया है. पत्र प्राप्त होने के बाद जिला शिक्षा विभाग ने अपने स्तर से मामले की जानकारी लेनी शुरू की है.

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही टीम बनाकर पूरे मामले की जांच कराकर रिपोर्ट राजभवन को भेज दी जाएगी. वहीं बता दें कि बीबीएमकेयू की टीम के द्वारा मामले की जांच करने के बाद रिपोर्ट कुलपति को सौंप दिया गया था लेकिन विश्वविद्यालय ने लगभग एक महीने से मामले को ठंडे बस्ते में डाल रखा है. बता दें कि पांच अगस्त को एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में हिस्ट्री विभाग की महिला अतिथि शिक्षिका प्रो बिना शर्मा ने आत्महत्या का प्रयास किया. शिक्षिका ने हिस्ट्री विभाग के कमरे में पंखे के सहारे लटक कर जान देने का प्रयास किया था. तब कॉलेज कर्मियों ने कमरे का दरवाजा तोड़ कर शिक्षिका को बचा लिया था. इस मामले में पीड़ित प्रोफेसर ने कॉलेज की प्राचार्य डॉ शर्मिला रानी पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे.

नया मोड़

- पांच अगस्त को बीना शर्मा ने सुसाइड का प्रयास किया था
- जल्द ही टीम बनाकर पूरे मामले की जांच की जाएगी

कई प्रतिष्ठानों के विरुद्ध दायर किया गया मुकदमा

बोकारो। बीते दिनों सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार एवं उनकी टीम में शामिल श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बसंत महतो, वरीय लिपिक नीरज सिन्हा, सुबल गोप, संतोष सिंह के द्वारा बोकारो शहर के विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया था. इसमें सभी प्रतिष्ठानों में अपने कामगारों व श्रमिकों को कम मजदूरी देने की बात सामने आई थी. सभी श्रमिकों का बयान लेकर प्रतिष्ठानों को नाटिस जारी किया गया था. लेकिन सभी प्रतिष्ठानों द्वारा अपने कामगारों का बकाया अंतर राशि का भुगतान नहीं किया गया. जिस कारण शनिवार को सभी प्रतिष्ठानों पर न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अन्तर्गत श्रम न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया. इसमें जिन प्रतिष्ठानों के विरुद्ध मुकदमा दायर की गई है.

रिम्स साक्षात्कार के आधार पर चिकित्सकों का चयन किया गया है

21 विभागों के लिए 33 सीनियर रेसिडेंट का चयन हुआ

संवाददाता।रांची

रिम्स में 100 पदों पर सीनियर रेसिडेंट की नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला गया था. 12 से 17 अक्टूबर तक हुए साक्षात्कार के आधार पर 21 विभागों के लिए कुल 33 चिकित्सकों का चयन किया गया है. रिम्स निदेशक ने चयनित चिकित्सकों को निर्देश दिया है कि एनओसी, जातीय और आवासीय प्रमाण पत्र जमा करने के बाद शीघ्र ज्वाइन कर लें.

67 पद रह गए खाली : बता दें कि रिम्स को हर बार आवेदक नहीं मिलते हैं. विशेषज्ञों ने बताया कि अब चिकित्सक बड़े शहरों में जाकर बेहतर करियर विकल्प तलाशना चाहते हैं. या फिर निजी अस्पतालों में बड़े पैकेज पर काम कर रहे हैं. इस कारण कई मेडिकल कॉलेजों में सीट के विरूद्ध आवेदक नहीं पहुंच रहे हैं. रिम्स में मरीजों की तुलना में चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों की नियुक्ति एसआर के तौर पर की जा रही थी. लेकिन 100 से 67 पद खाली ही रह गए. सभी पदों के लिए चिकित्सक मिलने से मरीजों को सीधे तौर पर लाभ मिलता.

किस विभाग के लिए किसका चयन

- एनेस्थीसिया : डॉ वशिष्ठ राज, डॉ रिया सोनम
- ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजी : डॉ अनामिका नेहा लिंडा, डॉ नाहिद खानम
- ईएनटी : डॉ अमरजीत कुमार
- आई : डॉ दीपांकर
- रेडियोलोजी : डॉ असीम मित्रा, डॉ अनुज कुमार
- टीबी एंड चेस्ट : डॉ अंकिता
- कार्डियोलॉजी : डॉ शिव शंकर मुंडा
- रेडियोथैरेपी : डॉ पम्मी श्रीवास्तव
- यूरोलॉजी : डॉ अमित कुमार
- इमरजेंसी मेडिसिन(ट्रॉमा) : डॉ सुजीत आनंद, डॉ विकास मार्डी
- क्रिटिकल केयर(सुपर स्पेशलिटी) : डॉ अनिता कुमारी
- एनेस्थीसिया (सुपर स्पेशलिटी) : डॉ चंदन हेस्सा, डॉ सृष्टि किंडो, डॉ प्रभा रश्मि लकड़ा
- मेडिसिन : डॉ अंकित अभिषेक, डॉ उज्जवल दीप, डॉ पुतुल बाड़ा
- सर्जरी : डॉ अनमोल कुजूर
- ऑर्थोपेडिक : डॉ विजय प्रसाद, डॉ रोहिणी कुमार, डॉ विष्णु ए. एस
- पीडियाट्रिक सर्जरी : डॉ अभिजित कुमार
- फिजियोलॉजी : डॉ अंकुर उरांव
- पैथोलॉजी : डॉ अदिति प्रिया
- माइक्रोबायोलॉजी : डॉ भुवन शोम
- एफएमटी : डॉ अंकुर चक्रवर्ती, डॉ रोहण कुमार, डॉ अजय कुमार भगत
- पीएसएम : डॉ साहिल नयन रजनीश

हटाये गए मजदूरों के बकाये का नहीं किया गया भुगतान

संवाददाता।जमशेदपुर

टाटा स्टील के संवेदक मेसर्स अजय एसोसिएट द्वारा छंटनी किये गए 25-30 मजदूरों में से कुछ को संवेदक ने कारखाना निरीक्षक के आदेश पर वेतन का भुगतान कर दिया है. लेकिन इन मजदूरों का फुल एंड फाइनल सेटलमेंट नहीं करते हुए नोटिस पे व छंटनी मुआवजा का भुगतान नहीं किया गया है. इस मामले की शिकायत पूर्व में जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ ने कारखाना निरीक्षक से की थी.

इस पर संज्ञान लेते हुए कारखाना निरीक्षक ने संवेदक को हटाये गए मजदूरों का फुल एंड फाइनल सेटलमेंट दिए जाने का आदेश दिया था. बावजूद इसके संवेदक ने सिर्फ बकाया वेतन देकर खानापूर्ति कर दी. इसमें भी चार मजदूर सोनू, विशाल, विकास और अमरजीत को एक रुपया नहीं मिला, इस लेकर मजदूरों में आक्रोश है. जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ क महामंत्री राजीव पांडेय ने बताया कि मेसर्स अजय एसोसिएट ने टाटा स्टील के सीएलएम पोर्टल द्वारा आधारित फुल एंड फाइनल सेटलमेंट में 8 हजार से 10 हजार रुपये कटौती की है. अब संवेदक छंटनी मुआवजा और ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं कर रहा है.

भुगतान नहीं

- झारखंड श्रमिक महासंघ ने इसकी शिकायत की थी
- कारखाना निरीक्षक ने इसके सेटलमेंट का आदेश दिया था

ब्रीफ खबरें

अटल क्लिनिक में मिलेगी आईयूसीडी की सुविधा

धनबाद। धनबाद जिले के शहरी स्वास्थ्य केंद्रों व अटल क्लिनिक में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी. स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन के लिए अंतःगर्भाशयी गर्भनिरोधक उपकरण (आईयूसीडी) लगाने के लिए जरूरी सामग्री की आपूर्ति कर दी गई है. जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम ने बताया कि अगले माह से आईयूसीडी इंसर्शन शुरू कर दिया जाएगा. केंद्रों में नागरिक चार्टर, आवश्यक चिकित्सा और परिवार नियोजन की सुविधा बढाने का भी प्रयास किया जा रहा है.

रेलवे के एसी कर्मचारियों का रक्तदान शिविर 5 नवंबर को

जमशेदपुर। इंडिया एसी कोच इंप्लाइज एसोसिएशन की ओर से 05 नवंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए एसोसिएशन ने तैयारी पूरी कर ली है. लोको मोड़ स्थित कार्यालय में आयोजित होने वाले इस शिविर में 300 से ज्यादा यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य है. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में टाटानगर के क्षेत्रीय रेल प्रबंधक विनोद कुमार, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुजूर, सहायक मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) ललित मोहन मिश्रा और सीडीओ अविनाश कुमार मौजूद रहेंगे.

पुलिया नहीं होने का दंश झेल रहे हैं ग्रामीण

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धीरीगुटु गांव से बनियाकुंदर जाने वाली सड़क पर एक पुलिया नहीं होने का दंश ग्रामीण वर्षों से झेलते आ रहे हैं. बरसात के मौसम में जब पानी भर जाता है तब बच्चों का स्कूल जाना भी मुश्किल हो जाता है. साथ ही लगभग चार किलोमीटर लंबी सड़क इतनी जर्जर है कि इस पर पैदल चलना भी मुश्किल है. ग्रामीणों के मुताबिक इस सड़क पर बनियाकुंदर के पास खाल पर पुलिया का निर्माण नहीं हुआ. ग्रामीण वर्षों से यहां एक पुलिया निर्माण की मांग कर रहे हैं.

नेहरू युवा केंद्र के तीन सदस्य दिल्ली रवाना

हुसैनाबाद (पलामू)। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ इंडिया गेट में 30 और 31 अक्टूबर को दो दिवसीय मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम होगा. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नेहरू युवा केंद्र (पलामू, हुसैनाबाद प्रखंड) के तीन सदस्य रवाना हुए. इनमें राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक सुमन कुमारी और युवा मंडल सदस्य अभय कुमार पाल शामिल हैं. देश के 7500 प्रखंडों से कलश मिट्टी लेकर पहुंचे युवक-युवती. बता दें कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में देश के 7500 प्रखंडों से कलश मिट्टी के साथ युवक व युवतियां भाग लेंगे.

पुल की रेलिंग तोड़ सरिया ले जा रहे हैं चोर

चाकुलिया। चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत जुगीतुपा पंचायत में बड़शोल के पास कूपन नदी पर निर्मित पुल रेलिंग को तोड़कर अज्ञात चोर सरिया ले जा रहे हैं. रेलिंग के एक बड़े भाग को चोरों द्वारा तोड़ दिया गया है. जानकारी के मुताबिक कूपन नदी पर बने इस पुल पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से सीमेंटेड रेलिंग का निर्माण किया गया था. पिछले कुछ दिनों से अज्ञात चोरों द्वारा सीमेंटेड रेलिंग को तोड़ा जा रहा है. अज्ञात चोर रेलिंग में प्रयुक्त सरिया को काटकर ले जा रहे हैं.

अवैध खनन रोकने के लिए भेजा गया हस्ताक्षरयुक्त पत्र

मैथन। ईसीएल मुगमा एरिया के कापासारा कोलियरी क्षेत्रों में कोयले की अवैध खनन रोकने के लिए मुगमा स्टेशन रोड के निवासियों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त त्राहिमाम पत्र ईसीएल के महाप्रबंधक भेजा है. कहा कि कापासारा आउटसोर्सिंग कोलियरी में बेरोक टोक अवैध खनन हो रहा है. चोरों ने चार-पांच सौ मीटर तक सुरंग बना दिया है. आये दिन भू धंसान एवं चाल धंसने की घटना हो रही है. कई लोगों की जान जा चुकी है. यदि इसी तरह अवैध खनन होता रहा तो उनका घर कभी भी जमींदोज हो सकता है.

रोजगार को लेकर जमसं ने दिया धरना

कतरास। बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया 3 के न्यू आकाश किनारी कोलियरी में संचालित जीटीए आउटसोर्सिंग कंपनी पर स्थानीय बेरोजगारों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए जनता श्रमिक संघ के बैनर तले कंपनी के कार्यालय गेट के बाहर शनिवार के दिन एकदिवसीय धरना दिया. धरना पर बैठे लोगों का यह कहना है कि कंपनी प्रबंधन उनकी जायज मांगों को उचित तरजीह नहीं देती है तो अगले चरण में कंपनी का चक्का जाम किया जायेगा.

कई बूथों पर दम तोड़ता नजर आया पुनरीक्षण अभियान

संवाददाता | घाटशिला

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के पहले दिन ही कई बूथ पर अभियान दम तोड़ता नजर आया. क्योंकि कई बूथों से बीएलओ गायब पाये गये और बूथ पर अपने त्रुटि का निराकरण कराने पहुंचे मतदाता को निराश होकर लौटना पड़ा. यह सुनकर आपको आश्चर्य होगा कि घाटशिला ब्लॉक के अंदर जहां सभी अधिकारी बैठते हैं, उसमें बूथ नंबर 60 धरमबहाल पंचायत मंडल एवं बूथ नंबर 59 जेएसएलपीएल ऑफिस में ही बीएलओ गायब थे, अन्य बूथों का क्या हाल होगा. इन दोनों बूथ पर

स्वास्थ्य सहिया को बीएलओ बनाया गया है. हालांकि इसको लेकर प्रशासनिक अधिकारी ने बीएलओ का बचाव करते दिखे और कहा कि कई ऐसे बीएलओ हैं, जिसे दूसरा भी कार्य में लगाया गया है हो सकता है इस कारण है वह बूथ पर उपलब्ध नहीं है.

उन्होंने माना कि जिस बूथ पर स्वास्थ्य सहिया को बीएलओ बनाया गया है, उन बूथों पर बीएलओ मौजूद नहीं थे, जबकि जहां सेविका को बीएलओ बनाया गया है, उन बूथों पर विशेष अभियान का पूरा काम हुआ है. जानकारी के अनुसार मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान दो दिन 28 एवं 29 अक्टूबर को अपने अपने बूथ पर बीएलओ द्वारा चलाया जाना था. विशेष अभियान के दौरान बूथ पर बैठकर बीएलओ को मतदाता के विभिन्न समस्या जैसे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मृत्य होने या फिर जगह के स्थानांतरण पर नाम हटाने, नाम में त्रुटि होने पर ठीक करने समेत अन्य कार्य किया जाना था. घाटशिला प्रखंड में कुल 121 बूथ हैं. सभी बूथों पर एक एक बीएलओ को प्रतिनियुक्त किया गया है. अभियान किसी तरह से विफल नहीं हो, इसका ध्यान रखने कहा गया था. लेकिन अभियान ने पहले ही दिन दम तोड़ दिया और कई बूथ से बीएलओ गायब पाए गए. इस संबंध में बीपीआरओ जय प्रकाश पंडित ने कहा कि बूथ नम्बर-60 पर बीएलओ स्वास्थ्य सहिया सोमवारी मानकी को बनाया गया है.

बीएलओ गायब
- बूथ पर बीएलओ के नहीं होने से वापस लौटे मतदाता
- घाटशिला प्रखंड में कुल मिलाकर 121 बूथ हैं

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- ईस्ट इंडिया कंपनी सरकार के विरुद्ध 1818 में किस समाज ने विद्रोह किया था – **हो**
- रॉबर्ट फिको किस देश के चौथी बार प्रधानमंत्री बने – **स्लोवाकिया**
- बौद्ध धर्म का एनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है – **महाविभाष**
- माणिक्य और नीलम किसके ऑक्साइड हैं – **एल्युमिनियम**
- भारतीय सेना ने कहां पर चाणक्य रक्षा संवाद 2023 आयोजित किया – **नई दिल्ली**
- चेरो विद्रोह कब हुआ था – 1800
- अंतिम सातवाहन राजा कौन था – **पुलामयी चतुर्थ**
- कौनसी अक्रिय गैस यौगिक बना सकती है – **जीनॉन**
- किस अभिनेत्री को शेवेलियर डान्स लोर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस पुरस्कार मिला – **ऋचा चड्ढा**
- पाइराइट उत्पादन में झारखंड का देश में कौन सा स्थान है – **पहला**

सड़क किनारे चालक वाहन अक्सर बेतरतीब खड़ा कर देते हैं, जो दुर्घटना का कारण बनते हैं

सड़क किनारे खड़े ट्रक दे रहे हैं हादसों को न्योता

संवाददाता | जमशेदपुर

शहर की मुख्य सड़कों पर खड़े भारी वाहन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं. शहर के कई इलाकों में कमोबेश यही हाल है. दिन-रात सड़क पर पार्क हुए इन वाहनों से हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है. सबसे बुरी स्थिति बर्मामाइंस से लेकर साकची जाने वाली (सुनसुनिया गेट) सड़क पर बनी रहती है, जबकि उक्त मार्ग पर ही शहरवासी सबसे अधिक आवाजाही करते हैं. यही हाल, जेम्को-मनिफीट सड़क का बना हुआ है. कार्रवाई न होने से चौबीस घंटे सड़क किनारे ट्रक व भारी वाहनों का मेला लगा रहता है. सड़क किनारे चालक अपने वाहन अक्सर बेतरतीब खड़ा कर देते हैं, जो अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं. पीछे से आने वाले तेज रफ्तार वाहन खड़े वाहन में टकरा जाते हैं. ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन लापरवाह भारी वाहन चालकों पर आज तक लगाम नहीं लगाया जा सका है.

ऐसा नहीं है कि संबंधित थाना व ट्रैफिक पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है. लेकिन उनके द्वारा कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है. शहर में कोई जुलूस, रैली यह बड़े पर्व-त्यौहार पर ही पुलिस को यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की जल्दबाजी रहती है. आम दिनों में इन वाहनों को हटाने को लेकर कोई पहल नहीं होती. हालांकि कभी-कभी ट्रैफिक पुलिस अभियान चलाकर जुर्माना तो वसूलती है, लेकिन वाहनों

को सड़क से हटाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से भारी वाहन पुनः अपने स्थान पर आकर खड़े हो जाते है. अक्सर दुर्घटनाएं ट्रक चालक द्वारा लापरवाही से वाहन खड़ा कर देने के कारण होती है. खड़े वाहनों में न तो पार्किंग लाइट जलाई जाती है और न ही रेडियम संकेत होते हैं.

चालक लापरवाह
- बर्मामाइंस से साकची जानेवाली रोड काफी व्यस्त रहती है
- वाहन चालकों पर आज तक लगाम नहीं लगाया गया है

हादसे का बना रहता है डर

नियमित चेकिंग व चालान न होने की वजह से वाहन चालकों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ रहता है. रात के समय तो आलम और भी भयंकर होता है, लोग इन सड़कों पर निकलने से भी डरते है. छुटपुट मामले तो यहां प्रतिदिन होते रहते हैं. सुनसुनिया गेट के पास, जेम्को–मनिफीट रोड समेत कई एक सड़कों पर चौबीस घंटे ट्रक खड़े रहने से ऐसा प्रतीत होता है मानो पार्किंग की सुविधा मिल गई हो. सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों से होने वाली दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन की आंखें नही खुल रही हैं. इससे लोग परेशान हैं.

सड़क किनारे खड़े वाहन दे रहे दुर्घटना को निमंत्रण : रामहरि गोप

चाईबासा। एनएच– 75 कुजू और चाईबासा के बीच आए दिन सड़क किनारे भारी वाहन खड़ा रहता है. सड़क किनारे खड़े वाहनों की वजह से आये दिन दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. इसे लेकर आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के सिंहभूम लोकसभा प्रभारी रामहरि गोप ने ट्विट कर जिला के डीसी अनन्य मित्तल को इस पर गंभीरता से निर्णय लेने को कहा है. उन्होंने कहा कि सड़क किनारे वाहनों के खड़े रहने से राहगीरों को आने–जाने में परेशानी होती है. साथ ही आये दिन दुर्घटना भी होती रहती है. शनिवार की सुबह भी आयता गांव के पास एक दुर्घटना हुई.

सीएचसी कर्मियों के साथ बदसलूकी

संवाददाता | तोपचांची

तोपचांची प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहोबहियार के डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बीती रात तीन युवकों ने बदसलूकी की. पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई. कैमरे में तीन युवकों को अस्पताल के अंदर घुसते हुए देखा जा सकता है. इनमें से एक युवक माथे में पीला रंग का गमछा बांधे नजर आ रहा है. घटना के अगले दिन यानी आज शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने तोपचांची थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है. रात्रि ड्यूटी में तैनात डॉक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि रात करीब 11 बजे तीन युवक नशे में धुत होकर

सीएचसी में कर्मियों से बदसलूकी करने वाले युवकों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद

अस्पताल में घुस गये. इसके बाद महिला नर्स व स्वास्थ्य कर्मियों को गंदी-गंदी गालियां देने लगे और उनसे बदसलूकी करने लगे. तीनों युवकों ने अस्पताल में काफी देर तक हंगामा किया. फिर वहां से चले गये. सुरक्षा के लहजे से अस्पताल में होमगार्ड की ड्यूटी लगायी गयी है. लेकिन रात के अंधेरे में बदमाशों ने अस्पताल के अंदर प्रवेश किया और स्वास्थ्य कर्मियों से बदसलूकी की. इसके बाद अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों में भय का माहौल है. बता दें कि अस्पताल में दिन और रात दोनों समय महिला स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी रहती है. ऐसे में इस तरह की घटना के बाद इनकी सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है.

शहरी क्षेत्र से हटाई गई सहिया करेंगी आंदोलन

धनबाद। धनबाद के शहरी क्षेत्र से हटाई गईं सहियाओं को अब तक बहाल नहीं किया गया है. इससे क्षुब्ध सहियाओं ने उग्र आंदोलन करने का फैसला लिया है. ज्ञात हो कि बीते एक माह से सहियाएं सिविल सर्जन कार्यालय के सामने धरना दे रही थीं. उनके आंदोलन को पूर्व विधायक अरूप चटर्जी और राज्य चिकित्सा संघ का भी समर्थन मिला था. धरना के बाद भी सरकार व प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई. इससे नाराज सहियाओं ने उग्र आंदोलन करने की घोषणा की है. सहियाओं का कहना है कि यदि एक सप्ताह में उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो आंदोलन करने को बाध्य होंगी. इधर, राज्य चिकित्सा संघ ने भी सहियाओं के आंदोलन का समर्थन किया है. उल्लेखनीय है कि राज्य भर में अर्बन क्षेत्र की कई सहियाओं का कार्य से हटा दिया गया था. सहियाओं ने काम पर रखने के लिए सीएस से लेकर मुख्यालय तक से गुहार लगाई थी.

चाकुलिया में सड़क पर पहुंचे हैं झुंड से बिछड़े पांच हाथी

संवाददाता | चाकुलिया

27 जंगली हाथियों का एक दल चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र की सीमा से सटे बड़ामारा जंगल में आ पहुंचा है. दल से बिछड़ कर पांच जंगली हाथी मुख्य सड़क पर शनिवार की सुबह आ पहुंचे हैं. इसके कारण क्षेत्र में दहशत है. हाथी नगर पंचायत के बाजार क्षेत्र में भी आ सकते हैं. बड़ामारा जंगल में हाथियों के होने से आसपास के गांव के ग्रामीण भयभीत हैं. चाकुलिया-माटिहाना सड़क से केरूकोचा जाने वाली मुख्य सड़क इसी जंगल के बीच से गुजरी है. आज सुबह हाथी सड़क पर आ गए थे. ज्ञात हो कि 27 हाथी क्षेत्र में भारी उत्पात मचा रहे हैं. हाथी धान की फसल को रौंद रहे हैं और खा रहे हैं. प्रखंड के हाथी प्रभावित गांवों के किसान त्राहिमाम

लोग चिंतित
- जंगल में हाथियों के होने से आसपास के ग्रामीण भयभीत
- 27 हाथी पूरे इलाके में भारी उत्पात मचा रहे हैं

कर रहे हैं. जंगली हाथी किसानों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं. इससे किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है.

धक्का मारने वाले वाहन की तलाश में जुटी है पुलिस

एके मिश्रा | आदित्यपुर

गम्हरिया के स्वतंत्र पत्रकार अरविंद कुमार मिश्रा की बाइक को धक्का मारने वाले वाहन की तलाश में आदित्यपुर पुलिस जुटी हुई है. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी अजय लिंडा ने सरायकेला एसपी डॉ विमल कुमार को टीम गठित कर धक्का मारने वाले वाहन की तलाश कर घटना की सत्यता उजागर करने का आदेश दिया है. एसपी ने आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर दी है, जो मामले के उद्भेदन के लिए घटना स्थल के आसपास विभिन्न कंपनियों में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है.

इस संबंध में एसपी ने कहा कि जल्द ही धक्का मारने वाला वाहन बरामद कर लिया जाएगा. बता दें कि पत्रकार एके मिश्रा ने डीआईजी को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि किसी ने जान मारने की नीयत से उनके बाइक

जांच तेज
- पत्रकार अरविंद कुमार के बाइक को धक्का मारा था
- थाना प्रभारी राजन कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई है

को धक्का मारा है. बता दें कि गम्हरिया बलरामपुर निवासी एक सोशल मीडिया के पत्रकार अरविंद की बाइक को 10 अक्टूबर की सुबह 11:42 बजे टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर केंदू गाछ पेट्रोल पंप के पास एक 14 चक्का भारी वाहन ने पीछे से धक्का मारकर कुचलने का प्रयास किया था.

मेंस कांग्रेस ने रेलवे डीआरएम से की मुलाकात

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम अरुण जे राठौड़ से भेंट की. यूनियन के शशि मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया. यूनियन ने एलपी-एएलपी के ड्यूटी घंटों में कटौती, ईएलएस-बीएनडीएम के समय में बदलाव, ट्रैक मेंटेनर के स्वयं के अनुरोध पर स्थानांतरण, मंडल में एलपी-एएलपी के लिए सभी रनिंग रूम में भोजन की बेहतर व्यवस्था प्रदान करने की मांग की. इसके साथ ही कई अन्य समस्याओं पर भी डीआरएम के साथ चर्चा की गई. डीआरएम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कर्मचारियों के सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने पर सहमति व्यक्त की.

जेपीएससी परीक्षा में 100 अभ्यर्थियों की कॉपी में है ओवरराइटिंग

इंटरव्यू में दिये गये ज्यादा नंबर

विनीत आभा उपाध्याय | रांची

पहली और दूसरी जेपीएससी की परीक्षा में जबरदस्त धांधली की गयी है. हाईकोर्ट में सीबीआई ने जो जानकारी दी है उसके मुताबिक अब तक की जांच में यह बात सामने आयी है कि लगभग 100 अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिका में ओवरराइटिंग कर न सिर्फ नंबर बढ़ाये गये, बल्कि उन्हें इंटरव्यू में भी ज्यादा नंबर दिये गये हैं. इस बात की पुष्टि एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री) की जांच में भी हुई है. इसमें जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष व सदस्य राधा गोविंद नागेश और को-ऑर्डिनेटर परमानंद सिंह की काफी महत्वपूर्ण भूमिका थी. हाईकोर्ट में सीबीआई द्वारा दी गयी इस जानकारी के बाद अदालत ने सरकार से यह पूछा है कि जिन अफसरों के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया से सही पाये गये हैं, उनके खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गयी है.

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 9 नवंबर को

दरअसल बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी द्वारा ली गयी विभिन्न परीक्षाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए 2008 में जनहित याचिका दाखिल की थी. जिसपर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इन परीक्षाओं की सीबीआई जांच करने का निर्देश दिया था और नियुक्ति पर रोक लगा दी थी. हाईकोर्ट के इस आदेश से प्रभावित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी. यहां अभ्यर्थियों को राहत मिली थी. सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के नियुक्ति प्रक्रिया को रोकने के आदेश को खारिज कर दिया था, लेकिन सीबीआई जांच के आदेश को बरकरार रखा था. फिलहाल झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंदा सेन की खंडपीठ इस पूरे मामले पर सुनवाई कर रही है. अदालत अब इस मामले में 9 नवंबर को सुनवाई करेगा.

योगेंद्र तिवारी से फिर पूछताछ करेगी ईडी

रांची। झारखंड शराब घोटाला के आरोपी शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) फिर छह दिनों तक पूछताछ करेगी. कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है. इससे पहले ईडी ने योगेंद्र तिवारी से आठ दिनों तक पूछताछ की थी. इस पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं. शनिवार को रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद योगेंद्र तिवारी को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया. इस दौरान ईडी की ओर से उपस्थित विशेष लोक अभियोजक बी एम पी सिंह ने योगेंद्र तिवारी से दोबारा पूछताछ करने के लिए छह दिनों की रिमांड देने की अनुमति मांगी. जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया.

बता दें कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था. उन पर शराब घोटाला के जरिए अवैध कमाई करने और मनी लांड्रिंग का आरोप है.

परेशानी एसएनएमएमसीएच व सदर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ी

गुलाबी ठंड में वायरल फीवर का शिकार हो रहे हैं लोग

संवाददाता | धनबाद

गुलाबी ठंड की शुरूआत हो चुकी है. दोपहर में गुनगुनी धूप व सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है. बदलते मौसम में वायरल संक्रमण पांव पसारने लगा है. अस्पतालों में संक्रमित मरीजों की संख्या आम दिनों के तुलना में बढ़ गई है. लोग सर्दी, खांसी, बुखार, बदन दर्द, सिर दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं. एसएनएमएमसीएच और सदर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई है. एसएनएमएमसीएच के मेडिसिन विभाग में हर दिन 350 और सदर अस्पताल में करीब 150 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक वायरल फीवर की चपेट में हैं. एसएनएमएमसीएच मेडिसिन विभाग के एचओडी यूके ओझा ने बताया कि मरीजों में सबसे ज्यादा सर्दी-खांसी, बुखार, छींक आने की समस्या हो रही है.

एसएनएमएमसीएच के मेडिसिन काउंटर पर 52 में से 25 तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं हैं. वायरल संक्रमण से बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं. पेडियाट्रिक विभाग में इलाज के लिए आने वाले बच्चों को दी जाने वाली दवाओं का स्टॉक खत्म है. स्थिति यह है कि पारासिटामोल से लेकर एंटीबायोटिक तक नहीं है. परिजनों को दवा बाहर से खरीदनी पड़ रही है. अस्पताल के इनडोर मरीजों को भी काउंटर से दवा नहीं मिल पा रही है.

एसएनएमएमसीएच के ओपीडी में मरीजों की भीड़

ठंड से बचें, गर्म पानी व सूप पीएं : डॉ. यूके ओझा

वायरल संक्रमण की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग आ रहे हैं. डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे और बुजुर्गों में शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता लगातार बदलती है, अथवा कम रहती है. यही वजह है कि उनमें संक्रमण अधिक हो रहा है. डॉ यूके ओझा ने बताया कि तापमान में अचानक गिरावट होने से संक्रमण तेजी से फैल रहा है. ऐसे में ठंड से बचने के लिए बेहतर खानपान और गर्म पानी का सेवन करें. घर में गर्म सूप पीयें. शाम ढलते ही बच्चे और बुजुर्ग गर्म कपड़े पहनें.

दवाओं की खरीद के लिए टेंडर निकाला गया है : अधीक्षक, अनिल कुमार

बदलते मौसम में वायरल संक्रमण बढ़ा है. अस्पताल में दवाओं का स्टॉक कम है. दवा की खरीदारी के लिए टेंडर निकाला गया है. जरूरी दवाएं स्थानीय स्तर पर खरीदने का प्रयास किया जा रहा है.

डॉ.अनिल कुमार, अधीक्षक, एसएनएमएमसीएच

पीएलवी ने डोर टू डोर चलाया विधिक जागरुकता अभियान

संवाददाता | लातेहार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार के अध्यक्ष अखिल कुमार व प्राधिकार की सचिव स्वाती विजय उपाध्याय के निर्देश पर लातेहार जिले के विभिन्न प्रखंडों में विधिक जागरुकता सह आउटरीच कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. इसी क्रम में शनिवार को महुआडांड़ प्रखंड के कानूनी सलाह केंद्र के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद ने डोर टू डोर विधिक जागरुकता अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने ग्रामीण व बच्चों को कानून की बुनियादी जानकारी दी. साथ ही अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया.

इंद्रनाथ प्रसाद ने कहा कि शिक्षा

के बिना मनुष्य अधूरा है. उन्होंने शिक्षा का अधिकार कानून की जानकारी दी. ग्रामीण को बताया कि इस कानून में छह से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था है. ग्रामीणों को उनके अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य व दायित्वों की भी जानकारी दी. बाल विवाह प्रतिषेध कानून की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर अपराध है. बाल विवाह कराने पर जेल की सजा तक का प्रावधान है. कहा कि किसी प्रतिष्ठान या आवास में बाल श्रम कराना भी अपराध की श्रेणी में आता है.

ब्रीफ खबरें

माओवादी मनोहर के घर इश्तिहार चिपकाया

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के टेमराबर गांव के माओवादी मनोहर गंझू पिता वृहस्पत गंझू के घर न्यायालय के आदेश पर चतरा पुलिस ने इस्तिहार चिपकाया है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मनोहर गंझू पर चतरा जिले के कुंदा थाना के विभिन्न प्राथमिक में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिक अभियुक्त है. शनिवार को चतरा जिले के कुंदा थाना के अवर निरीक्षक मोतीराम देवगन के साथ सहायक अवर निरीक्षक कुंदा थाना सहित जवानों ने चिपकाया.

807 शिकायतें निष्पादन लंबित, कल समीक्षा

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में 807 शिकायतें निष्पादन के लिए लंबित हैं. इसको लेकर आईजी मुख्यालय सोमवार को सभी जिलों के एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे. इस संबंध में सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र लिखा गया है. लिखे पत्र में कहा गया है कि झारखंड पुलिस मुख्यालय अंतर्गत (1) पीजी-01 (2) पीजी-02 और (3) पीजी पोर्टल में कुल 807 शिकायत लंबित पायी गयी है.

डोभा में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

तांतनगर। तांतनगर ओपी अंतर्गत तांतनगर के नीचे टोला में सतीश बिरूली (49 वर्ष) की डोभा में डूबने से मौत हो गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम सतीश गांव नीचे टोला स्थित डोभा के पास गुड़ाखू घस रहे थे. इसी दौरान चक्कर आने से पानी में गिर गया. सतीश पानी से निकल नहीं पाए और डूब गया. इससे उसकी मौत हो गई. बहरहाल, पुलिस सतीश के मौत की जांच में जुटी है.

फांसी लगाकर महिला ने किया आत्महत्या

गोड्डा/ महगामा। शुक्रवार देर रात महगामा अनुमंडल मुख्यालय में किराए के मकान में रह रही डेजी कुमारी का शव कमरे की छत से दुपट्टा के सहारे लटकते हुए पाया गया. घटना ऊर्जानगर मोड़ के समीप गोड्डा महगामा मुख्य मार्ग की है. शुक्रवार रात राहुल कुमार ने महगामा थाना आकर यह खबर दिया कि उसकी पत्नी फांसी लगाकर जान दे दी है. इस सूचना पर महगामा थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को नीचे उतारा. राहुल कुमार के अनुसार घटना के समय वो घर पर नहीं था.

अपराधियों ने उप मुखिया को मारी गोली

लातेहार। चंदवा थाना क्षेत्र स्थित हेसालौंग के मूर्ति टोंगरी के पास अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उप मुखिया को गोली मार दी. मूर्ति टोंगरी लातेहार व लोहरदगा जिला के सीमा पर स्थित है. अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद वहां से फरार हो गये. उप मुखिया को गोली बांह में लगी है. घटना के बाद आनन-फानन में उन्हें लोहरदगा जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया.

बाइक चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना पुलिस ने बाइक चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गावां थाना क्षेत्र में इन दिनों बाइक चोरी की बढ़ती घटनाओं के बाद प्रशासन द्वारा एक अभियान चलाकर चोरी की छह बाइक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने अलग-अलग स्थानों में छापेमारी कर गावां थाना क्षेत्र के ककमारी निवासी कमलेश कुमार, राजकुमार यादव, सीकेन्द्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया. उनकी निशानदेही पर छह बाइक भी बरामद किया गया है.

पुलिस की पूछताछ में विकास ने उगले राज

धनबाद। अवैध हथियार रखने के आरोप में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह को रिमांड पर लेकर गोविंदपुर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है. शनिवार को उसने पुलिस के समक्ष कई कई राज उगले हैं. पुलिस ने उसे 48 घंटे की रिमांड पर लिया है. ज्ञात हो कि अवैध हथियार रखने के आरोप में पुलिस ने विकास सिंह को दो अक्टूबर की रात धनबाद बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था. तब से वह जेल में बंद है.

फादर रजत एक्का को मिली थी जान मारने की धमकी

संवाददाता। गुमला

पल्ली पुरोहित डीन फादर रजत एक्का की मौत कैसे हुई, इसकी जांच में गुमला पुलिस जुट गयी है. गुमला पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह इस घटना को लेकर गंभीर हैं. फादर रजत एक्का का शव उनके आवासीय परिसर स्थित बागान के कुआं से बरामद हुआ था. शुक्रवार की रात फादर रजत एक्का के शव का पोस्टमार्टम कर उनका पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिया गया. उनका शव चैनपुर पहुंचते ही उनकी एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी. उनके निधन से ख्रीतीय समाज मर्माहत है. सूचना के मुताबिक फादर डीन रजत एक्का को एक वर्ष पूर्व जान से मारने की धमकी भी मिली थी. इसके बाद

फादर रजत एक्का के भाई ने डुमरी थाना में मामला भी दर्ज कराया था. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उनकी मौत की वजह का पता लग सकता है. इधर, पुलिस इस घटना को कई एंगल से जांच में जुटी है. पुलिस ने फादर रजत एक्का के कमरे को सील कर दिया है. उनका दोनों मोबाइल व उनकी कुछ निजी डायरी पुलिस अपने साथ ले गई है.

ग्रामीणों के साथ फादर रजत एक्का का हुआ था विवाद

घटना के बाद गुमला के क्रिश्चियन समाज के प्रशासक लिनुस पिंगल एक्का चैनपुर पहुंच चुके हैं. वहीं फादर पवन लकड़ा ने पुलिस को बताया है कि फादर रजत एक्का को एक वर्ष पूर्व जान से मारने की धमकी मिली थी. जुलाई 2022 में अल्पसंख्यक विद्यालय में शिक्षक नियुक्ति को लेकर हुटार गांव के ग्रामीणों के साथ फादर रजत एक्का का विवाद हुआ था. ग्रामीणों का आरोप था कि फादर रजत एक्का द्वारा गलत तरीके से अपनी भतीजी शोषण (सोसन) एक्का की नियुक्ति हुटार अल्पसंख्यक विद्यालय में कर दिया गया है. इसको लेकर विरोध काफी बढ़ गया था और ग्रामीणों ने उनकी भतीजी सोसन एक्का को उक्त विद्यालय में ज्वाइन नहीं करने दिया था. ग्रामीणों से समझौते को लेकर बैठक भी की गई थी. चैनपुर प्रखंड की जिप सदस्य मेरी लकड़ा और प्रमुख ओलमा कान्ता कुजूर के साथ फादर रजत एक्का हुंटार गांव पहुंचे थे. इसी क्रम में दोनों पक्षों के बीच बात इतनी बढ़ गई थी कि ग्रामीणों ने फादर रजत एक्का को जान से मारने तक की धमकी दे डाली थी. मामले को बढ़ते देख फादर रजत एक्का को उक्त स्थान से बीच बचाव कर निकला गया था. इसके बाद फादर रजत एक्का के भाई ने डुमरी थाना में मामला भी दर्ज कराया था. इस घटना के बाद से ही फादर रजत एक्का का मानसिक स्थिति गड़बड़ा गया था.

आओ जानें

जीआरपी ने किस राज्य में कितने प्राथमिकी दर्ज किए हैं

आंध्र प्रदेश	: 1797	कर्नाटक	: 1863
असम	: 567	केरला	: 1088
बिहार	: 5390	मध्यप्रदेश	: 6144
छत्तीसगढ़	: 801	महाराष्ट्र	: 45341
गुजरात	: 6424	ओडिशा	: 1474
हरियाणा	: 1881	पंजाब	: 899
हिमाचल प्रदेश	: 13	राजस्थान	: 2557
झारखंड	: 658	तमिलनाडु	: 4926

कामयाबी : पुलिस को माओवादियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

8 लाख का इनामी सब-जोनल कमांडर अघनु गंझू गिरफ्तार

- अघनु गंझू माओवादी जोनल कमांडर रविंद्र गंझू का दाहिना हाथ माना जाता था.

आशीष टैगोर। लातेहार

पुलिस को माओवादियों खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है. माओवादियों का सब जोनल कमांडर अघनु गंझू पुलिस के हत्थे चढ़ा है. अघनु गंझू माओवादी जोनल कमांडर रविंद्र गंझू का दाहिना हाथ माना जाता था. उस पर आठ लाख रूपये का इनाम है. पांच लाख झारखंड सरकार व तीन लाख एनआईए ने घोषित किया है. पुलिस ने उसे चंदवा थाना क्षेत्र के बेतर के जंगलों में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने यहां आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सूचना मिली थी कि बेतर के जंगलों में माओवादियों के जोनल कमांडर रविंद्र गंझू का एक दस्ता भ्रमणशील है. इसी सूचना पर एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. दल ने बेतर जंगल में पहुंच कर छापेमारी की और घेराबंदी कर भाकपा माओवादियों के सब जोनल कमांडर अघनु गंझू को गिरफ्तार किया. शनिवार को उसे जेल भेज दिया गया है.

सरेंडर करें उग्रवादी या फिर गोली के शिकार होंगे: एसपी अंजनी अंजन

एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि अघनु गंझू के गिरफ्तार होने से जोनल कमांडर रविंद्र गंझू के सब जोनल कमांडरों की संख्या कम हुई है. रविंद्र गंझू के साथ अघनु बीते 15 वर्षों से अधिक समय से साथ रह रहा था. उसकी गिरफ्तारी से माओवादी कमजोर हुए हैं. अंजन ने माओवादी व अन्य उग्रवादी संगठनों के सदस्यों को पुलिस के समक्ष सरेंडर करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि वे झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति का लाभ लें और समाज के मुख्यधारा में जुड़ें. उन्होंने कहा कि अगर वे सरेंडर नहीं करते हैं तो वे या गिरफ्तार होगें या फिर पुलिस की गोली के शिकार होंगे.

पुलिस को कई कांडों में अघनु गंझू की थी तलाश

पुलिस को अघनु गंझू की कई कांडों में तलाश थी. लातेहार, गुमला, लोहरदगा व रांची जिलों के विभिन्न 15 थानों में उस पर कम से कम 78 मामले दर्ज हैं. वह कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है. वर्ष 2019 में चंदवा थाना क्षेत्र के लुकइया मोड़ के पास पुलिस पार्टी पर की गयी हमले में वह मुख्य आरोपी है. इसके अलावा माल्हन और अन्य थर्ड लाइन रेलवे निर्माण साईट पर उसने आगजनी व फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया था.

छापेमारी में ये अधिकारी थे शामिल

छापेमारी टीम में एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र, चंदवा थाना प्रभारी बबलू कुमार, पुअनि धर्मेंद्र कुमार महतो, जमील अंसारी, नारायण यादव, दिव्य प्रकाश, कुंदन कुमार व सुनील टूटी व सअनि चंदन मांझी समेत सैट-44 व 206 तथा माल्हन पिकेट के जवान शामिल थे.

गुमला : हत्या की नीयत से घर में घुसे दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

हत्या की नीयत से घर में घुसे दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में परशुराम सिंह और करम सिंह शामिल है. एसपी हरविंदर सिंह ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि रायडीह थाना क्षेत्र के रहने वाले परशुराम सिंह और करम सिंह बीते 21 अक्टूबर की रात पालकोट थाना क्षेत्र के अखराकोना निवासी किनु सिंह को जान से मारने की नियत से टांगी, बलुआ और देसी कट्टा लेकर घर में घुसे थे. दोनों ने घर में घुसकर घर का दरवाजा, बर्तन, पानी पंप और बाइक को काटकर क्षतिग्रस्त कर

दिया. किनू सिंह डर से घर से भाग गया तो दोनों ने घरवालों को पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी. इस मामले में पालकोट थाना में मामला दर्ज कराया गया था. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए परशुराम सिंह और करम सिंह को गिरफ्तार किया. दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया है. परशुराम और करम ने बताया कि किनु सिंह से उनकी पुरानी दुश्मनी थी. अक्सर उनके बीच लड़ाई-झगड़ा भी होता था. किनु सिंह उन दोनों को जान से मारने की धमकी देता था.

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

मनोहरपुर। मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मनोहरपुर-छोटानागरा मुख्य मार्ग दुरदुरी पुलिया के पहले सड़क हादसा हो गया. इस हादसे में साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. आनन-फानन में वृद्ध को मनोहरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक बुधराम सुरीन 59 वर्षीय डिंबुली गांव के मुंडा टोला का रहने वाला था. मनोहरपुर पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए अनुमंडल अस्पताल चक्रधरपुर भेजने की तैयारी कर रही है. बताया जाता है कि बुधराम सुरीन सुबह साइकिल से जा रहे थे. तभी दुरदुरी पुलिया के पहले तीखा मोड़ पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गये.

पलामू में हाइवा और कार में टक्कर, ठेकेदार की मौत

संवाददाता। पलामू

जिले के पंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कजरी में शनिवार सुबह एक हाइवा ने कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार की आगे की सीट पर पर बैठे विश्वजीत सिंह उर्फ बीनू की मौत हो गई जबकि रंजीत शुक्ला और अजय शाह जख्मी हो गए. एमएमसीएच मेदिनीनगर में प्रारंभिक इलाज के बाद दोनों को रेफर किया गया. उन्हें मेदिनीनगर के ही डॉक्टर अरुण शुक्ला के अस्पताल में भर्ती किया गया है.

बीनू सिंह और अजय शाह हमीदगंज के रहने वाले हैं जबकि रंजीत शुक्ला सिंगरा के निवासी है. बीनू सिंह के शव का पोस्टमार्टम शनिवार की सुबह एमएमसीएच में किया गया. बताया जाता है कि बीनू, रंजीत शुक्ला और अजय शाह हुसैनाबाद गए हुए थे. सभी वहां से शुक्रवार की रात डालटनगंज के लिए चले थे. शनिवार सुबह करीब दो बजे जैसे ही कार पंडवा थाना क्षेत्र के कजरी में पहुंची कि हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया. स्थानीय लोगों ने सभी को एमएमसीएच में भेजा. यहां विश्वजीत सिंह उर्फ बीनू को मृत घोषित कर दिया गया जबकि अजय और रंजीत का इलाज किया गया और गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को रेफर कर दिया गया.

अवैध संबंध से रोका तो प्रेमी संग मिलकर सास को मार डाला

साहिबगंज। जिले के रांगा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा महंगामा निवासी एक महिला की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस में 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है. वहीं शाम को पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय में एसपी नौशाद आलम ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि 27 अक्टूबर को मो सामद मोमिन ने थाना में आवेदन देकर बताया था कि 26 अक्टूबर को उनकी पत्नी मजलूम बीबी ने खाना दिया. खाने के बाद पूर्व की तरह पुत्री मरजीना खातून के यहां सोने चले गए. 27 अक्टूबर की सुबह 5 बजे घर आकर पत्नी को चादर ओढ़ कर सोया देख उसे जगाने गए. लेकिन पत्नी नहीं जगी. चादर हटाने पर पत्नी मृत पड़ी मिली. चेहरे व सिर में उसके गंभीर जख्म मिला. खून से लथपथ थी. पीड़ित के आवेदन पर रांगा थाना में कांड संख्या 109/23 के तहत असराफुल अंसारी एक बालिका पर मामला दर्ज कर रांगा थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया.

7 दिन से लापता युवक का क्षत-विक्षत शव हुआ बरामद

संवाददाता। मैथन (धनबाद)

चिरकुंडा थाना क्षेत्र के नूतनग्राम के समीप जंगल में शनिवार की सुबह एक युवक का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला. खबर फैलते ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई. शव की पहचान पश्चिम बंगाल के बराकर बलतोड़िया के पशु कारोबारी तमस कुरैशी उर्फ अर्जुन (25 वर्ष) के रूप में हुई. वह 21 अक्टूबर से रहस्यमय ढंग से गायब था. चिरकुंडा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया. जानकारी के अनुसार, तमस कुरैशी पिछले शनिवार को गाय खरीदने के लिए मैथन के लिए निकला था. उसके बाद से वह घर नहीं लौटा. परिजनों ने चार युवकों को नामजद आरोपी बनाते हुए थाने में लिखित शिकायत की थी. लेकिन दुर्गापूजा में व्यस्तता के कारण पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया. बंगाल पुलिस ने झारखंड पुलिस के सहयोग से अर्जुन को ढूंढते हुए मैथन पहुंची और लोगों से पूछताछ की. लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. इसके

मृतक तमस कुरैशी की फाइल फोटो

बाद बंगाल पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की. युवकों की निशानदेही पर शनिवार को अर्जुन कुरैशी का क्षत-विक्षत शव जंगल से बरामद किया गया. बंगाल पुलिस का मानना है कि गिरफ्तार युवकों ने ही हत्या को अंजाम दिया है. तमस की हत्या पशु तस्करी में वर्चस्व और पैसों के लेनदेन को लेकर हुई है. बदमाशों ने हत्या के बाद शव को जंगल में फेंक दिया. पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. इधर, तमस के पिता ने बताया कि पुत्र 21 अक्टूबर को गाय खरीदने की बात कह घर से निकला था.

हाइवा की चपेट में आने से तीन घायल

घाटशिला। धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के बेल झरिया पटनायकशोल नेशनल हाइवे 18 को जोड़ने वाली सड़क पर हाइवा के धक्के से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए. इनमें से दो की हालत गंभीर है. घटना कानस से धालभूमगढ़ आने के क्रम में बेलझरिया मोड़ के पास हुई. स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को धालभूमगढ़ सीएचसी में इलाज करवाया गया. जानकारी के अनुसार कनास से धालभूमगढ़ आने के क्रम में बेलझरिया मोड़ के पास एक बाइक पर सवार तीन युवकों को हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दिया. घटना को अंजाम देने के बाद चालक हाइवा वापस घुमा कर धालभूमगढ़ की ओर भाग गया. तीनों ही घायल अवस्था में बीच सड़क पर पड़े रहे. लोगों की आवाजाही कम होने की वजह से काफी देर तर तीनों सड़क पर पड़े रहे. राहगीर अंतु, बापी सेन एवं विप्लव साहू ने इन घायलों को एक मालवाहक टेंपो से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. चिकित्सक डॉ. मणिमाला सेन ने प्राथमिक उपचार के बाद तपन धीवर एवं जयंत मंडल को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया.

डबरी गांव के पास जंगली हाथियों ने ली एक की जान

संवाददाता। लातेहार

जिले के गारू थाना क्षेत्र अंतर्गत डबरी गांव के पास जंगली हाथियों ने सुखलाल सिंह (62) को पटक कर मार डाला. सुखलाल सिंह गारू थाना क्षेत्र के दाढ़ीछापर गांव का रहने वाला था. जानकारी के अनुसार शनिवार को सुखलाल सिंह अपने भाई विफन सिंह के साथ सरयू बाजार में टमाटर के पौधे लेने आया था. टमाटर के पौधे लेने के बाद वह टेंपो से डबरी गांव पहुंचे और पैदल अपने गांव की ओर जाने लगे. इसी बीच अपने झुंड से भटके दो हाथी अचानक बीच रास्ते में आ गए और दोनों भाइयों पर हमला कर दिया. हाथियों ने सुखलाल सिंह को चपेट में लेते हुए उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, परंतु विफन सिंह किसी प्रकार झाड़ियां में जाकर अपनी जान बचाई. हाथियों के जाने के बाद विफन सिंह के द्वारा आसपास के ग्रामीण की मदद से घायल सुखलाल सिंह को अस्पताल पहुंचाया गया परंतु इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम अस्पताल पहुंचकर पूरी स्थिति की जानकारी ली.

रेंजर उमेश दुबे ने बताया कि मृतक के परिजनों को विभाग के द्वारा तत्काल सहायता राशि के रूप में 25 000 रुपए उपलब्ध कराई जा रही है शेष 3 लाख 75 हजार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरी कर दी जाएगी.

गूंगी बच्ची के साथ युवक ने किया दुष्कर्म

पलामू। आठ साल की गूंगी और बहरी बच्ची के साथ 35 साल के एक शादीशुदा व्यक्ति ने दुष्कर्म किया. घटना पलामू जिले के थाना नावाबाजार थाना क्षेत्र के सदाबह नदी की है. बच्ची को गंभीर स्थिति में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. उसकी मेडिकल जांच करायी गयी है. आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है. बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम बच्ची घर से थोड़ी दूर पर स्थित सदाबाह नदी की ओर गई थी. इसी दौरान पंडवा मोड़ का रहने वाला कंचन वहां पहुंचा. सुनसान इलाके में बच्ची को ले गया और उसके साथ जघन्य अपराध को अंजाम दिया. हॉस्पिटल बच्ची की इलाज के लिए पहुंचीं उसकी दादी ने शनिवार को बताया कि बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसे परिवार वाले ढूंढने लगे. बच्ची की मां को स्थानीय लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति बच्ची को सदाबह नदी के सुनसान इलाके में ले गया है. लोगों के बताए अनुसार परिवार के लोग उस जगह पर पहुंचे तो वहां देखा एक युवक बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था. बच्ची रो रही थी. पंडवा थाने की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

उग्रवाद झारखंड से सटे 3 राज्यों की सीमा पर 62 नक्सलियों का जमावड़ा

तीन सालों के दौरान 7 कोर एरिया में बनाए गए 48 कैंप

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में नक्सल प्रभावित सात कोर एरिया में पिछले तीन सालों के दौरान 48 पुलिस कैंप बनाए गए हैं. जिनमें सबसे अधिक सारंडा-कोल्हान में 14 इसके अलावा बूढ़ा पहाड़ में 09, पारसनाथ में 06, ट्राई-जंक्शन में 11, चतरा-गया बॉर्डर पर 04, तिकोनिया-पटमदा में 01 और पोड़ाहाट जंगल में 03 तीन कैंप बनाए गए हैं. झारखंड-बिहार बॉर्डर पर सबसे अधिक 44 सुरक्षाबलों की कंपनियां तैनात हैं, जिनमें सीआरपीएफ के 11, जैप के 24 आईआरबी के 3, एसएसबी के 4 और सैप की 2 कंपनियां शामिल है. झारखंड-बंगाल बॉर्डर पर सुरक्षाबलों की पांच कंपनियां तैनात हैं, जिनमें सीआरपीएफ 1, जैप 1 और सैप की 3 कंपनियां शामिल हैं. झारखंड-ओडिशा बॉर्डर पर सुरक्षाबलों की 18 कंपनियां तैनात हैं, जिनमें सीआरपीएफ 9, जैप 5, आईआरबी 2 और सैप की 2 कंपनियां शामिल हैं. इसके अलावा झारखंड-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर सुरक्षाबलों की 19 कंपनियां तैनात हैं, जिनमें सीआरपीएफ के 10, जैप के 8 और आईआरबी की 1 कंपनियां शामिल हैं.

ओडिशा और झारखंड बॉर्डर पर एक करोड़ के 3 इनामी नक्सली सक्रिय

ओडिशा और झारखंड बॉर्डर पर एक करोड़ के तीन इनामी नक्सली समेत 27 बड़े नक्सली सक्रिय हैं. इसमें मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, असीम मंडल, चमन, संतोष, अजय महतो, अनमोल दा, बेला सरकार, रामप्रसाद मारड़ी, अमित मुंडा, गुलशन मुंडा, संतोष महतो, भवानी, मदन महतो, मेहनत, कांडे होगहांगा, जयंती, सालुका कायम, प्रभात मुंडा, रवि सिंह सरदार, नयनतारा, अमोज मोदक, सागेन अंगारिया, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, बबलू और गौरी शामिल हैं.

झारखंड-बिहार बॉर्डर पर 19 नक्सली सक्रिय

बिहार-झारखंड बॉर्डर पर प्रयाग मांझी, रघुनाथ हेंब्रम, प्रवेश, रणविजय, अनुज महतो, मनोहर गंझू, नितेश यादव, साहेबराम, रामदयाल महतो, विवेक, संजय, सीताराम, बिरसेन गंझू, कुंवर मांझी, लक्ष्मण, पवन और बबलू राम सक्रिय हैं.

झारखंड-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर 16 नक्सली सक्रिय

झारखंड और छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर छोटू खेरवार, रविंद्र गंझू, मृत्युंजय, कुंदन खेरवार, रंथु उरांव, अघ्नू गंझू, मनीष, नेशनल, अनिल तुरी, राजू भुइयां, पंकज कोरवा, सुखलाल भुइया, प्रदीप खेरवार, गुलशन उरांव, अमृत और पांचा उरांव सक्रिय हैं.

सीआईडी ने दिया पुलिसकर्मी को निर्देश

बाल विवाह मुक्त अभियान को सफल बनाने में करें सहयोग

संवाददाता। रांची

झारखंड के पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलवाने में सहयोग करने का निर्देश दिया है. इसको लेकर सीआईडी ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को पत्र लिखा है. लिखे पत्र में कहा गया है कि कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के तहत पूरे भारत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. इस अभियान के तहत झारखंड में चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन द्वारा जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहयोग देने का अनुरोध किया है. अपने-अपने जिलों में पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को जागरुकता कार्यक्रम में सहयोग करने का आदेश दें, ताकि इसका सफल आयोजन हो सके.

पिछले साढ़े पांच साल में बाल विवाह के 34 मामले : झारखंड में पिछले साढ़े पांच साल में बाल विवाह के 34 मामले सामने आये हैं, जिनमें साल 2018 में 7, 2019 में 3, साल 2020 में 6, साल 2021 में 7, साल 2022 में 5 और साल 2023 में जून महीने तक 6 मामले प्रकाश में आये हैं. बाल विवाह के 34 मामले में से 21 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष किये गये कार्य का लाभ होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. समय का लाभ लें. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृषभ विदेशों में रहने वालों के लिए समय शुभ है. खर्च अधिक होगा, पर विदेश से कोई बड़ा लाभ होगा. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुएं का लाभ होगा. इतर का दान करें.

मिथुन आय के कई द्वार खुलेंगे, पर खर्च अधिक होगा. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा, जिससे कार्य में गति मिलेगी. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. किया गया छोटा निवेश शुभ रहेगा. गौ सेवा से लाभ होगा.

कर्क आय के लिए दिन बहुत अच्छा है. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा. परिवार में कोई खुशी मिलेगा. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है.वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाज़ी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला व्यापार में लाभ का मौका मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. कर्ज लेने से बचना चाहिए. मंगलस्तोत्र का पाठ करें.

वृश्चिक मौसमी बीमारियों से बचाव ज़रूरी है. व्यापार में लाभ होगा. कोई नया कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. गणेश का मंत्र जप करें.

धनु प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य अवरुद्ध भी हो सकता है.पर मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता का सेवा करें.

मकर किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. संतान से लाभ मिल सकता है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ पराक्रम से कार्य बनेगा. साथ ही लाभ भी होगा. बस आलस त्यागें. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा.

मीन धन के आगमन से मन खुश होगा. पराक्रम से कार्य बन सकता है. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे.

मुड़मा जतरा कल से, तैयारी पूरी

रांची। रांची के ऐतिहासिक मुड़मा जतरा की तैयारी पूरी कर ली गई है. 30-31 अक्टूबर को विशाल मेला का आयोजन होगा. इसको लेकर राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ने मेले की तैयारी पूरी की. मुडमा जतरा के सदस्य ने बताया कि 40 पडहा के लोग इस जतरा में पारंपरिक वेश भूषा में शामिल होंगे.सभी खोड़हा मंडलियां अपने पड़हा राजा को अपने प्रतीक चिह्न के साथ घोड़े पर जतरा स्थल पर लाएंगी. प्रत्येक पड़हा राजा का अपना एक विशेष प्रतीक चिह्न होता है. 40 पड़हा राजा ही मुड़मा जतरा का आयोजन कराते हैं. यह मूल रूप से मुण्डा उरांव जनजाति का पर्व है, जिसमें देशभर के जनजाति शामिल होंगे.

मनाई गई योगेश्वर मुनि की जयंती

घाटशिला। आदि मुनीश्वर योगेश्वर मुनि जी महाराज की 140वीं जयंती हुल्लुंग योगाश्रम में शनिवार को मनाई गई. अतिथियों द्वारा झंडोत्तोलन कर तथा मुनि जी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू उपस्थित थी. मुख्य वक्ता योगाचार्य भरत महतो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंचभूत का कल्याण ही धर्म है. जो ब्रह्म ज्ञान देगा वही ब्राह्मण है. जहां जीव है, वहां शिव है. जाग्रत ज्ञान से ही समस्त प्राणी का कल्याण संभव है. योगी और मुनि ही स्वयं से साक्षात्कार कर सकता है. योग से ही सभी विकारों का निराकरण संभव है. कार्यक्रम का संचालन योगी जितराय हांसदा ने किया.

जमशेदपुर में 1 नवंबर से झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के चौथे संस्करण का आयोजन जमशेदपुर में 1-7 नवंबर तक किया जाएगा. उक्त जानकारी शनिवार को ट्राइबल कल्चर सेंटर सोनारी में आयोजित प्रेस वार्ता आयोजक संजय उदय सत्पथी एवं राजू मित्रा ने दी. उन्होंने बताया कि झारखंड फिल्म महोत्सव के प्राइज नाइट में मुख्य अतिथि के तौर पर सिने जगत की मशहूर अभिनेत्री मंदाकिनी उपस्थित रहेंगी. झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 1 नवंबर से 6 नवंबर तक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा. जिसमें 1 और 2 नवंबर को श्रीनाथ विश्वविद्यालय एवं करीम सिटी कॉलेज में एवं 3 नवंबर से 6 नवंबर तक माइकल जॉन ऑडिटोरियम में फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें लोगों के लिए इंट्री निःशुल्क होगी. 7 नवंबर को अवार्ड नाइट समारोह का आयोजन एक्सएलआरआइ सभागार में किया जाएगा. समारोह में झॉलीवुड के कलाकार शामिल होंगे. मुख्य अतिथि के तौर पर बॉलीवुड की लीजेंडरी एक्ट्रेस मंदाकिनी तथा सम्मानित अतिथि झारखंड के पद्मश्री मुकुंद नायक उपस्थित होंगे.

कार्यक्रम को सफल बनाने मे एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य शालिनी प्रसाद, नेहा तिवारी, बीपेंद्र सिन्हा, संरक्षक के रूप मे भरत सिंह, सुखदेव महतो, पूर्वी घोष, मिथिलेश कुमार, अरुण बकरेवाल का महत्वपूर्ण योगदान है. वहीं जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की मास कम्युनिकेशन विभाग की भूमिका कुमारी, दिव्यांशी कुमारी, जिया सिंह, ज्योति कुमारी, रितिका, पूजा, फिरदौस, अभिषेक सारंगी, मनमोहन मिश्रा, सुधीर कुमार, राजेश प्रधान, राज प्रामाणिक, अमित सिंह, जोली पति सत्पथी, सुदेशना सत्पथी, अभय सत्पथी, स्मारिका मिश्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रयासरत हैं.

खास बातें

- महोत्सव में मुख्य अतिथि होंगी मशहूर अभिनेत्री मंदाकिनी
- तीन स्थानों पर होगा फिल्मों का प्रदर्शन, इंट्री होगी फ्री

घोषणा : बारालोटा में 21 नवंबर से लक्ष्मीनारायण यज्ञ

यज्ञ स्थल से बाहर चंदा नहीं करेगी समिति : गुरु पांडेय

संवाददाता। मेदिनीनगर

भागवत कार्य में तन और मन से सहभागिता निभाने का आह्वान करने वाले श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा समिति के मुख्य संरक्षक अर्जुन पांडेय उर्फ गुरु पांडेय ने मीडिया सम्मान समारोह के दौरान बड़ी घोषणा की. मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि समिति को भागवत कार्य में सेवा देने वाले यज्ञ स्थल पर ही सहयोग करेंगे. यज्ञ स्थल से बाहर यज्ञ समिति न तो चंदा करेगी और न ही कोई धन का सहयोग लेगी. 21 नवंबर से 28 नवंबर तक हाउसिंग कालोनी, बारालोटा के प्रांगण में श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ होगा. इस दौरान कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर सात दिवसीय भागवत कथा प्रस्तुत करेंगे. इस अवसर पर आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक अर्जुन पांडेय (गुरु पांडेय) के निर्देशन में मीडिया बंधुओं को सम्मानित किया गया.

21 नवंबर को निकलेगी कलश यात्रा

मौके पर यज्ञ मंडप, कथा पंडाल, मेला, पार्किंग, सुरक्षा से संबंधित जानकारियां दी गईं. महायज्ञ समिति के संरक्षक कृष्णकांत चौबे (मुखिया), मनु प्रसाद तिवारी, बलराम पाण्डेय, प्रवीण सिंह, नवीन तिवारी, अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, महासचिव शैलेश दूबे, कोषाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, विकास दूबे, उपाध्यक्ष शैलेश तिवारी, मुरारी पाण्डेय, बृजेश शुक्ला, रवि शर्मा, गोरख पाठक, संजय मिश्रा, महिला विंग प्रभारी मीना गुप्ता, श्वेता तिवारी, रानी शर्मा, माया मिश्रा समेत महायज्ञ समिति की ओर से पत्रकार बंधु को सम्मानित किया गया. मुख्य संरक्षक ने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ 21 नवंबर को कलशयात्रा सह शोभायात्रा से होगा. बनारस से हैलिकॉप्टर के माध्यम से कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर नौ बजे पलामू पहुंचेंगे. इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं के साथ कोयल नदी तट पर जल लेकर कलशयात्रा यज्ञ स्थल तक पहुंचेगी. इसके बाद 22 से 28 नवंबर तक कथा प्रवचन का कार्यक्रम संध्या 3 बजे से 6 बजे तक संपन्न होगा. यज्ञ पूजन एवं आहूति का कार्य यज्ञाचार्य ब्रह्मचारी श्री उदितानंद जी महाराज के निर्देशानुसार सुबह 7 बजे से दोपहर एक बजे तक संपन्न होगा.

यज्ञ के मुख्य यजमान गुरु पांडेय होंगे

इस यज्ञ के मुख्य यजमान अर्जुन पांडेय उर्फ गुरु पांडेय एवं उनकी धर्मपत्नी उषा पाण्डेय होंगे. कार्यक्रम का नेतृत्व मीडिया प्रभारी अवधेश शुक्ला एवं अजीत पाठक ने किया. वहीं संचालन प्रवक्ता आशुतोष पाण्डेय लकी ने किया. मौके पर चंदन तिवारी, कुलबुल दुबे, मनीष भिवानिया, मुरारी पांडेय, ज्ञानेश तिवारी, आनंद प्रकाश दुबे, विशाल पांडेय, मनीष तिवारी, विक्रांत त्रिपाठी, संजय पांडेय, संजय कुमार, सौरभ दुबे, शुभम दुबे सहित सैकड़ों सनातनी उपस्थित थे

प्राण प्रतिष्ठा के साथ लक्ष्मी नारायण की मूर्ति स्थापित

जमशेदपुर। साकची चेनाब रोड दुर्गा बाड़ी में शनिवार को कोजागरी लक्ष्मी पूजा के अवसर पर मंदिर परिसर में लक्ष्मी नारायण मूर्ति की स्थापना की गई. मौके पर मंदिर कमेटी के महासचिव सांतनु बोस ने बताया कि कमेटी व श्रद्धालुओं की इच्छा थी कि मंदिर परिसर में देवी लक्ष्मी व नारायण का मूर्ति स्थापित हो. पूजा की शुरुआत कलश यात्रा से हुई. फिर विभिन्न नदियों के जल से लक्ष्मी नारायण को स्नान कराया गया. मंदिर के पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्र पाठ कर पूजा प्रारम्भ हुई. तत्पश्चात आरती, हवन, महाप्रसाद का वितरण हुआ. इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अशोक भट्टाचार्य, महासचिव सांतनु बोस, सुनील चटर्जी, असीम कर, कालाचंद कुइला, सौरेन्द्र रायचौधरी, जयंतो मुखर्जी, चंद्र शेखर पाल, अभिजीत सेनगुप्ता, प्रदीप घोष आदि उपस्थित थे.

मनाया गया सूर्य मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा दिवस

घाटशिला। सूर्य मंदिर विकास परिषद गोपालपुर घाटशिला की ओर से शनिवार को चौथा वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा दिवस मनाया गया. इस मौके पर गणेश पूजन, सप्त घृत मातृका एवं नवग्रह पूजन तथा हवन आदि के पश्चात विशेष आरती का आयोजन किया गया. वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर स्थानीय कलाकार निर्मला शुक्ला की टीम के द्वारा भजन कीर्तन प्रस्तुत किया गया. प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर भंडारे का आयोजन किया गया. शाम 4:05 बजे के बाद ग्रहण के सूतक के कारण मंदिर का कपाट बंद हो गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से जोगिंदर सिंह, आर चटर्जी, रंजीत ठाकुर, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, अजीत कुमार, नागेश झा नागेश, सुमन कश्यप, विमल कुमार सिंह, राधेश्याम सिंह, आदि ने सराहनीय भूमिका निभाई.

आओ जानें

राम मंदिर बोकारो

- आराध्य देव- भगवान श्री रामचंद्र और उनका दरबार
- स्थापना- सन् 1967 ईस्वी.
- संस्थापक- मजदूर नेता पं. परमानंद त्रिपाठी. 1970 ई0 के बाद यह मंदिर पूर्ण रूप से अस्तित्व में आ गया.
- स्थान - बोकारो स्टीलसिटी शहर के सेक्टर एक में यह मंदिर अवस्थित है. बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन से यहां पहुंचना आसान है.
- स्थिति- यह मंदिर पूरा संगमरमर से बना हुआ है तथा अंदर में काफी जगह है, इस मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के अलावा वेंकटेश्वर (बालाजी), भगवान गणेश, राधाकृष्णा, काली मां, दुर्गा माता, शिव परिवार, सूर्य और हनुमान के अलग-अलग मंदिर और मूर्तियां स्थापित हैं. मंदिर परिसर में पंडित निवास और पवित्र पुस्तकालय की भी व्यवस्था है. सभी मंदिर देखने में काफी भव्य तथा सुन्दर है.
- लोकप्रियता- यह मंदिर विवाह स्थल के रूप में काफी प्रसिद्ध है, क्योंकि हर वर्ष गरीब लोगों के लिए सस्ती कीमतों पर विवाह का आयोजन किया जाता है तथा हर साल हजारों की संख्या में दूर-दूर से दूल्हा-दुल्हन आते हैं और शादी के पवित्र बंधन में बंधते हैं. यहां वैवाहिक कार्यक्रम लिए सभी तरह की सुख सुविधाएं उपलब्ध हैं.|

काली पूजा की तैयारियां शुरू बनाये जा रहे भव्य तोरणद्वार

संवाददाता। चाईबासा

काली चौदस का पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है. काली चौदस में मां काली की विशेष पूजा की जाती है. काली चौदस को रूप चौदस और नरक चतुर्दशी के रूप में भी जाना जाता है. इस बार काली चौदस 11 नवंबर शनिवार को मनाया जायेगा. काली पूजा पर कई पूजा समिति काली पूजा पंडाल बनाते हैं, जिसकी तैयारी अभी से शुरू हो गयी है. चाईबासा में भी सार्वजनीन काली पूजा समिति अमला टोला ने काली पूजा की तैयारी आरंभ कर दी है.

पंडाल में की जाएगी आकर्षक विद्युत सज्जा

सार्वजनीन काली पूजा समिति ने पहले चरण में तोरण द्वारों का निर्माण कार्य शुरू किया है. इस बार भी बड़ी संख्या में तोरण द्वार के बनाये जाने की संभावना है. जहां तक तोरण द्वार बनाये जायेंगे, वहां तक आकर्षक विद्युत सज्जा भी की जायेगी. पंडाल निर्माण और विद्युत साज का कार्य बंगाल के कारीगर करते हैं. वहीं विद्युत सज्जा का कार्य बंगाल की सुंदर नगर के कारीगर द्वारा किया जाता है. वहीं निर्माता पंडाल निर्माण व विद्युत सज्जा के सारे सामान लाते हैं.

लॉयर्स डिफेंस ने किया पूजन और शरद पूर्णिमा महाप्रसाद का वितरण

जमशेदपुर। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर लॉयर्स डिफेंस के उपाध्यक्ष अधिवक्ता राजकुमार दास उर्फ राजू ने भुइयांडीह स्थित अपने आवास पर दूसरों के पूजन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में लॉयर्स डिफेंस के अध्यक्ष अधिवक्ता परमजीत कुमार श्रीवास्तव, अक्षय कुमार झा, राजीव रंजन, रविंद्र कुमार, अमित कुमार, विनोद कुमार मिश्रा, नवीन प्रकाश, चेतन प्रकाश, विद्युत नंदी, अमर कुमार, अनंत गोप, जसपाल विजय कुमार सिंह, आशीष दत्त, सुनील कुमार मोहंती, विमल कुमार, रमन जी ओझा, सजल चक्रवर्ती, राकेश कुमार शर्मा उर्फ मुन्ना शर्मा, महेश कुमार, जगन्नाथ शाहिद समेत 50 से ज्यादा अधिवक्ता मौजूद थे. इस अवसर पर सभी सदस्यों ने एक साथ वचन दिया कि सभी अधिवक्ताओं की दुख सुख में हमेशा साथ रहेंगे और बहुत जल्द एक निश्चित बैठक करके आगामी 3 दिसंबर को अधिवक्ता दिवस के कार्यक्रम को संपन्न करेंगे और अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु कार्य एवं अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम पर भी विचार विमर्श करेंगे.

श्रद्धा-भक्ति से पूजी गईं वैभव की देवी

संवाददाता। जमशेदपुर

शरद पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में धन व वैभव की देवी कोजागोरी लोक्खी की पूजा परंपरानुसार श्रद्धा व भक्तिभाव से किया गया. धन-धान्य की प्रदाता देवी कोजागोरी की पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. दुर्गा पूजा आयोजन करने वाले मंदिरों और पूजा-पंडालों में भी मां कोजागोरी लोक्खी की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. इसके अलावा भक्तों ने अपने-अपने घर में भी देवी की प्रतिमा स्थापित कर और देवी की तस्वीर लगाकर पूजा-अर्चना की. पूजन स्थल पर महिलाओं ने साज सजावट कर रंगोली बनाई. आकर्षक रंगोली के साथ धान शीश से घरों को सजाया गया.

पूर्णिमा लगते ही शुरू हो गई पूजा-अर्चना

शरद पूर्णिमा लगते ही शनिवार को मां कोजागोरी लोक्खी की पूजा-अर्चना शुरू हो गई. ऐसी मान्यता है कि इस दिन धन की देवी लक्ष्मी घरों में प्रवेश करती हैं. इसलिए घर-घर में श्रद्धालुओं ने आकर्षक अल्पना के साथ देवी लक्ष्मी के पैरों की छाप बनाई. वहीं भजन-कीर्तन के साथ लक्ष्मी के घर आने का आह्वान किया गया. लोक्खी पूजा के मौके पर लोक्खी पांचाली का पाठ भी किया गया.

भागवत चेतना में भाव ही बदल जाता है : हरिवंश

रांची। श्री अरविंद सोसायटी देवी मंडप में शनिवार को आयोजित हिंदी क्षेत्रीय समिति के 44वें वार्षिक सम्मेलन में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा कि भागवत चेतना में किसी काम को करने से उस काम का भाव ही बदल जाता है. उन्होंने श्री अरविंद के कथन को दोहराते हुए कहा कि यदि एक बार मनुष्य आध्यात्मिक करण के लिए राजी हो जाए, तो सबकुछ बदल जाएगा. कहा कि कुछ पल के लिए अध्यात्म से जुड़ जाना बड़ी बात नहीं होती. अपने जीवन को ही आध्यात्मिक रूप में जीने का प्रयास करना चाहिए. दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन डेढ़ सौ से अधिक साधक सम्मेलन में शामिल हुए. मौके पर अध्यक्ष प्रदीप नारंग, विजय पोद्दार, आलोक तुलस्यान सहित अन्य कई लोगों ने अपने वक्तव्य दिये.

श्रद्धा-भक्ति झारखंड में खाटूधाम की परंपरा के अनुरूप पूजा-अर्चना का इकलौता आयोजन

श्याम मंदिर में धूमधाम से मना शरद पूर्णिमा महोत्सव

संवाददाता। रांची

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार को शरद पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया. शरद पूर्णिमा के अवसर पर बाबा श्याम को श्वेत पोशाक (बागा) श्वेत आभूषण श्वेत फूलों का श्रृंगार किया गया. श्वेत प्रसाद के रूप मे बाबा श्याम को काजू एवं खीर का भोग लगाया गया. उसके बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. शनिवार को सुबह से ही भक्तों का मंदिर में आना लगा हुआ था. सुबह मंदिर के पट खुलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन को मंदिर में पहुंचने लगे. श्रृंगार के लिए तीनों मंड का परदा लगा कर श्वेत श्रृंगार किया गया. श्रृंगार आरती में भक्त बाबा श्याम का विशेष श्वेत दर्शन कर भाव विभोर हो रहे थे. इस अवसर पर सभी मंड के परदे सभी देवी देवताओं के वस्त्र, आभूषण एवं श्रृंगार दूधिया रोशनी से जगमग कर रहे थे.

श्री श्याम मित्र मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने बताया कि चंद्र ग्रहण होने के कारण शयन आरती दिन में 3 बजे की गई. दोपहर 3:30 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए.अब रविवार 29 अक्टूबर को प्रातः नियमित समय पर खुलेंगे. उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड में एकमात्र हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में ही शरद पूर्णिमा उत्सव खाटूधाम की परंपरा के अनुसार मनाया गया. इस अवसर पर बाबा श्याम का प्राकृतिक पंखा भी खोला गया, जो वैशाख सुदी तीज अक्षय तृतीया के अवसर पर लगाया गया था. बाबा श्याम को नया श्वेत चंदवा भी लगाया गया. शरद पूर्णिमा महोत्सव में मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री अनिल नारनोली, रतन शर्मा, रौनक पोद्दार, अरविंद सोमानी, किशन शर्मा आदि उपस्थित थे.

खास बातें

- बाबा श्याम का हुआ श्वेत पोशाक व श्वेत फूलों का किया गया श्रृंगार
- प्रात : मंदिर के पट खुलते ही बड़ी संख्या में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

सुख समृद्धि के लिए हुई मां लक्खी की पूजा

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर व आसपास क्षेत्र में शनिवार को सुख समृद्धि के लिए माता लोक्खी की पूजा अर्चना की गई. लोक्खी पूजा के अवसर पर लोगों ने अपने घरों में माता लोक्खी की विधिवत पूजा अर्चना की. साथ ही चक्रधरपुर के सभी दुर्गा पूजा पंडाल में माता लक्ष्मी की आराधना की गई. शनिवार शाम माता लोक्खी की पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. शहर की पुरानी बस्ती गुंडीचा मंदिर, टाउन काली मंदिर, शीतला मंदिर, दुर्गा पूजा पंडाल, गुदड़ी बाजार, दुर्गा पूजा पंडाल, कपड़ा पट्टी दुर्गा पूजा पंडाल, आरई कॉलोनी दुर्गा पूजा पंडाल, बंगाली एसोसिएशन दुर्गा पूजा पंडाल के अलावे कराईकेला एवं आसपास के गांवों में शनिवार को धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा हुई. कराईकेला बाजार परिसर में लोक्खी पूजा समिति के सौजन्य से लक्ष्मी पूजा का भव्य आयोजन किया गया. पूजा के पूर्व वैदिक मंत्र के साथ पुजारी परेश त्रिपाठी एवं राकेश त्रिपाठी ने विजय नदी में पूजा अर्चना की, जिसके बाद मां लक्ष्मी का घट लाया गया. इस मौके कर समीर सारंगी ,लोकनाथ सारंगी, बिजय शरण, द्विजराज प्रजापति, चंदन प्रजापति, प्रशांत कुमार साहू, अरुण साहू, तुलसी महतो, राजीव सारंगी समेत अन्य मौजूद थे. पूजा को देखते हुए कराईकेला पुलिस भी अलर्ट रही.

दर्जनों पूजा पंडालों के साथ घरों में भी आराधना

राज्य के ग्रीन कार्डधारी लाभुकों को सात महीने से राशन नहीं मिलने से उनकी हालत दयनीय हो गई है. वे किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं. अपनी पीड़ा साझा करते हुए वे कहते हैं कि सरकार की ओर से सुविधा तो दी गई है पर सही व्यवस्था नहीं की गई है. किसी तरह से घर चल रहा है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. अगर जल्द राशन उपलब्ध नहीं कराया गया तो स्थिति और खराब हो जाएगी. डीलर से पूछने पर कहा जाता है कि राशन आएगा तो दिया जाएगा. डीलर सही स्थिति की जानकारी भी नहीं देते हैं. हमारी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है. आखिर हम अपनी शिकायत किससे करें. केन्द्र सरकार की ओर से चावल देने से इनकार की वजह से राज्य भर के करीब 4.90 लाख ग्रीन राशन कार्डधारियों को सात महीने से राशन नहीं मिल पा रहा है. राज्य सरकार ने अपने स्तर से व्यवस्था कर मार्च तक का राशन 53 प्रतिशत कार्डधारियों को उपलब्ध करा दिया है. लेकिन अप्रैल से अबतक का राशन नहीं मिला है और चना दाल भी नहीं मिल पाई है. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों के ग्रीन कार्डधारी लाभुकों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

ग्रीन कार्डधारी लाभुकों की स्थिति दयनीय

किसी तरह चल रहा है घर परिवार

प्रभावित हो रही है बच्चों की पढ़ाई

लाभुकों ने साझा की अपनी पीड़ा, कहा...

सरकार ने सुविधा दी, पर सही व्यवस्था नहीं

जमशेदपुर

नहीं मिलता है नियमित राशन : राजकिशोर

गोलपहाड़ी निवासी ग्रीन कार्डधारी (कार्ड संख्या-202800943792) राजकिशोर यादव का कहना है कि नियमित रुप से राशन नहीं मिल रहा है. इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. डीलर ने अक्टूबर महीने में मार्च का राशन दिया है. ऐसे में पूरे परिवार का भरण पोषण करना बहुत मुश्किल हो रहा है. सरकार से हमारी मांग है कि पर्व त्योहार के अवसर पर ग्रीन कार्डधारियों को भी नियमित रुप से राशन उपलब्ध कराया जाए.

फरवरी महीने तक ही मिला है राशन : सविंदर सिंह

ग्रीन कार्डधारी सविंदर सिंह का कहना है कि फरवरी माह तक ही राशन मिला है. सभी लोगों को अक्टूबर माह में मार्च महीने का राशन मिला, लेकिन डीलर का कहना है कि सरकार ने मार्च महीने का राशन उपलब्ध नहीं कराया है. सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अक्टूबर माह में ग्रीन कार्डधारियों को राशन उपलब्ध कराने के लिए चावल उत्सव का भी आयोजन किया गया था. नियमित रुप से राशन नहीं मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सरकार से हमारी मांग है कि ग्रीन कार्डधारियों को नियमित रुप से राशन उपलब्ध कराया जाए.

कार्ड बनने के एक साल बाद राशन मिला : दिलेश्वर

ग्रीन कार्डधारी (कार्ड संख्या- 202800747090) दिलेश्वर का कहना है कि ग्रीन कार्ड बनने के एक साल के बाद तो राशन मिला है. नियमित रुप से राशन नहीं मिलने के कारण बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सरकार से हमारी मांग है कि जिस तरह सबको राशन मिलता है, उसी तरह सरकार ग्रीन कार्डधारियों को भी नियमित रुप से राशन उपलब्ध कराए. सरकार ग्रीन कार्डधारियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है, यह समझ से परे है.

बेरमो

राशन नियमित मिलना चाहिए : महिमा मिश्र

कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी ग्रीन कार्डधारी महिमा मिश्र का कहना है कि सुरजुडीह में सितारा महिला समूह से उन्हें अब तक मार्च 2023 तक का चावल मिला है. डीलर ने बताया है कि जल्द ही अप्रैल का भी चावल वितरण किया जाएगा. उन्होंने बताया कि महीने में एक यूनिट में 5 किलो ही सही, लेकिन राशन नियमित रूप से मिले, तो कार्डधारी को घर चलाने में थोड़ी बहुत सहूलियत मिल जाती है. उन्होंने बताया कि ग्रीन कार्ड के अलावा पीएच या अंत्योदय के लाभुकों को हर माह जिस तरह नियमित समय पर राशन मिलता है, उसी तरह ग्रीन कार्डधारकों को भी समय पर राशन मिलना चाहिए.

किसी तरह से जीवन यापन कर रही हूं : अंजलि देवी

अंजलि देवी पति, कृष्णा केवट बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के महुआटांड़ गांव की रहने वाली हैं. उनका कहना है कि पिछले मार्च माह का मिला है. इसके बाद से राशन नहीं मिला है. उनका कहना है कि पति दूसरे राज्य में मजदूरी करने गए हैं. तीन बच्चों के साथ घर पर रहती हूं. इस महंगाई में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है. किसी तरह से जीवन यापन कर रही हूं.

जिलावार कार्ड संख्या और चावल वितरण की स्थिति

ग्रीन कार्ड धारियों को नहीं मिल रहा राशन, एनएफएसए में मिल रहा खाद्यान

जिला	ग्रीन कार्ड	वितरण की प्रतिमाह मात्रा	वितरण की स्थिति	एनएफएसए में दिया जा रहा राशन
बोकारो	30087	468925	0	331228
चतरा	18094	246990	0	189418
देवघर	21553	351330	0	235983
धनबाद	41201	606350	0	445079
दुमका	21014	323080	0	263592
पूर्वी सिंहभूम	30975	459700	0	444514
गढ़वा	20823	315300	0	259255
गिरिडीह	32058	546210	0	426126
गोड्डा	22655	353800	0	239323
गुमला	13031	230030	0	168290
हजारीबाग	20463	340395	0	323754
जामताड़ा	14889	230895	0	152813
कोडरमा	10044	180955	0	111501
लातेहार	10764	171115	0	143831
लोहरदगा	8708	130780	0	96821
पाकुड़	16773	279470	0	182375
पलामू	29145	439620	0	410294
रांची	33130	477070	0	518186
साहिबगंज	22933	410285	0	207025
सरायकेला	17923	250270	0	227388
सिमडेगा	7385	98760	0	122593
प. सिंहभूम	30219	351455	0	342778
खूंटी	9472	116960	0	109564
रामगढ़	11175	205845	0	130036
कुल	494514	-	0	6081767

हजारीबाग

मार्च के बाद से नहीं मिला है राशन : सोनी कुमारी

राशन नहीं मिलने से होती है परेशानी:राजू दिग्गी

चक्रधरपुर निवासी राजू दिग्गी ने कहा कि समय पर राशन नहीं मिलने से परिवार चलाने परेशानी होती है.घर का बजट बिगड़ जाता है.सरकारी योजना अगर गरीबों के लिए लायी जाती है तो उसका सही तरीके से संचालन भी होना चाहिए, अन्यथा योजना बंद कर दिया जाए,लोगों को ठगने वाली योजना न लाई जाए.इससे लोगों का सरकार के प्रति विश्वास टूटता है.

सिर्फ एक माह का राशन मिला है : राजगृह प्रसाद

दुलमाहा पंचायत के राजगृह प्रसाद ने बताया कि ग्रीन कार्ड से एक माह का राशन मिला है. किसी प्रकार मजदूरी कर परिवार का गुजर-बसर कर रहे हैं. अगर राशन हर महीना मिलता, तो राहत होती. लेकिन शिकायत के बाद भी किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हो रही है. प्रशासन और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए.

राशन भी नहीं मिला, चना दाल का पता नहीं : मालती

दुलमाहा पंचायत की मालती देवी ने बताया कि उनका ग्रीन कार्ड बना है. इस कार्ड में इस साल मे मार्च का राशन उठाव हुआ है. बीच-बीच में पहले भी एक-दो महीना राशन मिला है. उसके बाद से राशन नहीं मिल रहा है. चना दाल के बारे में जानकारी नहीं है. उन्होंने बताया कि माली हालत ठीक नहीं है. राशन कहां से खरीदें, समझ में नहीं आता. अगर हर माह इस कार्ड पर राशन मिलता, तो कुछ राहत होती.

मार्च के बाद से नहीं मिला अनाज : रीता देवी

दुलमाहा पंचायत की रीता देवी ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर अनाज नहीं मिल रहा है. मार्च के बाद से अनाज नहीं मिला है. चना दाल के बारे में तो जानकारी तक नहीं दी जाती है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन अनाज नहीं आने की बात कही जाती है. दौड़ लगाते-लगाते थक चुके हैं, अब उनसे नहीं दौड़ा जाता है. सरकार को इस पर गंभीरता बरतनी चाहिए.

न राशन मिल रहा, न चना की दाल: खालिद खान

मंडई के खालिद खान ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर न राशन मिल रहा है और न चना दाल. इस बारे में कोई जानकारी देनेवाला भी नहीं है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन अब तक राशन उपलब्ध नहीं हो पाया है. किसी प्रकार मजदूरी कर घर चला रहे हैं. राशन मिलती, तो थोड़ी सुविधा होती. सरकार हम गरीबों के लिए सुविधा तो दी है, लेकिन व्यवस्था सही नहीं है.

चक्रधरपुर

राशन नहीं मिलने से होती है परेशानी : राजू दिग्गी

चक्रधरपुर निवासी राजू दिग्गी ने कहा कि समय पर राशन नहीं मिलने से परिवार चलाने परेशानी होती है.घर का बजट बिगड़ जाता है.सरकारी योजना अगर गरीबों के लिए लायी जाती है तो उसका सही तरीके से संचालन भी होना चाहिए, अन्यथा योजना बंद कर दिया जाए,लोगों को ठगने वाली योजना न लाई जाए.इससे लोगों का सरकार के प्रति विश्वास टूटता है.

राशन दुकानदार का बर्ताव अच्छा नहीं रहता है : रमेश

चक्रधरपुर के सिलफोड़ी गांव निवासी रमेश हेंब्रम ने कहा कि जन वितरण प्रणाली के दुकान के दुकानदार का बर्ताव भी लोगों के साथ अच्छा नहीं रहता.जब समय राशन नहीं मिलने पर डीलर से बात की जाती है.तो टाल मटोल रवैया अपनाया जाता है.पिछले दो महीने का राशन अब तक नहीं मिला है.इसके कारण बाजार से खरीदकर चावल खरीदना पड़ता है.

राशन दुकानदार का बर्ताव नहीं रहता बेहतर:सुखमती

चक्रधरपुर की कोलचोकड़ा गांव निवासी ग्रीन कार्डधारी सुखमती पूर्ति ने कहा कि अप्रैल महीने के बाद का राशन अब तक नहीं मिला है, अप्रैल महीने का राशन पिछले महीने मिला था.डीलर द्वारा राशन वितरण में कटौती भी की जाती है.इसे लेकर गांव में कई बार बैठक का भी आयोजन किया गया है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होता.पर्व त्योहार के समय भी अनाज वितरण में लेट लतीफी की जाती है.

दो साल से नहीं बांटी जा रही चने की दाल :रंजिता

चक्रधरपुर की चैनपुर गांव निवासी रंजिता कुई ने कहा कि दो साल से राशन डीलर द्वारा चने की दाल नहीं बांटी गई है.वहीं समय पर चावल भी नहीं दिया जाता.दो तीन महीने के अंतराल पर चावल मिलता है.इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है.ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होती, इसलिए, सरकार को इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए.

सरकारी राशन दुकान में नहीं मिलता है दाल :सुकांती

चक्रधरपुर की बांशीकुसुम गांव निवासी ग्रीन राशन कार्डधारी सुकांती महली ने कहा कि अब जन वितरण प्रणाली के सरकारी राशन दुकान में दाल नहीं मिलती है.पिछले दो साल से उन्हें चने की दाल नहीं मिली है.डीलर को जब इस बारे में पूछा जाता है तो बताया जाता है कि आवंटन नहीं हुआ है.उन्होंने कहा कि जब सरकार गरीबों के लिए योजनाएं लाती है तो उसे सही तरीके से संचालित किया जाना चाहिए.पिछले कई साल से दाल भी नहीं मिली है,साथ ही चावल वितरण में भी लेट लतीफी की जाती है.

राशन नहीं मिलने से घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ी : अंजू

चक्रधरपुर शहर के वार्ड संख्या तीन निवासी ग्रीन कार्डधारी अंजू देवी ने समय पर राशन नहीं मिलने पर घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है.अंजू देवी ने कहा कि पिछले दो महीने से उन्हें राशन राशन नहीं मिला है.इसके कारण बाजार से महंगे दाम पर चावल खरीदना पड़ रहा है.सरकार को गरीबों पर ध्यान देना चाहिए.जन वितरण प्रणाली की दुकानों में अब पहले की तरह सामग्री भी नहीं मिलती है.वहीं डीलर द्वारा अक्सर अनाज वितरण में टाल मटोल रवैया अपनाया जाता है.

ग्रीन काई के लिए क्या क्या जरुरी

जो आवेदन करना चाहते हैं उनके पास निम्न दस्तावेज होने चाहिए

- आवेदक का आधार कार्ड होना चाहिए
- बैंक पासबुक
- मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी होनी चाहिए
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- जाति प्रमाण पत्र
- ग्रीन राशन कार्ड योजना का फॉर्म
- विकलांग होने पर विकलांगता प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी
- बीमार होने पर मेडिकल प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी

■■■

चाईबासा

अब तो सोचना ही छोड़ दिया है : राधीकुई मुंडा

सिलफोडी के गांव के रहने वाले राधीकुई मुंडा ग्रीन कार्डधारी है. उनका कहना है कि मेरा परिवार आर्थिक दृष्टि से काफी कमजोर है .किसी तरह से जीवन यापन कर रहे हैं. लेकिन केन्द्र और राज्य सरकार के झगड़े में हम गरीब लोग पीस रहे हैं. कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को आवंटन नहीं दे रही है, जिसके कारण हम गरीबों को अनाज नहीं मिल पा रहा है. बीते 6 माह से राशन के इंतजार में दुकान का चक्कर लगाते रहते हैं लेकिन राशन नहीं मिल रहा है. अब तो राशन के बारे में सोचना भी छोड़ दिए हैं. मिलेगा तो देखेंगे. अब मजदूरी से ही परिवार चलना है.

प्रखंड के कई गांव में लाभुक परेशान : जेम्स हेंब्रम

पश्चिमी सिंहभूम के जिला बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष जेम्स हेंब्रम ने कहा कि राशन वितरण को लेकर जिला प्रशासन गंभीर नहीं है. लगातार समस्याओं को लेकर उजागर किया जाता है. लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा. अब भी ग्रामीण क्षेत्र में समय पर राशन नहीं मिल रहा है. चाईबासा सदर प्रखंड के कई गांव में लाभुक परेशान है. इसको लेकर शिकायत मिलती रहती है, आंदोलन करने के बावजूद भी इसमें सुधार नहीं हो रहा है. सरकार से मांग है कि इस पर सही मॉनिटर की जाए, ताकि लाभुक तक राशन का वितरण हो सके. कई लोगों को तीन से चार महीना तक भी राशन नहीं मिला है.

आंदोलन के बावजूद भी राशन वितरण में सुधार नहीं : जॉन

झीकपानी प्रखंड के जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम में राशन वितरण में अनियमितता हो रही है. लेकिन इस पर किसी तरह की जांच नहीं की जा रही है. जिला प्रशासन से मांग है कि सही लाभुक तक राशन पहुंचाया जाए. अनियमियता बढ़ती जा रही है. राशन गरीबों के लिए होता है. इसका बंदरबांट न करें. सरकार यदि इस पर मॉनिटर नहीं करती है तो आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा. लगातार आंदोलन करने के बावजूद भी राशन वितरण में सुधार नहीं हो रहा है.

कार्ड बनाना बेकार हो गया : लक्ष्मी चातर

पडसा (मझगांव) निवासी लक्ष्मी चातर का कहना है कि बहुत मुश्किल से ग्रीन कार्ड बनवाया था. सोचा था कि कार्ड बन जाएगा तो राशन मिलने से जिंदगी थोड़ी आसान हो जाएगी. पर सब कुछ उल्टा हो गया. हर माह राशन के लिए दुकानदार के पास जाते हैं तो निराश लौटना पड़ता है. हमें याद भी नहीं है पिछले दफा कब राशन मिला था. राशन नहीं मिलने के कारण कई दफा रात में परिवार के लोग भूखे भी सोए हैं. अब तो मजदूरी करने पर ही पेट भर पा रहा है. बाजार से चावल खरीदना हमारे वश की बात नहीं है.

ग्रीन राशन कार्ड योजना केंद्र सरकार की योजना है. इस योजना में गरीब परिवारों को हर महीने 5 रुपए किलो की दर से गेहूं और 1 रुपए किलो की दर से खाद्यान्न उपलब्ध करवाया जाता है. जो गरीबी रेखा से नीचे हैं. उन्हें ग्रीन राशन कार्ड दिया जाता है. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के नियमों के तहत गरीब परिवारों को राशन दिया जाता है. इस योजना से जो परिवार छूट जाते हैं उन्हें फिर से इस योजना में जोड़ने का प्रावधान है. कहा गया है कि इस योजना के झारखंड में लागू होने से गरीब परिवारों को और जो बीपीएल श्रेणी के परिवार हैं जो गरीबी रेखा से नीचे हैं. उन्हें किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा. लेकिन इस समय ग्रीन कार्डधारियों को पिछले सात माह से राशन नहीं मिला है.जिससे वे परेशानी में हैं.

ग्रीन राशन कार्ड के लिए क्या है पात्रता

- इस योजना में आदिम जनजाति परिवार, विधवा, परित्यक्त, ट्रांसजेंडर 40% या इससे अधिक दिव्यांग, कैंसर, एड्स, कुष्ठ, असाध्य रोग से ग्रसित, अकेले रहने वाले बुजुर्ग, एकल परिवार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति को प्राथमिकता दी जाएगी.
- सभी विधवा, परित्यक्ता, सेम ट्रांसजेंडर जो भारत सरकार या राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश या इनके परिषद/उधम/प्रक्रम/और अन्य स्वायत निकाय जैसे विश्वविद्यालय/नगर निगम/नगर परिषद नगर/ पालिका/न्यास इत्यादि में कार्यरत न हो और सेवानिवृत्त ने हो.
- निर्माण कार्यों में से सलगन श्रमिक, राजमिस्त्री, अकुशल श्रमिक, घरेलू श्रमिक/ कुली एवं सिर पर बोझ उठाने वाले अन्य श्रमिक रिक्शा चालक, ठेला चालक परिवार को कोई सदस्य सरकारी नौकरी करने पर उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा.
- फुटपाथ दुकानदार/फेरीवाला/छोटे स्थापना के अनुसेवक, सुरक्षा पहरी, पेंटर, वेल्डर, बिजली मिस्त्री, मैकेनिक, दर्जी, नलसाज, धोबी, मोची इन सभी को इस महिला प्रदान किया जाएगा .
- सभी आदिम जनजाति के परिवार जो किसी सरकारी नौकरी में नहीं हो या स्वायत निकाय में कार्यरत या सेवानिवृत्त न होने चाहिएं.
- अकेले रहने वाले बुजुर्ग व्यक्ति, और एकल परिवार भी इन सभी श्रेणियों में नहीं होने चाहिए .

ग्रीन राशन कार्ड का मुख्य उद्देश्य

- ग्रीन राशन कार्ड योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सभी गरीब परिवारों को कम मूल्य पर राशन उपलब्ध करवाना है . इस योजना में गरीब परिवारों को एक रुपए किलो कि दर से राशन प्रदान किया जाता है . कई बार गरीब परिवारों के सामने खाने पीने की समस्या आ जाती है और भी कई बार भूखे ही सो जाते हैं . इसी कारण सरकार ने इस योजना की शुरुआत की है . जिससे प्रति महीने अनाज मिलेगा और भी अपना खर्चा आराम से चला पाएंगे .उन्हें दूसरे व्यक्तियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा . इन सभी गरीब परिवारों को 5 किलो अनाज एक रुपए किलो की दर से दिया जाएगा.
- ग्रीन कार्ड बनाने के कई उद्देश है . पहला यह कि इस योजना से गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक होती है .उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध हो जाने से समय पर अपना खाना बना सकते है . इस योजना में झारखंड सरकार प्रत्येक परिवार को 5 किलो अनाज प्रदान करती है .जिन परिवारों के पास बीपीएल कार्ड है . उन्हें ही इस योजना का लाभ दिया जाता है . बीपीएल परिवार राशन की दुकानों पर जाकर राशन प्राप्त करते है .
- यह योजना 2020-21 में सभी राज्यों में लागू कर दिया गया था . सरकार ने इस योजना पर खर्च करने के लिए 250 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है . गरीब परिवार जो खाद्य सामग्री से वंचित थे . वह इस योजना में जुड़कर खाद्यान्न प्राप्त कर रहे हैं . राशन सामग्री गरीब परिवारों को नजदीकी गांव मे स्थित राशन की दुकानों से प्राप्त होती है .
- इस योजना मे प्रत्येक परिवार को हर महीने 5 किलो अनाज दिया जाता है.. इस 5 किलो अनाज के लिए लाभार्थी परिवारों को केवल 1 किलो अनाज के लिए 1 रुपया देना होता है .

एनटीपीसी के सड़क मार्ग से कोयला परिवहन की समय सीमा भी पूरी हुई

पर्यावरण का उल्लंघन करता रहा एनटीपीसी, जिला प्रशासन मौन

प्रवीण कुमार। हजारीबाग

हजारीबाग जिले के बड़कागांव में एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना की स्वीकृति के 13 साल बीतने के बाद भी एनटीपीसी द्वारा जिला प्रशासन की मौन सहमति से पर्यावरण, वनस्पति, जलस्रोतों का विकास करने की बजाये उसे नष्ट करने का ही काम किया है. ऐसे दर्जनों मामले सामने आए हैं, लेकिन जिला प्रशासन ने इलाके में रहनेवालो लोगों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई करने में दिलचस्पी नहीं दिखायी. पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में अवैध खनन की बात केंद्र सरकार के साथ ही साथ राज्य सरकार ने भी स्वीकार किया है. लेकिन जिले में जिम्मेवार अधिकारीयों के होते हुए भी पर्यवारण को नुकसान पहुंचाने व अबैध खनन पर किसी तरह की कार्रवाई न करने से जिला प्रशासन के साथ ही साथ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, खान विभाग और वन विभाग के वरीय आधिकारीयों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं. रिपोर्ट भी मिली, लेकिन प्रशासन एनटीपीसी की दलीलों को आंख बंद कर मानता रहा.

अवैध खनन के दौरान कौन-कौन रहे उपायुक्त

- नैन्सी सहाय 26 फरवरी 2022 से अब तक
- आदित्य कुमार आनंद : 8 अगस्त 2020 से 26 फरवरी 2022
- भुवनेश प्रताप सिंह : 8 अगस्त 2020 से 8 अगस्त 2020
- संदिप सिंह : 1 अगस्त 2020 से 7 अगस्त 2020
- भुवनेश प्रताप सिंह : 30 जून 2019 से 31 जुलाई अगस्त 2020

सड़क मार्ग से कोयला ढुलाई की समय सीमा भी पूरी

एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना द्वारा जमीन अधिग्रहण में गड़बड़ियों से लेकर नदी,तालाबों को दूषित–नष्ट कर नियमों व शर्तों का उल्लंघन करने के मामले सामने आते रहे हैं. लेकिन कन्वेयर बेल्ट तैयार हो जाने के बाद भी सड़क मार्ग से कोयला परिवहन किए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा भी अक्टूबर महीने में पूरी हो रही है. पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में अनियमितता का मामला उठानेवाले मंटू सोनी का कहना है कि इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका भी शुरू से ही संदिग्ध रही है. अब सड़क मार्ग से कोयला परिवहन मामले भी जिला प्रशासन क्या कदम उठाता है, यह देखनेवाली बात होगी. एक बार फिर जिला प्रशासन, वन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व खनन विभाग कैसे आंख मूंदकर एनटीपीसी के तर्कों को मानते हुए सड़क मार्ग से कोयला परिवहन कराने की कोशिश करता है या सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कराता है. हालांकि इस संबंध में जिले के जिम्मेवार अधिकारियों को मंटू सोनी ने लिखित में मामले की जानकारी दे दी है.

एनटीपीसी से 14 बिंदुओं पर पूछा गया स्पष्टीकरण

एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह परियोजना को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कंप्लायंस एवं मॉनिटरिंग डिवीजन ने 20 अक्टूबर को शो कॉज करते हुए 14 बिंदुओं पर30 दिनों के अंदर जवाब देने को कहा है.

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- इनसाइक्लोपीडिया मुण्डारिका के लेखक कौन हैं – जे. हॉफमैन
- किसे इंटेल इंडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया गया – गोकुल सुब्रमण्यम
- मनु, याज्ञवल्क्य, नारद और बृहस्पति कौन थे – प्राचीन भारत के कानूनज्ञ
- ट्राइटियम किसका समस्थानिक है – हाइड्रोजन
- देश के पहले फोटोग्राफी संग्रहालय का उद्घाटन कहां हुआ – मसूरी
- बॉक्साइट उत्पादन में झारखंड का भारत में कौन सा स्थान है – तीसरा
- कच नामक सिक्के किस वंश के माने जाते हैं – गुप्त
- प्रक्षेपास्त्र का विकास किसने किया था – वर्नहर वॉन ब्रॉउन
- किस राज्य में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन योजना शुरू हुई – छत्तीसगढ़
- झारखंड में टोंगीनाथ का मंदिर किस जिले में है – गुमला

ब्रीफ खबरें

तीन बड़े कारोबारियों की हत्या करने आए तीन शूटर गिरफ्तार

रांची। धनबाद में सलूजा मोटर के मालिक समेत तीन बड़े कारोबारियों की हत्या करने से पहले तीन अपराधी गिरफ्तार हुए हैं. धनबाद पुलिस के सहयोग से झारखंड एटीएस की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान गिरोह के तीन शूटर को गिरफ्तार किया है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा धनबाद शहर के बैंक मोड़ स्थित अलंकार ज्वेलर्स, घराना ज्वेलर्स और सलूजा मोटर के संचालक पर जानलेवा हमले की योजना बनाई गई थी.

अंपायर व स्कोरर को दी गई ट्रेनिंग

धनबाद। रणधीर वर्मा स्टेडियम स्थित धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन (डीसीए) कार्यालय में शनिवार को वर्कशॉप के दूसरे दिन अंपायर और स्कोरर को बीसीसीआई लॉ ऑफ प्ले कंडिशंस व एमसीसी लॉ के साथ हाल के दिनों में इनमें आए बदलाव की जानकारी दी गई. इसके अलावा मल्टी डे मैचेज में दिन के खेल के दौरान टाइम लॉस होने पर समय को मेकअप करने के लिए किए जाने वाले कैल्कुलेशन के बारे में भी बताया गया. बीसीसीआई के अंपायर धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि कैंप में अंपायर नीरज पाठक और ओमप्रकाश रॉय भी ट्रेनिंग दे रहे हैं.

सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप का शुभारंभ

धनबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल में 28 अक्टूबर को चार दिवसीय सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन चैंपियनशिप 2023 का शुभारंभ हुआ. पहले दिन अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग के प्रतिभागियों क्वालीफाइंग राउंड में विभिन्न योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया. इसके पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन उपायुक्त वरुण रंजन ने किया. उन्होंने कहा कि योग के जरिए हम अपने मन पर नियंत्रण कर समस्त संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचा कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं. प्राचार्य डॉ सरिता सिन्हा ने बताया कि प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के 40 विद्यालयों के 260 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं.

झारखंड स्टेट बार काउंसिल के आदेश पर मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न

राजकुमार राजू फिर बने अध्यक्ष

- महासचिव पद पर रिकार्ड मत से सुमन सिंह जीते
- तीसरी बार जीते प्रवीण, भरत व कुणाल लौटे दोबारा

संवाददाता। हजारीबाग

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में हंगामा के बाद मतदान की प्रक्रिया रोक दी गई थी. झारखंड स्टेट बार काउंसिल के आदेश पर शनिवार को मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न हुई. मतगणना में चौथी बार राजकुमार राजू अपराजेय बनकर उभरे और दूसरी बार हजारीबाग बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने. इससे पूर्व राजकुमार राजू राज्य बार के सदस्य हैं और पूर्व में महासचिव का पद संभाल चुके हैं. महासचिव पद के प्रत्याशी सुमन कुमार सिंह ने सारी अटकलों पर विराम लगाते हुए रिकार्ड मत से चुनाव में जीत दर्ज की. उन्होंने 217 वोट से निकटतम प्रतिद्वंदी दुर्गा प्रसाद जायसवाल को हरा दिया. वहीं भरत कुमार ने दूसरी बार कोषाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की. इसी तरह दो बार कार्यकारिणी में अपना लोहा मनवा रहे प्रवीण कुमार सिंह ने सह कोषाध्यक्ष पर जीत का परचम लहराया.

वहीं, उपाध्यक्ष पद पर विजय कुमार सिंह ने जीत दर्ज की. विजय कुमार सिंह को 187 मत मिले. उन्होंने शैलेंद्र सिन्हा को 26 मत से हराकर यह सफलता पायी. सचिव पुस्तकालय में कुणाल कुमार ने जीत दर्ज की. इससे पहले कुणाल कुमार कार्यकारिणी सदस्य थे और दूसरी बार जीत दर्ज की. नई समिति में भाजपा नेता मनमीत कुमार उर्फ मनमीत अकेला ने भी जीत दर्ज की.

उपाध्यक्ष

विजय कुमार सिंह	187
अजय कुमार	119
रंजन प्रसाद	55
अशोक कुमार सिन्हा	58
ममता कुमारी	94
शैलेन्द्र कुमार सिन्हा	159
शंभू कुमार	71
गोवर्धन साव्र	70
अभय कुमार सिंह	12

सहायक कोषाध्यक्ष

प्रदीप साव	38
प्रवीण कुमार सिंह	255
कुमार ज्योति भूषण	---
विष्णु दयाल कुशवाहा	55
मोहम्मद इम्तियाज	110
सुरेश कुमार वर्मा	125

संयुक्त सचिव प्रशासनिक

रंजीत कुमार सिन्हा	36
प्रमोद कुमार सिंह	231
अनुज कुमार राय	34
दीपक कुमार	265
निवेदिता श्री	257

महासचिव

सुमन कुमार सिंह	344
महावीर प्रसाद	54
दुर्गा प्रसाद जायसवाल	127
राज प्रकाश	134
हीरालाल	103
रंजीत कुमार राणा	57

सचिव लाइब्रेरी

राजेश कुमार सिन्हा	26
स्वप्न कुमार	83
विनोद कुमार सिन्हा	28
योगेंद्र राणा	27
विकास कुमार	65
कुणाल कुमार	299
संत कुमार दीक्षित	105
कमाल अवरोही	106
राजेश कुमार शर्मा	82

कोषाध्यक्ष

कौलेश्वर प्रसाद कुशवाहा	153
दिलीप कुमार सिन्हा	228
संतोष कुमार ठाकुर	100
मनोज कुमार यादव	71
भरत कुमार	246
आशीष कुंदन	20

कार्यकारिणी सदस्य

धनेश्वर महतो	160
इंद्र कुमार पंडित	208
दीपक कुमार	126
वेकटेश्वर भवानी	108
अनुराधा मिश्रा	425
डा चंदन कुमार	229
संगीता सिन्हा	208
राजेश कुमार रंजन	180
वैभव कुमार	225
चंद्रिका प्रसाद	289
गौरी शंकर प्रसाद	251
आशीष कुमार दुबे	203
सुबोध कुमार भगदेश	91
उत्तम कुमार सिंह	204
अशोक कुमार	96
विजय कुमार	56
शिवदत कुमार	320
राहुल कुमार	214
मनमीत कुमार	228
मो. शहजाद अनवर	225
मनोहर साव	211
मनोज कुमार शर्मा	149
मोहम्मद शाह	153
भैया सुमित सिन्हा	325

फूल-माला पहनाकर विजयी प्रत्याशियों का किया स्वागत

चुनाव का रिजल्ट जारी होते हीं उत्साहित समर्थकों ने अपने–अपने विजयी प्रत्याशियों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया. अबीर गुलाल उड़े और मिठाइयां भी बांटी गई. अध्यक्ष के साथ दोबारा चुनाव जीत कर आए महासचिव सुमन कुमार सिंह ने कहा कि उनकी नीति पर अधिवक्ताओं ने मुहर लगा दी है. आने वाले दिनों में हजारीबाग बार एसोसिएशन नई ऊंचाई को स्पर्श करेगा.

शशि प्रिया को बीपीएससी में मिले 144वीं रैंक

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) की जूलॉजी विभाग की यूनिवर्सिटी टॉपर शशि प्रिया का चयन बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) में हुआ है. शशि प्रिया को बीपीएससी में 144वीं रैंक हासिल हुई है. उनका चयन सोशल सिक्योरिटी के एडिशनल डायरेक्टर के पद पर हुआ है. यह जानकारी बीबीएमकेयू के पीआईओ डॉ अजय कुमार ने दी. वहीं सिविल सेवा में सफल अभ्यर्थी शशि प्रिया ने बताया कि उनके दादा कमल नारायण झा और दादी मुन्ना देवी के प्रोत्साहन ने उन्हें सिविल सेवा में आने के लिए प्रेरित किया. उनके ससुर मुरलीधर झा और सास चांदनी झा ने शादी के तीन वर्ष बाद पढ़ाई की अनुमति देकर उनके सपने को सच करने में मदद की.

साइकिल सवार ने ट्रक में ठोका, गंभीर रूप से जख्मी

घाटशिला। काशिदा-हुल्लूंग रोड पर बड़ाजुड़ी गांव के समीप शनिवार को साइकिल सवार ने सड़क के किनारे खड़ी ट्रक को धक्का मार दिया. इस दुर्घटना में साइकिल सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गया. जख्मी युवक बड़ाजुड़ी पंचायत के मुड़ाकाटी गांव का कान्हू राम हांसदा बताया जाता है. मौके पर पहुंची जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, विवेक गोराई, पिंटू मंडल समेत अन्य स्थानीय युवक की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा अनुमंडल अस्पताल घाटशिला भेज दिया गया. बताया जाता है कि युवक मुड़ाकाटी से घाटशिला की ओर आने के क्रम में बड़ाजुड़ी मेन रोड में सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जोरदार धक्का मार दिया.

जेयूवीएनएल में अधिकारियों की प्रोन्नति के बाद पदस्थापन

विशेष संवाददाता। रांची। झारखंड ऊर्जा विकास निगम में प्रोन्नति के बाद 34 वित्त अधिकारियों को पदस्थापित किया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है. इन पदाधिकारियों को वरीय प्रबंधक वित्त एवं लेखा के पद पर प्रोन्नति दी गयी है.

नाम	कहां गये
प्रवीण कुमार	जेबीवीएनएल मुख्यालय
शनिचरवा उरांव	ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय
श्रीकांत	ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय
विमल कुमार झा	ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय
पुरूषोत्तम कुमार सिंह	धनबाद
निशि विश्वकर्मा	कोडरमा
राकेश सिन्हा	जेबीवीएनएल मुख्यालय
किशोर कुमार मंडल	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
गोपाल जी प्रसाद	वितरण मेदिनीनगर
मृत्युंजय प्रसाद सिंह	वितरण जमशेदपुर
माइकल बोनेफस सोरेन	दुमका
अजय कुमार	संचरण जमशेदपुर
संजय कुमार	संचरण मेदिनीनगर
आनंद कुमार तिर्की	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
शैलेश पाठक	ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय रांची
गौरव कुमार झा	वितरण रांची
ज्योत्सना पांडेय	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
सबिता कुमारी	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
मजहर मजीद	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
राजकुमार झा	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
धनु कुमार गुप्ता	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
लवली चौधरी	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
स्वाति शरण	हजारीबाग
अजीत कुमार	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
साजिद मियां	गिरिडीह
नुपूर राज	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
नेहा प्रीति सुमन	हजारीबाग
अनामिका–संचरण	रांची
निशांत कुमार उरांव	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
अगस्तीन बिरमाको	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
राजीव लकड़ा	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
नीलिमा सुमन टोपनो	वितरण रामगढ़
अंजनी लता उरांव	जेबीवीएनएल मुख्यालय रांची
रोबिन विल्सन टोप्पो	संचरण दुमका

चाणक्य आईएएस एकेडमी में दो दिन संचालित होगा ओरिएंटेशन क्लास

राजनीति विज्ञान का नया बैच 31 से

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के कौशल्या प्लाजा स्थित चाणक्य आईएएस एकेडमी की हजारीबाग शाखा में यूपीएससी व जेपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राजनीति विज्ञान जीएस पेपर टू की कक्षाएं 31 अक्तूबर से शुरू होगी. यह जानकारी देते हुए चाणक्य आईएएस एकेडमी की जनरल मैनेजर रीमा मिश्रा ने बताया कि मंगलवार और बुधवार दो दिनों का ओरिएंटेशन क्लास संचालित होगा, जिसमें कोई भी अभ्यर्थी कक्षा में शामिल हो सकते हैं.

उन्होंने बताया कि राजनीति विज्ञान एक रूचिकर विषय है और इस विषय की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस विषय की तैयारी करते समय सामान्य अध्ययन के भी कई महत्वपूर्ण पक्षों की तैयारी साथ-साथ हो जाती है. रीमा मिश्रा ने कहा कि ऐसा कहा जाता है कि आम तौर पर यह एक उच्च स्कोरिंग विषय है, हालांकि यह अभ्यर्थी के उचित दृष्टिकोण और परीक्षा की तैयारी पर निर्भर करता है. राजनीति विज्ञान जीएस पेपर टू के कक्षाओं की शुरुआत दिल्ली से आए विशेषज्ञ शिक्षक के माध्यम से चाणक्य आईएएस एकेडमी में कराई जाएगी. अपने व्यापक पाठ्यक्रम के कारण राजनीति विज्ञान यूपीएससी अभ्यर्थियों के बीच काफी लोकप्रिय है. इसे विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में तैयारी की जाए, तो नतीजे चौंकाने वाले आ सकते हैं.

सुनहरा मौका

- क्लास में जीएस पेपर 2 की अहमियत बताई जाएगी
- कोई भी अभ्यर्थी इस कक्षा में हो सकते हैं शामिल

रीमा मिश्रा ने बताया कि ओरिएंटेशन क्लास के तहत राजनीति विज्ञान जीएस पेपर टू की अहमियत और इस विषय की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण बातें बताई जाएंगी. इच्छुक अभ्यर्थी चाणक्य आईएएस एकेडमी के हजारीबाग शाखा में आकर या मो. 7717772577 पर संपर्क कर इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

महिलाओं पर हिंसा उनके मौलिक मानवाधिकारों का उल्लंघन

पुलिस करे मदद : डीजीपी अजय

संवाददाता। रांची

महिलाओं पर हिंसा उनके मौलिक मानवाधिकारों का उल्लंघन है. महिलाओं पर हिंसा एक सामाजिक समस्या है. इसमें पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है. देश में महिलाएं और लड़कियां बड़ी संख्या में अलग - अलग प्रकार की हिंसा से पीड़ित होती हैं. घर, सड़क, स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थल पर घरेलू और यौन हिंसा जैसी घटनाएं हो रही हैं. यह हिंसा दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों को सम्मान से जीने से रोकती है. यह महिलाओं के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है. महिला हिंसा देश की प्रगति और समृद्धि को गंभीर रूप से खतरे में डालता है. महिलाओं पर होने वाली हिंसा की शिकायतों को स्वीकार करना और एफआईआर दर्ज कर महिलाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा देना हमारा प्रमुख उद्देश्य है. अपराधियों पर बिना देर किए कार्रवाई करनी चाहिए. उपरोक्त बातें झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने शनिवार को साई नाथ विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में कही.

महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा एक महामारी जैसी समस्या : उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता व महिला सशक्तीकरण के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए. महिलाओं के खिलाफ हिंसा पुरुषों और महिलाओं के बीच ऐतिहासिक रूप से असमान शक्ति संबंधों की अभिव्यक्ति है.

झारखंड में मिले डेंगू के 77 मरीज, सबसे ज्यादा देवघर में 67

रांची। झारखंड में डेंगू के डंक में एक बार फिर बड़ा इजाफा हुआ है. शनिवार को राज्य भर में डेंगू के 77 नए मरीज मिले हैं. इनमें सबसे ज्यादा 67 मरीज देवघर में मिले हैं. वहीं पूर्वी सिंहभूम में 4, धनबाद में 3 और हजारीबाग में डेंगू के 3 मरीज मिले हैं. बता दें कि राज्य भर में डेंगू के 152 संदिग्ध मरीज मिले थे. वहीं चिकनगुनिया के भी 17 संदिग्ध मरीज मिले. हालांकि जांच के बाद किसी भी मरीज में चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है.

पेज एक का शेष

युवा करें ज्यादा काम...

शप्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सप्ताह में 70 घंटे तक काम करने की जरूरत है. 77 वर्षीय मूर्ति ने राष्ट्र-निर्माण, प्रौद्योगिकी और भारत के वर्क कल्चर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की. उन्होंने कहा, भारत की वर्क प्रोडक्टिविटी दुनिया में सबसे कम में से एक है. जब तक हम अपनी कार्य उत्पादकता में सुधार नहीं करते, जब तक हम सरकार में किसी स्तर पर भ्रष्टाचार को कम नहीं करते, जैसा कि हम पढ़ते आ रहे हैं, मुझे इसकी सच्चाई नहीं पता, जब तक हम इन निर्णयों को लेने में अपनी नौकरशाही की देरी को कम नहीं करते, हम नहीं कर पाएंगे. उन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो, जिन्होंने जबरदस्त प्रगति की है. उन्होंने कहा, हमें अनुशासित रहने और अपनी कार्य उत्पादकता में सुधार करने की आवश्यकता है. मुझे लगता है कि जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, सरकार क्या कर सकती है? हर सरकार उतनी ही अच्छी होती है जितनी लोगों की संस्कृति. और हमारी संस्कृति को अत्यधिक दृढ़निश्चयी, अत्यंत अनुशासित और अत्यंत परिश्रमी लोगों की संस्कृति में बदलना होगा. यह परिवर्तन युवाओं से आना चाहिए क्योंकि वे इस समय हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं, और वे ही हैं जो हमारे देश का निर्माण कर सकते हैं.

समस्या

राउरकेला के लिए 108 एंबुलेंस सेवा बंद होने से रोगियों की समस्याएं बढ़ी

108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं, राउरकेला नहीं जा सकी पीड़ित महिला

अजय सिंह। मनोहरपुर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार शाम गंभीर हालात में पीड़ित वृद्ध महिला को भर्ती कराया गया. वहां स्थानीय चिकित्सकों ने बताया कि हाईब्लड प्रेशर के कारण बृद्ध महिला का ब्रेन हेमरेज हो गया है. उसे बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर किया गया है लेकिन, राउरकेला के लिए 108 एंबुलेंस सेवा उपलब्ध नहीं होने से महिला को राउरकेला नहीं भेजा जा सका है. राउरकेला के लिए 108 एंबुलेंस सेवा बंद कर दी गई है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो गई है. पीड़ित वृद्ध महिला सुषाणा लुगून आनंदपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती रोबोकरा पंचायत अंर्तगत गुलू गांव की रहने वाली है. महिला का समय पर इलाज नहीं होने से उसकी हालात बिगड़ती जा रही है.

108 एंबुलेंस सेवा सरकारी अस्पताल से सरकारी अस्पताल तक उपलब्ध : सरकार द्वारा प्रदत 108 एंबुलेंस सेवा आम लोगों के लिए उपलब्ध है. सरकारी नियमानुसार 108 एंबुलेंस सेवा रेफर पेसेंट के लिए सरकारी अस्पताल से सरकारी अस्पताल के लिए सिर्फ उपलब्ध किया जाता है. नियम के तहत पहले नजदीकी सरकारी अस्पताल राउरकेला, ओडिसा के लिए भी 108 एंबुलेंस सेवा प्रदान की जाती थी लेकिन, यह व्यवस्था दो सप्ताह पूर्व से बंद कर दी गई है. इसका मुख्य कारण था कि, झारखंड के रोगियों से वहां भेदभाव किया जाता है. 108 एंबुलेंस सेवा पर रोक लगने से आर्थिक रूप से कमजोर रेफर रोगियों के उपचार के लिए राउरकेला, ओडिसा जाने में समस्या उत्पन्न हो गई है.

विधायक जोबा मांझी ने दिया समाधान का आश्वासन

नए आदेशानुसार, 108 एंबुलेंस सिर्फ झारखंड के नजदीकी सरकारी सदर अस्पताल के लिए उपलब्ध होगी. मनोहरपुर सीएचसी से चाईबासा सदर अस्पताल की दूरी करीब 150 किलोमीटर है, जबकि राउरकेला ओड़िसा स्थित सरकारी अस्पताल महज 50 किलोमीटर है. यदि इसका हल नहीं निकला तो इस फरमान से आम रोगियों के बीच भारी समस्या उत्पन्न हो जाएगी. इस मामले को लेकर शुभम संदेश अखबार के स्थानीय प्रतिनिधि ने मंत्री सह स्थानीय विधायक जोबा मांझी से सवाल किया. उन्होंने इसे गंभीरता से लिया है तथा इस मुद्दे पर सूबे के मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से यथाशीघ्र हल निकालने की बात कही है.

अट्ठाईस लेखिकाओं की पुस्तक 'आरोहण' का हुआ विमोचन

संवाददाता। जमशेदपुर

अट्ठाईस लेखिकाओं द्वारा लिखी गई पुस्तक 'आरोहण' का शनिवार को विमोचन हुआ. अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के महिला आयाम के बैनर तले बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन के प्रयाग कक्ष में कार्यक्रम आयोजित हुआ. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री छुटनी महतो, मुख्य वक्ता के तौर पर साहित्यकार डॉ. मुदिता चंद्रा, एबीजीपी प्रान्त संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति और प्रतिष्ठित रंगकर्मी सह एबीजीपी पूर्वी सिंहभूम की उपाध्यक्ष कृष्णा सिन्हा मौजूद थी.

साहित्यकार दिनेश्वर प्रसाद सिंह दिनेश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. तत्पश्चात सभी अतिथियों ने मिलकर 'आरोहण' पुस्तक का विमोचन किया. पुस्तक की संपादिका शिक्षाविद सह साहित्यकार डॉ. अनीता शर्मा और डॉक्टर कल्याणी कबीर हैं. पुस्तक में डॉ आशा गुप्ता श्रेया, ऐंजिल उपाध्याय, माधुरी मिश्रा, डॉ अनिता शर्मा, डॉ कल्याणी कबीर, आरती श्रीवास्तव विपुला, ममता सिंह, नीता सागर चौधरी, निवेदिता श्रीवास्तव, उपासना सिन्हा, डॉ अनिता निधि, सरिता सिंह, सरोज सिंह परमार, सुखबीर कौर, पद्मा प्रसाद 'विन्देश्वरी', अन्नी अमृता, डॉ सुनीता बेदी, सुष्मिता मिश्रा, रीना सिन्हा, मंजू भारद्वाज 'कृष्ण प्रिया', सुनीता सुचारी, ममता कर्ण, बबली मीरा, वीणा कुमारी, नंदिनी, रीना गुप्ता श्रुति, डॉली परिहार, आरती शर्मा, अभिलाषा कुमारी की रचनाएं शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

बिहार में 24 घंटे में मिले 354 नए मरीज

पटना । बिहार में डेंगू का डंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. बीते 2 महीने से पूरा बिहार डेंगू के चपेट में है और राजधानी पटना हॉटस्पॉट बना हुआ है. बीते 24 घंटे में पूरे प्रदेश में डेंगू के 354 नए मामले मिले हैं. इसमें पटना में सर्वाधिक 188 नए मामले मिले हैं. प्रदेश में पटना के अलावा भागलपुर, सारण, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुंगेर, वैशाली जैसे प्रदेश के सभी जिले डेंगू से प्रभावित हैं. प्रदेश में डेंगू के कुल ज्ञात मामलों की संख्या 14268 हो चुकी है. इसमें पटना में ही डेंगू मरीजों की संख्या 6493 हो गई है.

पिकअप वैन ने दो को रौंदा, एक की मौत

दरभंगा । बिरौल-बेनीपुर मुख्य मार्ग पर डुमरी विश्वकर्मा मंदिर के पास अनियंत्रित पिकअप वैन ने एक साथ दो साइकिल सवार को रौंद दिया. इससे एक साइकिल सवार वृद्ध नोखे लाल चौपाल (60) की मौत हो गई. वहीं दूसरा किशोर कन्हैया पासवान (16) को गंभीर अवस्था में डीएमसीएच रेफर कर दिया है. मौत की खबर मिलते ही नोखे लाल चौपाल के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. आसपास के लोग उनके परिजनों को ढांढस बंधाने में लगे हैं. मृतक की पहचान नगर पंचायत बिरौल क्षेत्र बलाठ गांव निवासी नोखे लाल चौपाल के रूप में हुई.

ओसामा की मोतिहारी कोर्ट में पेशी एक को

पटना । भूतपूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है. दिवंगत सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा पर सिवान जेल में प्रोटेक्शन वारंट पहुंच गया है. उन्हें मोतिहारी कोर्ट ने एक नवंबर को उपस्थित होने का आदेश दिया है. मोतिहारी के ज्ञानबाबू चौक स्थित रानीकोठी में फायरिंग और तोड़फोड़ मामले में मोतिहारी कोर्ट से प्रोटेक्शन वारंट निर्गत हुआ है. नगर थाना कांड के अनुसंधान कर्ता ने प्रोटेक्शन वारंट को सेंट्रल जेल के अधीक्षक को प्राप्त करा दिया है. प्रोटेक्शन वारंट को मोतिहारी जेल से सिवान कारा को उपलब्ध करा दिया गया है.

गया के मीठापुर गांव में दिवंगत प्रो. रामनरेश यादव की प्रतिमा का अनावरण के मौके पर बोले सहकारिता मंत्री

चाय बेचने वाले के प्लेटफॉर्म का पता नहीं, लालू दूध बेचते हैं, वह पता है

संवाददाता । गया

गया के गुरारू प्रखंड के मीठापुर गांव में दिवंगत प्रो. रामनरेश यादव के प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ सुरेंद्र प्रसाद यादव पहुंचे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि चाय बेचने वाला है उसका प्लेटफार्म का कोई पता नहीं है लेकिन हम दूध बेचते हैं और हमारा पता चिरैयातांड है. बिहार में सिर्फ दो ही लोग दूध बेचते हैं, एक हम और दूसरे लालू प्रसाद, जिसका पता है. उन्होंने कहा कि हमारी डॉक्टर से ज्यादा लड़ाई नहीं होती है. हमारी लड़ाई ज्यादातर अधिकारियों से होती है. आज भी कार्यक्रम में पहुंचे हैं तो दो ऑफिसर को गाली बक कर चले गए. विजयादशमी के दिन भी घर से ऑफिसर लोग के गाली दे ही रहे थे. क्योंकि, पैसा ऑफिसर ज्यादा मांग देता है अगर कम मांगे तो काम चल जाएगा. ज्यादा मांगता है तो मां और बहन के गाली हम नहीं देते हैं लेकिन जितना डिक्सनरी में गाली पढ़े हैं उतना तो जरूर देते है. उसके बाद बोलते है भेज रहे हैं आपके पास. इसके बाद फ्री में काम कर देता है.

सुरेंद्र यादव भी दूध बेचता है : मां बहन और बेटी दिवाली में घर को साफ करती है और जो पढ़ी लिखी बेटी होगी वह घर के दरवाजे पर स्वागतम लिखती है और जब कोई बड़ा आदमी पढ़ कर बड़ा जगह पर चला गया तो घर के बाहर लिखते है, खतरनाक कुत्तों से सावधान. दोनों के सोच में अंतर है.

10 साल की उम्र से ही हनुमान जी की पूजा कर भैंस को चारा खिलाते थे. सुरेंद्र यादव भी दूध बेचता है. मंत्री ने खुद मिल्क डेयरी के पैकेट वाला दूध को नकली दूध बताते हुए कहा कि वह लोहा का भैंस का दूध निकालता है. इसलिए हम लोहा का भैंस वाला दूध नहीं पीते है. कहा कि हम थोड़ा बैकवर्ड माइनेंड नेता हैं. इसलिए हम पर हमेशा केस होते रहता है. वैसे फॉरवर्ड जाति के लोग भी अगर मेरे पास आते है तो उनका भी काम कर देते हैं.

आओ जानें

बिहार की प्रमुख नदियां

गंगा : यह बिहार की प्रमुख नदी है, जो चौसा से राज्य में प्रवेश करती है और भोजपुर व सारण जिले की सीमा बनाती है.

सहायक नदियां : गंडक, बागमती, कोसी, काली, सोन, कर्मनाशा और पुनपुन, महात्मा गांधी सेतु उत्तर बिहार को शेष बिहार से जोड़ने के लिए बनाया गया था और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बनाया गया था.

घाघरा/सरयू : यह नेपाल के नम्पा से निकलती है और गोपालगंज से बिहार में प्रवेश करती है व छपरा में जाकर गंगा नदी में मिल जाती है. यह हिंदू और बौद्ध दोनों के लिए एक पवित्र नदी है.

गंडक : यह नेपाल के पास तिब्बत में धौलागिरी के उत्तर से निकलती है और नेपाल में त्रिवेणी शहर के पास भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करती है. यह दक्षिणी दिशा में बहती है और उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच एक सीमा बनाती है. यह बिहार के पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण और वैशाली जिले में होकर गुजरती है.

प्रश्न पत्र पर गरमाई सियासत, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बोले-

नीतीश की सरकार संस्कृत का इस्लामीकरण कर रही

संवाददाता । पटना

पटना में रोजगार मेले के मौके पर केंद्रीय मंत्री

बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड ने नवीं की परीक्षा में संस्कृत के प्रश्न पत्र में मुस्लिम धर्म से जुड़े त्योहार को लेकर प्रश्न पूछा है. अब इस प्रश्न पत्र को लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक्स पर नीतीश सरकार को आड़े हाथों लिया है. उन्होंने प्रश्नपत्र पत्र के फोटो को दिखाते हुए लिखा है कि 'बिहार में संस्कृत का भी इस्लामीकरण हो गया'. वहीं, इस मुद्दे को लेकर पूछे गए सवाल पर भड़कते हुए सिंह ने शनिवार को कहा कि हम पर आरोप लगाया जाता है कि सिंह हिंदू-मुस्लिम करते हैं. मैं हिंदू-मुस्लिम नहीं करता हूं, लेकिन जब तक हिंदुओं पर प्रहार होता रहेगा, हम विरोध करते रहेंगे. उन्होंने कहा कि संस्कृत में सवाल पूछने का क्या मतलब है? क्या संस्कृत का इस्लामीकरण हो रहा है. हमें किसी ने कहा है कि संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया है कि यह सिलेबस में है. मैं कहना चाहता हूं कि सिलेबस में है तो बिल्कुल गलत है. मदरसा में जो पढ़ाई होती है वहां संस्कृत के बारे में सनातन के बारे में सिलेबस में क्यों नहीं डाला जाता है? वहां सिलेबस में डालकर देखिए पता चल जाएगा. आगे उन्होंने कहा कि संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष कहेंगे कि बच्चों को उनके बारे में जानना जरूरी है. उन्होंने बिहार सरकार पर हमला करते हुए कहा कि तब तो नीतीश कुमार, लालू यादव इफ्तार पार्टी में जाते हैं तो वे सप्ताह में एक दिन नमाज में पढ़ने जाएंगे और बिहार वासियों को फरमान देंगे कि सभी लोग महीने में एक दिन नमाज भी करने जाएं क्योंकि उनके बारे में भी जानना जरूरी है. सभी हिंदुओं को एकजुट होना होगा क्योंकि हमारे धर्म का इस्लामीकरण हो रहा है.

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता आशीत नाथ तिवारी ने सिंह पर हमला बोलते हुए कहा कि वो 10 वर्षों से केंद्र में मंत्री बने हुए हैं, लेकिन वह 10 वर्षों में एक भी काम बता दें जो बिहार के लिए उन्होंने किया हो, जो व्यक्ति 10 वर्षों में बिहार के लिए एक काम नहीं कर सकता है वह हिंदू-मुस्लिम नहीं करेगा तो और क्या करेगा? भाषा का कोई धर्म से मतलब नहीं है. भोजपुरी भाषा बोली जाती है. हिंदू भी भोजपुरी बोलते हैं और मुस्लिम भोजपुरी बोलते हैं. मैथिली भाषा बोली जाती है. हिंदू भी मैथिली बोलते हैं और मुस्लिम ही मैथिली बोलते हैं. भाषा भौगोलिक स्थितियों से तय होती है. भाषा का धर्म से संबंध नहीं होता है, लेकिन यह पढ़ा लिखा व्यक्ति ही जानेगा, हिंदू-मुस्लिम करने वाला व्यक्ति कैसे यह बात जानेगा.

वहीं, राजद नेता भोला यादव ने कहा कि यह इस्लामीकरण का सवाल नहीं है. हम सिलेबस से अपने बच्चों को धर्म के बारे में जानकारी देते हैं. संस्कृत बोर्ड मध्यमा का परीक्षा लेता है उसमें संस्कृत पढ़ने वाले में ज्यादातर हिंदू के बच्चे होते हैं और हिंदू के बच्चों को दूसरे धर्म के बारे में जानना जरूरी होता है इसलिए संस्कृत बोर्ड इस्लाम धर्म के बारे में, ईसाई धर्म के बारे में, बौद्ध धर्म के बारे में सिलेबस में रखते हैं और उसी के अनुसार प्रश्न भी पूछे जाते हैं. इसमें सवाल पूछे गए है रमजान कैसे मनाया जाता है? नमाज की क्या प्रक्रिया है, इफ्तार में क्या किया जाता है? यह कोई गलत बात नहीं है. बच्चों को सभी धर्म के बारे में जानना जरूरी है. उन्होंने कहा हर साल अपेक्षा इस साल संस्कृत शिक्षा बोर्ड में मुस्लिम समुदाय से 1000 बच्चे उपस्थित हुए थे, जिसमें 800 इस्लाम धर्म को मानने वाले बच्चे पास हुए हैं. तो यह बड़ी बात है कि आज इस्लाम धर्म के बच्चे भी संस्कृत पढ़ रहे हैं.

बाइक सवार बदमाशों ने जदयू एमएलए की गाड़ी रोक दिखाई पिस्टल, दो धराए

संवाददाता । बिहारशरीफ

जिले के हिलसा विधानसभा क्षेत्र से जदयू विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया की गाड़ी को रोक कर दो बाइक सवार बदमाशों ने पिस्टल तान दी. यह पूरी घटना शुक्रवार की शाम की है. बताया जा रहा है कि विधायक अपने घर लौट रहे थे. इस दौरान बदमाशों ने ओवरटेक कर जदयू विधायक की गाड़ी को रोक दी. छह की संख्या में बदमाश थे. वहीं, बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 31 अक्टूबर को नालंदा दौरे पर हिलसा आएंगे, जहां पटेल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. इसको लेकर विधायक कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर वापस लौट रहे थे.

पीछा कर एक बदमाश को पकड़ लिया : जदयू विधायक

जदयू विधायक ने बताया कि शुक्रवार की शाम हिलसा के पटेल कॉलेज गए हुए थे. पटेल कॉलेज के वो सेक्रेट्री भी हैं. मुख्यमंत्री 31 तारीख को पटेल कॉलेज आ रहे हैं, इसी कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने संध्या में गया था. लौटने के क्रम में पटेल कॉलेज के पास मोड़ पर दो बाइक सवार छह की संख्या में बदमाशों ने गाड़ी को रोका और फिर गलीगलौज करने लगे. इसके बाद पिस्टल दिखाया, जब मेरा गार्ड नीचे उतरने की कोशिश की तो बाइक सवार बदमाश भागने लगे. मैंने उसका पीछा किया फिर त्रिलोक बिगहा गांव के पास से एक बदमाश को पकड़ लिया. बदमाश इतने बेखौफ थे कि हथियार लहराते हुए भाग रहे थे. मैंने हिलसा डीएसपी को फोन कर घटना की जानकारी दी फिर पुलिस एक्शन में आई थी.

इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है : डीएसपी

हिलसा डीएसपी सुमित कुमार ने फोन पर बताया कि इस मामले में विधायक के द्वारा एक आवेदन दिया गया है. मामला दर्ज कर जांच की जा रही है. फिलहाल इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है. डीएसपी ने बताया कि बदमाश शराब के नशे थे. मामला जो भी हो गहन तरीके से जांच चल रही है. जल्द ही और बदमाशों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी.

स्कूल से 37 हजार बच्चों के नाम काटे गए

बक्सर । सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के निर्णय से हड़कंप मचा हुआ है. सरकारी विद्यालयों में नामांकन करा कर गायब रहने वाले 20 लाख 87 हजार 63 छात्र-छात्राओं का नामांकन रद्द कर दिया गया है. इसमें बक्सर जिले के बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी कुल संख्या 37 हजार 532 है. इनमें से किसी को अगले साल मैट्रिक की परीक्षा देनी थी.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पिता की मौत, पुत्र घायल

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल-महुडर मुख्य पथ पर मधुरापुर पुरानी बथान के पास शनिवार को एक बाइक और ई-रिक्शा की सीधी टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत घटनास्थल पर हो गई. वहीं मृतक के साथ बाइक पर सवार रहे उनका 8 वर्षीय पुत्र भी घायल हो गया. जबकि ई रिक्शा पर सवार तीन अन्य लोग भी घायल हो गए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से नवादा जिले के कौआकोल पीएचसी में भर्ती कराया गया. जहां सभी का इलाज चल रहा है. मृतक की पहचान जमुई जिला के खैरा प्रखण्ड के सहायक थाना गरही के देवलाटांड़ गांव निवासी मोहम्मद करामत मियां का 38 वर्षीय पुत्र मोहम्मद सगीर अंसारी के रूप में हुई है.

कारोबार

ओबेरॉय रियल्टी का शुद्ध लाभ 43% बढ़ा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत बढ़कर 456.76 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा है कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 318.62 करोड़ रुपये रहा था. जुलाई-सितंबर तिमाही में ओबेरॉय रियल्टी की कुल आय बढ़कर 1,243.80 करोड़ रुपये हो गई जबकि साल भर पहले समान समय में यह 711.79 करोड़ थी. पिछले साल की समान तिमाही में यह 721.70 करोड़ रुपये था.

13 लोगों पर लगा 33 करोड़ का जुर्माना

नयी दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियामकीय मानकों का उल्लंघन करने पर शेयरप्रो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 13 लोगों पर कुल 33 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. बाजार नियामक सेबी ने इन लोगों पर एक लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया है. इनमें शेयरप्रो की उपाध्यक्ष इंदिरा करकेरा पर 15.08 करोड़ रुपये और कंपनी के प्रबंध निदेशक गोविंद राज राव पर 5.16 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. 1.41 करोड़ रुपये के लाभांश का दुरुपयोग किया गया था.

भारत-ब्रिटेन के मंत्रियों ने एफटीए पर वार्ता की

नयी दिल्ली । भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता की प्रगति की शनिवार को समीक्षा की. दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता अंतिम चरण में पहुंच गई है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश ने ओसाका में एफटीए पर जारी वार्ता की प्रगति की समीक्षा की. दोनों मंत्री जी-7 के व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए जापान के ओसाका में मौजूद हैं. गोयल ने कहा, भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत की प्रगति को लेकर चर्चा की.

ताइवानी कंपनी विस्ट्रॉन ने टाटा ग्रुप को अपनी भारतीय यूनिट बेचने की मंजूरी दे दी है

अब टाटा देश में ही बनाएगी आईफोन

एजेंसी । नई दिल्ली

आईफोन की मांग दुनियाभर में रही है. इसलिए जब भी इसका नया मॉडल बाजार में आता है तो लोग इसे लेने दौड़ पड़ते हैं. लोगों की मांग को देखते हुए अब इस क्षेत्र में टाटा ग्रुप भी उतर रही है. टाटा ग्रुप भारत का पहला आईफोन मैन्युफैक्चरर बनने के लिए पूरी तरह तैयार है. आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी विस्ट्रॉन के बोर्ड ने टाटा ग्रुप को अपनी भारतीय यूनिट बेचने की मंजूरी दी है. विस्ट्रॉन की यूनिट बेंगलुरु के पास है. विस्ट्रॉन ने एक बयान में कहा कि सौदे की कीमत लगभग 12.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है. इस मंजूरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ढाई साल के भीतर आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाएगी.

विस्ट्रॉन कॉर्प के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने शुक्रवार को बैठक की और अपनी सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड और विस्ट्रॉन हांगकांग लिमिटेड को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्रा. लिमिटेड (डब्ल्यूएमएमआई) में सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी. दोनों पक्षों के संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद यह सौदा आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेगा. बयान में कहा गया कि सौदा पूरा होने के बाद, विस्ट्रॉन आवश्यक घोषणाएं करेगी और शेयर बाजारों को जानकारी देगी.

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने टाटा टीम को विस्ट्रॉन का संचालन संभालने के लिए बधाई देते हुए कहा कि टाटा समूह अब भारत से घरेलू और ग्लोबल मार्केट के लिए आईफोन बनाना शुरू करेगा. चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारतीय कंपनियों के साथ भारत से ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने की दिशा में यह ऐपल के लिए बहुत अच्छा कदम है. उन्होंने कहा कि आईटी मंत्रालय पूरी तरह ग्लोबल लेवल की भारतीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के समर्थन में खड़ा है. बता दें कि टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए पिछले एक साल से बातचीत चल रही थी. विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है. वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं. विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है.

डील फाइनल

- ढाई साल में मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाएगी
- 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में हुई है डील

विस्ट्रॉन भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा : टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में ऐपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है. ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी. 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और ऐपल के लिए आईफोन का प्रॉडक्शन शुरू किया था. वहीं पिछले साल कैलिफोर्निया बेस्ड कंपनी ऐपल ने चीन और अमरीका के बीच विवाद के कारण अपने ग्लोबल प्रॉडक्शन का लगभग 25% भारत में शिफ्ट करने के प्लान की घोषणा की थी.

मुंबईः शनिवार को मुंबई में जीओ मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 के उद्घाटन समारोह में अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा भाग लेते.

एक्सिस बैंक ने मुनीश शारदा को कार्यकारी निदेशक बनाया

एजेंसी । नयी दिल्ली

एक्सिस बैंक ने मुनीश शारदा को पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक के पद पर पदोन्नत करने की घोषणा की है. यह नियुक्ति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से निजी बैंकों को एक निर्देश जारी करने के एक दिन बाद हुई है, जिसमें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके बोर्ड में कम से कम दो कार्यकारी निदेशक हों.

बैंक के बोर्ड ने 26 अक्टूबर, 2023 को हुई एक बैठक में शारदा को पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करने और उन्हें "कार्यकारी निदेशक" के रूप में नामित करने के निर्णय को मंजूरी दी. यह नियुक्ति 1 नवंबर, 2023 से या आरबीआई की मंजूरी पर, जो भी बाद में हो, प्रभावी होगी.

कार्यकाल प्रभावी तारीख से तीन साल के लिए होगा, जो बैंक के शेयरधारकों और आरबीआई के अनुमोदन के अधीन होगा. शारदा सुब्रत मोहंती के बाद बैंक के बोर्ड में दूसरे कार्यकारी निदेशक होंगे. शारदा (52) सितंबर 2021 से एक्सिस बैंक में ग्रुप एग्जीक्यूटिव और भारत बैंकिंग की प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं.

आंकड़ा 500 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल करनेवाले 1.6 करोड़ करदाताओं ने भुगतान किया

आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 34% बढ़ी

भाषा । नयी दिल्ली

आकलन वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ रुपये से अधिक का रिटर्न दाखिल करने वाली 441 इकाइयों की तुलना में यह संख्या लगभग 34 प्रतिशत बढ़ी है. आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 1.6 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन आकलन वर्ष 2020-21 के लिए रिटर्न दाखिल नहीं किया. इस दौरान करीब 6.7 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए. दूसरी ओर, लगभग 2.1 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन 2021-22 में रिटर्न दाखिल नहीं किया. आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है. आंकड़ों के अनुसार लगभग 1.6 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन आकलन वर्ष 2020-21 के लिए रिटर्न दाखिल नहीं किया. इस दौरान करीब 6.7 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए.

प्रत्यक्ष करों में आय और निगम कर शामिल हैं, जिसमें 554 में से 589 कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल कुल आय का रिटर्न दाखिल किया है. इससे पिछले वित्त वर्ष में ऐसी 413 कंपनियां थीं. इसके विपरीत, 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल आय दर्ज करने वाले व्यक्तियों की संख्या आकलन वर्ष 20-21 के 12 से घटकर आकलन वर्ष 2021-22 में सात हो गई. शेष 589 एचयूएफ, फर्म, व्यक्तियों के संघ और अन्य लोग थे. विभाग ने कहा कि ये आंकड़े 31 मार्च, 2023 तक ई-फाइलिंग रिटर्न से तैयार किए गए हैं.

कर विशेषज्ञों ने रिटर्न और आय में वृद्धि के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि, कंपनियों के बढ़ते मुनाफे, उच्च घरेलू आय और कर अधिकारियों द्वारा बड़े आंकड़ों और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग को जिम्मेदार ठहराया है. 'तकनीकी उपयोग से प्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि को बढ़ावा मिलता है' इसके दो या तीन प्रमुख कारण हैं. एक यह है कि कॉर्पोरेट मुनाफा मजबूत रहा है और वे पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं. ध्रुव एडवाइजर्स के मुख्य कार्याधिकारी दिनेश कनबार ने कहा, '10 लाख रुपये की आय वाले परिवारों की संख्या में भी वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अधिक औपचारिक होने के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह भी बढ़ा है और कर विभाग बड़े आंकड़ों सहित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहा है. हर लेनदेन पर कर लगाया जाता है और अब विदेश यात्रा के लिए भी स्रोत पर कर संग्रह होता है.

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के पूर्व चेयरमैन आर प्रसाद ने इस सुधार का श्रेय कंपनियों के मुनाफे को दिया. उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में स्रोत पर कर कटौती का हिस्सा लगभग 45 प्रतिशत है. कर विभाग ने प्राप्तियों को बढ़ावा देने और खामियों को दूर करने के लिए कई उपाय किए हैं. जीएसटी डेटा के इस्तेमाल से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी नंबरों का मिलान करने में मदद मिली है.

नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न में 2013-14 और 2021-22 के बीच 90% की वृद्धि हुई है. आंकड़ों से पता चलता है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल रिटर्न आकलन वर्ष 2013-14 के 3.4 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में 6.4 करोड़ हो गया. चालू वित्त वर्ष के दौरान भी आकलन वर्ष 2023-24 के लिए अब तक 7.4 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं.

बीपीसीएल ने वर्ष तिमाही में 8,243 करोड़ कमाया

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी बीपीसीएल ने विपणन पर मार्जिन बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घाटे से उबरकर 8,243.55 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है. भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने एक बयान में कहा कि जुलाई-सितंबर, 2023 की अवधि में वह फिर से लाभ की स्थिति में आ गई है जबकि एक साल पहले इसी अवधि में उसे 338.49 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था.

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न होने से बीपीसीएल को अपना विपणन मार्जिन सुधारने में मदद मिली. इससे कंपनी फिर से लाभ की स्थिति में पहुंच गई. चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रिफाइनिंग और विपणन कारोबार से कंपनी की कर-पूर्व आय 11,283.29 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसे 123.17 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. आलोच्य अवधि में तेल की कीमतें नरम होने से जुलाई-सितंबर में बीपीसीएल का राजस्व पिछले साल के 1.28 लाख करोड़ रुपये से गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपये रह गया.

बीपीसीएल के मुताबिक, अप्रैल-सितंबर की अवधि में उसने रिकॉर्ड 18,887.85 करोड़ रुपये की कमाई की है. इस दौरान कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर उसने 15.42 डॉलर प्रति बैरल कमाए.

“ हम जितना ज्यादा बाहर जाएं और दूसरों का भला करें, हमारा हृदय उतना ही शुद्ध होगा और परमात्मा उसमें वास करेंगे. आपको अंदर से बाहर की ओर विकसित होना है. कोई आपको पढ़ा नहीं सकता, कोई आपको आध्यात्मिक नहीं बना सकता, आपकी आत्मा के अतिरिक्त कोई और गुरु नहीं है. – स्वामी विवेकानंद ”

नफरत भी सहे, जुल्म सहे, क्या नहीं सहे

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

यदि कोई रास्ते से जा रहा हो. अचानक उसका चित्त चंचल हो जाये. वह रास्ता ठीक से नहीं देख पाये और ठोकर खाकर औंधे मुंह गिर जाये तो गलती किसकी है? उस आदमी की, जो गिर गया? या उस ठोकर की, जो रास्ते में पड़ा हुआ था. प्रसिद्ध कहावत है कि गलती इंसान से ही हो जाती है. जो राह में चल पड़ता है तो उसे ठोकर लग सकती है. यह गलत नहीं है. गलत तो तब होता है, जब हो चुकी गलती को आदमी मानने के लिए भी तैयार नहीं होता. उसे गुस्सा अपने आप पर नहीं आता, बल्कि ठोकर पर ही आता है. गलत तब होता है, जब आदमी खुद को निर्दोष साबित करने में ऐंड़ी से चोटी तक का जोर लगा देता है. इंसान से गलतियां इसलिए होती हैं कि वह समय रहते उससे सबक ले और संभल कर अपने कदम आगे बढ़ाये. वरना समय ऐसा भी आ सकता है कि पांव ठोकर से टकराने के बजाय किसी गहरे कुएं में फिसल जाये और जीवन का अंत ही हो जाये. लोग मदिरा आदि नशीले पदार्थ का सेवन करते हैं तो वह गलत ही नहीं, आत्मघाती भी है, लेकिन उससे बड़ा जघन्य पाप तब होता है, जब गम या कुंठा का बहाना बना कर नशापान के औचित्य को प्रमाणित करने में पूरी ताकत लगा बैठता है. कितना बड़ा भ्रम है कि एक व्यक्ति मद्यपान को दुःख दूर करने की दवा मान बैठता है.फिर अगर नफरत, जुल्म आदि सहने पर मजबूर होना पड़ जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी. तो क्या बहाने बना कर नशापान करना किसी मानसिक दुर्बलता का संकेत नहीं है? नशा सेवन करने से शरीर और मस्तिष्क को तो हानि पहुंचती है, मान-सम्मान की भी ऐसी की तैसी हो जाती है. यदि आप अपने आत्मबल को पहचान लें तो अंधेरे में भी आपको सुकून मिल सकता है. इसी प्रकार अंधेरे में सुकून ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं बिरसा नगर जमशेदपुर के कवि **शिवनंदन सिंह**. इनकी कविता का शीर्षक है-अंधेरों में भी सुकून मिलता.

लहरों का क्या भरोसा,
वो तो आती जाती है.
जिस रेत पर पांव मगर,
वही हमें संभालती है.
चांदनी रात की शीतलता,
कब तक साथ निभायेगी.
फिर संग सूरज भी तो,
ये जीवन चक्र नचायेगी.
मदिरापान से गम को कोई,
कब तक मन बहलाओगे.
टूटे दिल को सुकून न उससे,
क्या सदा सुखी रह पाओगे.
निभा जाते हैं साथ पराये,
अपने भी पराये हो जाते हैं.
अंधेरों में भी सुकून मिलता,
पर दर्द उजाले दे जाते हैं.

बात बस इतनी है कि कोई गलती हो तो उससे सबक लीजिए, किसी और पर दोषारोपण मत कीजिए. वरना ऐसा समय आएगा, जब आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं लेंगे. इन पंक्तियों के रचयिता शिवनंदन सिंह वरिष्ठ कवि हैं और साहित्य समाज में इनकी अच्छी प्रतिष्ठा है. ये छंदोबद्ध कविताओं की रचना करते हैं और गजल लिखने में भी इन्हें महारत हासिल है. आइए, इनकी इस गजल का रसास्वादन करते हैं.

आंसू न रुके आंखों में बहते चले गये,
गम सारे जमाने का सहते चले गये.
दिल में ही सिमट गई जो ख्वाब है थी हसीन,
वो मुझको बेवफा ही कहते चले गये.
आंखों से ढ़लते अश्क ने कह दी थी कहानी,
दहलीज पर वे दिल की रहते चले गये.
नफरत भी सहे, जुल्म सहे क्या नहीं सहे,
बांह फिर भी प्यार के गहते चले गये.

जिये जा रहा हूं मैं

दाल-रोटी दी तो दाल-रोटी
खा के सो गया मैं
आंसू दिये तूने आंसू
पिए जा रहा हूं मैं।
दुख दिए तूने मैंने
कभी न शिकायत की
जब सुख दिए सुख
लिए जा रहा हूं मैं।।
पतित हूं मैं तो तू भी
तो पतित पावन है
जो तू कराता है वही
किए जा रहा हूं मैं।
मृत्यु का बुलावा जब
भेजेगा तो आ जाऊंगा
तूने कहा जिये जा,
तो जिये जा रहा हूं मैं।

-ओम प्रकाश ‘आदित्य’

शाख जब भी काटे गये थे इस दरख़्त के,
उतने ही जोरदार वो फलते चले गये.

जहां तक सुकून की बात है तो यह तभी संभव है, जब यह विश्वास हो जाये कि कोई उसकी रक्षा को तत्पर है. ऐसा विश्वास दिलाने में वे ही सक्षम हैं, जो सीमा पर दिनरात जागकर, हजारों कष्ट झेल कर, अपने प्राणों की बाजी लगाकर हमारी रक्षा में तैनात रहते हैं. वे ही हमारे त्राता है, वंदनीय भी. उनके सम्मान में रांची की विदुषी कवयित्री **डॉ. मंजू सिन्हा** हमें नतमस्तक होने की प्रेरणा दे रही हैं. उन सैनिकों के प्रति अपनी भावना इस कविता में व्यक्त कर रही हैं, जिसका शीर्षक है-तुम वंदनीय हो.

सीमा के सजग प्रहरी
तुम वंदनीय सर्वदा
पूजता है देश सारा
तेरी ही महत कीर्ति
तेरी वीरता की सुगंधी से
मलयानिल भी हुआ सुवासित
दंभ भरते हम देशवासी
नित्य सांसों में बसाकर.
अडिग हिमालय-सा तुम वंदनीय
शिखरों की ऊंचाई भी तुम
देशवासियों के मन में बसे तुम
भारत मां के भाल तिलक तुम
करता अभिवादन सदा तुम्हारी
सागर की लहरें उठ-उठ
भारत मां के भाल तिलक तुम
करता अभिवादन सदा तुम्हारी
सागर की लहरें उठ-उठ
भारत मां के वीर सपूतो
शत बार नमन, शत बार नमन.

शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र श्रद्धालुओं की भक्ति का अपनी शक्ति प्रदान कर चला गया, लेकिन अभी भी कानों में भगवती दुर्गा और राम की उपासना के मंत्र कानों में गूंज रहे हैं. सच तो यह है कि नवरात्र तो उपासना का प्रतीक मात्र है. भारत की धरती पर राम, कृष्ण, हनुमान, दुर्गा के मंत्र तो सालों भर गूंजते रहते हैं और गूंजते रहेंगे, लेकिन जब नवरात्र आ जाता है तो कवियों का हृदय भी श्रद्धा और भक्ति से लबालब हो जाता है. कविता-कलम के पिछले दो अध्यायों में ऐसी ही रचनाओं को प्रस्तुत करने का सुअवसर मुझे प्राप्त हुआ. उन्हीं रचनाओं में यह रचना भी शामिल है, जिसकी रचयिता हैं रांची की प्रसिद्ध कवयित्री **रेणु त्रिवेदी मिश्रा**. रेणु जी गजल लिखने में सिद्धहस्त हैं, लेकिन इनकी भक्ति की रचनाएं भी अद्भुत होती हैं. जहां तक इनकी रचनाओं के अनुशीलन से मैं समझ पाया हूं ये हिंदी साहित्य के किसी भी रस की बहुत ही सुंदर और हृदयग्राही काव्य रचना में सक्षम हैं. नवरात्र के भक्तिपूर्ण वातावरण में रचित रेणु जी की यह रचना आपकी सेवा में इस प्रकार प्रस्तुत करता हूं, इस विश्वास के साथ कि आपको बहुत पसंद आएगी.

लाल चुनरी से सजी, जगदंबा घर पर आ गईं.
भक्तिमय घर हो गया, हर ओर खुशियां छा गईं..
पर्वतों पर वास माँ का, सिंह उनकी सवारी है
उनकी इक हुंकार भी, हर शत्रु पर ही भारी है.
देवता भी पूजते, इंसानों की क्या बात है.
भक्तिमय जग हो उठा, नवरातों वाली रात है.
सज गए मंदिर, सजी पूजा की जगमग थाली है.
भक्ति का संगीत है और हर तरफ खुशहाली है.
रूप अद्भुत माँ तेरा, हम वंदना करते रहें.
भाव-भर, मूंदें नयन, हम अर्चना करते रहें.

मां की वंदना और अर्चना कभी निष्फल नहीं होती. यदि असंभव नहीं हो तो आप भी मां की वंदना और अर्चना कर देख लीजिए. निराशाओं की बादल छंट जाएंगे, सारे संकट कट जाएंगे. आत्मा, मन, प्राण, शरीर में नयी शक्ति का संचार हो जाएगा. आप कुछ ऐसा करेंगे कि आपके लिए सुखमय संसार हो जाएगा. इन्हीं शब्दों के साथ अगले सप्ताह तक के लिए चाहूंगा आज्ञा. जय हिंद! जय झारखंड!!

श्रद्धालुओं को आकर्षित करता कांगड़ा का चामुंडा मंदिर

यायावर की डायरी
डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

रूपी सिराज कला मंच, कुल्लू के तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश कला संस्कृति एवं भाषा अकादमी द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय लोक साहित्य और पर्यावरण विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में गत वर्ष अक्टूबर के अंतिम दिनों में देवभूमि हिमाचल प्रदेश को देखने सुनने का पहला अवसर प्राप्त हुआ. इसी यात्रा के क्रम में मुझे चामुंडा देवी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ. चामुण्डा देवी का कांगड़ा हिमाचल प्रदेश राज्य के कांगड़ा में स्थित है. चामुण्डा देवी मंदिर शक्ति के 51 शक्ति पीठों में से एक है. यहां सती माता के चरण गिरे थे. यहां पर आकर श्रद्धालु अपनी भावना के पुष्प मां चामुण्डा देवी के चरणों में अर्पित करते हैं. मान्यता है कि यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. देश के कोने-कोने से भक्त यहां पर आकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. चामुण्डा देवी का मंदिर समुद्र तल से 1000 मी. की ऊंचाई पर स्थित है. यह धर्मशाला से 15 कि॰मी॰ की दूरी पर है. यहां प्रकृति ने अपनी सुंदरता भरपूर मात्रा में प्रदान की है. चामुण्डा देवी मंदिर बंकर नदी के किनारे पर बसा हुआ है. पर्यटकों के लिए यह एक पिकनिक स्पॉट भी है. यहां का प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को अपनी और आकर्षित करता है. चामुण्डा देवी मंदिर मुख्यतः माता काली को समर्पित है. माता काली शक्ति और संहार की देवी हैं. जब-जब धरती पर कोई संकट आया है, तब-तब माता ने दानवों का संहार किया है. असुर चण्ड-मुण्ड के संहार के कारण माता का नाम चामुण्डा पड़ गया. माता का नाम चामुण्डा पडने के पीछे एक कथा प्रचलित है. दुर्गा सप्तशती में माता के नाम की उत्पत्ति कथा वर्णित है. हजारों वर्ष पूर्व धरती पर शुम्भ और निशुम्भ नामक दो दैत्यो का राज था. उनके द्वारा धरती व स्वर्ग पर काफी अत्याचार किया गया. जिसके फलस्वरूप देवताओं एवं मनुष्यों ने देवी दुर्गा की आराधना की और देवी दुर्गा ने उन सभी को वरदान दिया कि वे अवश्य ही इन दोनों दैत्यों से उनकी रक्षा करेंगी. इसके पश्चात् देवी दुर्गा ने कोशिकी नाम से अवतार ग्रहण किया. माता कोशिकी को शुम्भ और निशुम्भ के दूतों ने देख लिया और उसकी सुंदरता का वर्णन अपने महाराज शुंभ और निशुंभ के पास किया. तब शुम्भ और निशुम्भ ने विवाह के प्रस्ताव के साथ अपना एक दूत देवी कोशिकी के पास भेजा. माता ने कहा कि जो मुझे युद्ध में पराजित कर देगा, वही मेरा पति होगा. यह बात सुनकर शुंभ निशुंभ ने केश पकड़ उसे लाने के आदेश के साथ चण्ड और मुण्ड नामक दो असुरो को भेजा. चण्ड और मुण्ड देवी कोशिकी के पास गये और उसे अपने साथ चलने के लिए कहा. देवी के मना करने पर उन्होंने देवी पर प्रहार किया. तब देवी ने अपना काली रूप धारण कर लिया और असुरो को यमलोक पहुंचा दिया. उन दोनों असुरों को मारने के कारण माता का नाम चामुण्डा पड गया.

पूजा-अर्चना बनाम आचार-विचार

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

भारत के अधिकांश धार्मिक त्योहार लोगों को एक सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं. आपने अभी हाल में देखा कि लगभग सम्पूर्ण भारत नवरात्र और विजयादशमी के त्योहार में कितनी आस्था और समर्पण के साथ व्यस्त था. एक बड़ी आबादी नवो दिन मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा करती रही. अष्टमी और नवमी को कुमारियों को भगवती दुर्गा का प्रतिरूप मानकर भोजन कराया जाता है, श्रृंगार किया जाता है, विभिन्न वस्तु भेंट दी जाती है और चरण स्पर्श कर व्रती द्वारा आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है. बहुत सारे व्रतियों ने अन्न छोड़कर सिर्फ फलाहार के सहारे नौ दिन गुजारे. सामिष लोगों ने भी स्वेच्छा से मांसाहार त्याग दिया. मछली और मांस की दुकानों में कोई भीड़ नहीं दिख रही थी. शीघ्र ही काली पूजा का त्योहार आएगा. सारे लोग मां काली की श्रद्धापूर्वक अर्चना-पूजा करेंगे. मां काली के रौद्र रूप की मूर्ति बना विशद पूजा-अर्चना की जाती है. और दीपावली के छठे दिन होता है सबसे कठिन व्रतियों का समय. छठ माई की भगवान सूर्यदेव की मां के रूप में पूजा-अर्चना की जाती है. सूर्यदेव के माध्यम से ही उनकी मां की यह पूजा-अर्चना होती है. इसकी अलग-अलग पौराणिक कथाएं हैं. पर एक बात निश्चित है कि शायद ही किसी अन्य पूजा में इतनी सफाई और शुचिता का ध्यान रखा जाता है. इतनी सफाई, श्रद्धा, शुचिता, व्यवहार प्रायः किसी अन्य त्योहार-उत्सव-पूजा में नहीं होता होगा. छठ के लिए प्रसिद्ध सोनपुर और पटना में सारे खुराफाती युवक निर्लिप्त भाव से स्वयंसेवक की भूमिका में होते हैं. कहीं कोई गंदगी नहीं, अपराध नहीं, घोर शांति और सन्नाटा. कारण छठ माई का भय! हम सबों ने देखा है कि नवरात्रि से लेकर छठ की समाप्ति तक बालिकाओं, महिलाओं, स्त्रियों को पूज्य माना जाता है, सम्मान दिया जाता है, पूजा अर्चना की जाती है. पर उसके बाद? पूरे भारत में अगर विभिन्न भाषा के अखबारों का विश्लेषण किया जाये तो मिलेगा की लगातार महिलाओं का अपमान, तिरस्कार, शोषण, उत्पीड़न जारी रहता है. कभी कभी तो ऐसा लगता है जैसे गरुड़ पुराण में वर्णित सारे महिला विरोधी अपराध होकर ही रहेंगे! हम सबों के लिए विचार और चिंता का विषय है कि इस आश्विन-कार्तिक में बच्ची-स्त्री को देवी मानने वाले कैसे महिलाओं के शोषक, हंता और पीडक बन जाते हैं? कैसे इतनी ज्यादा छेड़छाड़ या यौन अपराध की घटनाएं सामने आती हैं. क्या हमारे समाज का यही चरित्र है? क्या ये दोहरा चरित्र ही भारतीयों की पहचान होगी? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारे समाज में बाल्यावस्था से ही बालकों, लड़कों और युवकों को महिलाओं को सम्मान, आदर और बराबरी से देखने का नज़रिया विकसित नहीं कर पाते? कभी घर के जूठे बर्तनों को घर के किसी चौदह साल के लड़के को साफ करते देखा है? नहीं न! प्रायः इस उम्र की सभी लड़कियों को बर्तन साफ करते, मां को खाना बनाने में सहयोग करते देखा होगा! ज़रा सोचिएगा कि हमारी पूजा अर्चना में और आचार विचार में कहीं विरोधाभास तो नहीं है? हमारा व्यवहार और विचार बहुत विरोधाभासी प्रतीत होता है.

बुराई का अंत और हाय हंत

नश्तर
सुधीर राघव

हर बार की तरह जब इस दशहरे पर भी रावण मार कर फूंक दिया गया, लोगों ने चैन की सांस ली. दूध-जलेबी खाई. पटाखे फोड़े. जयश्रीराम के नारे लगाए. बच्चों ने जिद्द कर उसी दशहरा ग्राउंड से तीर-कमान खरीदे. उनके बाल सुलभ आत्मविश्वास से इतना भरोसा भी झलक रहा था कि जब तक उनके हाथ में धनुष वाण है, तब तक उनके मोहल्ले में तो कोई रावण पैदा नहीं हो सकता.

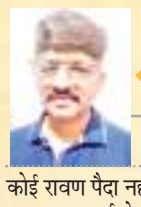

इस तरह बुराई के विचार का अंत जब सुनिश्चित माना जा रहा था, तब बहुत से लोगों को रावण में विद्धान नजर आने लगा. रावण की मृत्युकथा के मंचन ने उनका मन विचलित कर दिया. इतना ज्यादा विचलित कर दिया कि उनकी आहों और कराहों से सोशल मीडिया दशहरे के दिन खून के आंसू रोया.

इनके बच्चे भी मेले में तीर कमान मांगने पर डांट खा गए.

उन्होंने अपने बच्चों को प्लास्टिक के लाइटसेबर दिलवाये. रंग-बिरंगी रोशनी वाली प्लास्टिक की अमेरिकी तलवारें. इस उम्मीद के साथ कि बच्चे राम की जगह अगर जेडाई बनेंगे तो साम्राज्य भी सुरक्षित रहेगा और रावण भी. जेडाई बनकर बच्चे स्टार वॉर्स की तैयारी करेंगे और परग्रहियों से उलझे रहेंगे. तब रावण मुहल्लों में खुशी से सीटियां बजाएगा. इससे इनके मन को सकून मिलेगा.

क्योंकि जब बाहर का रावण मरता है तो अंदर के रावण को भी दुख होता है, भाई मरना तो वह भी नहीं चाहता.

सपना की तूलिका से प्रकृति की उपासना

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

प्रकृति की शोभा के अनुकरण का नाम कला है. प्रकृति स्वाभाविक और अनियमित है. कला एक विद्या है, जो नियमबद्ध होती है और कृत्रिम भी. प्रकृति मनुष्यकृत सारे नियमों का उल्लंघन कर अपनी निरंकुश शोभा में विलास करती है और उन सभी अल्प सीमाओं के बन्धनों का उपहास करती हैं, जिनसे मनुष्य उसे अपनी धृष्टता के कारण बांधना चाहता है. प्रकृति की जीती-जागती इन्हीं गतिविधियों को कागज या अन्य पदार्थ पर नकल कर लेने की चेष्टा करती है कला. जिस प्रकार मानव हृदय में आकाश तथा अरण्य-गान से भाव उत्पन्न होते हैं, वैसे ही जीते-जागते भाव को कला अपनी चेष्टाओं से जागृत करना चाहती है. वह इस चित्रण को कैनवास पर इतना सुंदर ढंग से प्रस्तुत करती है, जो चित्ताकर्षक, आनंदप्रद, दिव्यभाव-वर्द्धक और उत्साहद्योतक होते हैं.

प्रकृतिवादी कला की आवश्यक विशेषता वास्तविकता को यथा संभव सटीक, अलंकृत और वास्तविक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास है. इसमें विशेष रूप से सामाजिक और मानवीय दुखों का चित्रण भी शामिल है. प्राकृतिक चित्रकला का एक विशिष्ट रूप निम्न सामाजिक वर्गो जीवन के रोजमर्रा के दृश्य हैं. हालांकि, पूरी तरह से अवास्तविक रूपाकनों को भी प्राकृतिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, अनुपात, रंग और दृष्टिकोण को प्रकृति के लिए सही दर्शाया गया है.

एक चित्रकार प्रकृति का प्रेमी और सुंदरता का उपासक होता है. तभी तो रांची की चर्चित कलाकार सपना दास प्रकृति के चित्रण में लीन रहती हैं. ये अपने आसपास के वातावण को जिस तरह से महसूस करती हैं, उसे वैसे ही अपनी कला के माध्यम से कैनवास पर साकार करती रहती हैं. सपना दास अपनी कला के माध्यम से प्रकृति के महत्त्व को दिखाना चाहती हैं. वहां किसी से कोई भेद-भाव नहीं होता. उसके लिए मनुष्य ही नहीं, सृष्टि के सभी जीव बराबर हैं. फिर न जाने क्यों हम उसे नष्ट कर देने पर आमादा हैं. एक कलाकार होने के नाते अपनी कृतियों में इन्हीं भावनाओं, मनः स्थितियों और अपने अंतर्द्वन्द्वों को व्यक्त करती हैं. कैनवास पर प्रकृति की आभा को उतारने वाले रंग इनके कार्य में मददगार होते हैं. कैनवास पर प्रकृति के अनेक रूपों को रचते हुए कलाकार को लगता है कि दुनिया को अगर बने रहना है तो उसे अपने सुखों के लिए प्रकृति की दुनिया को बिगाड़ना नहीं, संवारना ही होगा. इनकी कला यात्रा का लक्ष्य इसी संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है और इस कार्य के लिए इन्होंने कला को चुना है. इनके कार्य को इस भाव के साथ ही देखा जाना चाहिये. यूं तो पेंटिंग में इनकी रुचि बचपन से थी, लेकिन कॉलेज के दिनों में कला की ओर इनका रूझान बढ़ा. इन्होंने किसी कला महाविद्यालय से कला का प्रशिक्षण नहीं लिया है, लेकिन रांची में ही रह कर इन्हें वरिष्ठ कलाकार यूसी झा और ज्ञान मिस्त्री से कला की बारीकी को समझने का पर्याप्त अवसर मिला. इन्होंने कला कर्म को बहुत ही मेहनत से संभाला और ऐसे कलाकारों में शामिल हो गईं, जिनकी कला की चर्चा झारखंड में हो रही है. अपने संयोजन में विपरीत रंगों को भी पास-पास रख कर उनकी दोस्ती से खूबसूरती लाने की कोशिश रहती है. इनकी हर कलाकृति यह साबित करती है कि संतुलन को ये काफी महत्व देती हैं.

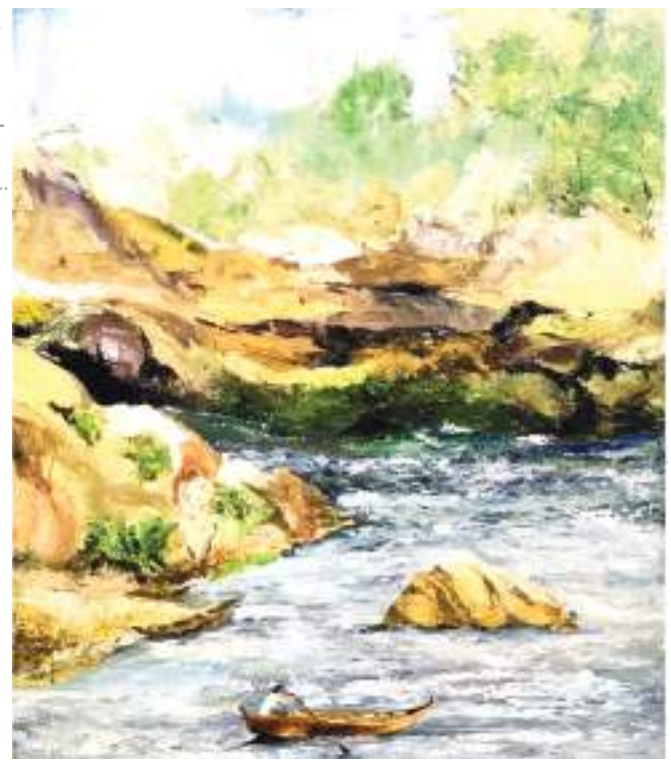

आखर

इसी त्यौहारी मौसम में मिलेगी साहित्य अकादमी के गठन की शुभ सूचना!

नीरज नीर

प्रकृति सर्जक भी है, प्रकृति संहारक भी. जीवन में सृजन जितना महत्वपूर्ण है, अन्याय, अनीति, असत्य के विरुद्ध संघर्ष और संहार भी उतना ही महत्वपूर्ण है. जब तक अन्याय, अनीति और असत्य के विरुद्ध संघर्ष नहीं होगा, सृजन के लिए उपयुक्त पृष्ठभूमि तैयार हो ही नहीं सकती है. इसलिए सृष्टि में सरस्वती और लक्ष्मी का जितना महत्व है, उतना ही दुर्गा का भी है. दुर्गा पूजा आने की धमक प्रकृति में बदलाव के साथ ही दिखाई पड़ने लग जाती है. मौसम में हल्की ठंड अनुभव होने लगती है. नदी कछारों का रंग कास फूलाने से दुधिया होने लगता है. प्रकृति के इस बदलाव से और त्यौहारी मौसम से साहित्यकार भी अछूते नहीं रहते. इसलिए तो अक्टूबर में शक्ति की स्तुति और अराधना मुख्य स्वर बनकर उभरता है.

महालया पर कवि सम्मेलन

दिनांक 14 अक्टूबर को महालया के शुभ अवसर पर संस्कार भारती रांची इकाई द्वारा वाईबीएन स्कूल, धुर्वा में कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया. सुरिन्दर कौर नीलम व रजनी शर्मा चंदा के संयोजन में कई कवि-कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में काव्य प्रेमी श्रोता भी उपस्थित रहे.

महिला काव्य मंच का वार्षिकोत्सव

रांची में महिला काव्य मंच का छठा वार्षिकोत्सव हिनू स्थित जेड स्क्वायर में मनाया गया. मुख्य अतिथि के रूप में रांची उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय दीपक रोशन की उपस्थिति रही. कार्यक्रम का संयोजन महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण ने किया. इस अवसर पर संस्था के विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. सभी ने इस अवसर पर कविताओं का पाठ किया.

सम्मानित किए गए प्रदीप बिहारी

अक्टूबर महीने में छह तारीख को रांची के अशोक नगर क्लब में विश्वंभर फाउंडेशन के सौजन्य से मैथिली साहित्यकार प्रदीप बिहारी को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान समालोचक डॉ नरेंद्र झा ने प्रदीप बिहारी के विस्तृत साहित्य पर अपने विचार व्यक्त किए. सम्मान समाहीह को संबोधित करते हुए उड़िया लेखिका व अनुवादिका संघमित्रा ने भाषांतरण पर अपने विचार प्रस्तुत किए. कार्यक्रम के दौरान विश्वंभर फाउंडेशन के सचिव नवीन कुमार झा ने प्रदीप बिहारी और संघमित्रा को मैथिली परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया. कार्यक्रम में सियाराम झा सरस, प्रमोद कुमार झा, अमरनाथ झा, मोहन झा पड़ोसी आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

"मृत्युलीला" के अनुवाद का लोकार्पण

सात अक्टूबर को हरमू के विद्यापति दालान के प्रांगण में मैथिली साहित्यकार प्रदीप बिहारी के मैथिली उपन्यास "मृत्युलीला" के ओड़िया अनुवाद का लोकार्पण किया गया. इस मौके पर मूल लेखक साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त प्रदीप बिहारी , ओड़िया अनुवादक संघमित्रा रायगुरु, प्रो नरेंद्र झा, विनय झा, प्रमोद कुमार झा, डॉ कृष्णमोहन झा, सियाराम झा सरस, नवीन झा, ब्रज कुमार झा, अनिता रश्मि, सारिका भूषण, रश्मि शर्मा आदि मौजूद रहे.

अकादमी की नियमावली पर हुई चर्चा

झारखंड राज्य में साहित्य अकादमी की स्थापना प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में चार अक्टूबर को झारखंड सरकार के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय के द्वारा झारखंड राज्य के साहित्य अकादमी की प्रस्तावित नियमावली के प्रारूप पर चर्चा करने के लिए बैठक आहूत की गई. बैठक में विभिन्न जनजातीय भाषाओं सहित स्थानीय भाषाओं व हिंदी के प्रतिनिधि शरीक हुए. झारखंड साहित्य अकादमी संघर्ष समिति की ओर से समिति के अध्यक्ष शिरोमणि राम महतो एवं महासचिव नीरज नीर ने नियमावली के विषय में विस्तार से अपनी बात रखी एवं कुछ सुझाव भी दिए. उन्होंने अकादमी के सदस्यों के चुनाव में सरकारी हस्तक्षेप एवं पैरवी पहुंच वाले लोगों के चुने जाने के संदर्भ में अपनी चिंता से निदेशालय के अधिकारियों को अवगत कराया. समिति की ओर से अनिल किशोर सहाय, वासु बिहारी, कृष्णा गोप और गुलांचो कुमारी भी उपस्थित रहे. आशा की जानी चाहिए कि इसी त्यौहारी मौसम में साहित्य अकादमी के गठन की शुभ सूचना झारखंड के साहित्यकारों को मिलेगी.

धनबाद में काव्य गोष्ठी

एक अक्टूबर को धनबाद में हिंदुस्तान साहित्यिक पटल की ओर से छंद विशेषज्ञ डॉ रामनाथ साहू ननकी के स्वागत में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से आए रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी.
धनबाद में ही आठ अक्टूबर को काव्य कॉर्नर फाउंडेशन के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में अनेक रचनाकार सम्मिलित हुए एवं कविताओं के विविध कलेवरों ने दर्शकों को हर्ष व उल्लास से भर दिया.
धनबाद में ही सात अक्टूबर को इंडिगो क्लब धनबाद की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन रेलवे ऑडिटोरियम में किया गया. इस अवसर पर साहित्यकार अनिल अनलहातू को सम्मानित भी किया गया.

जमशेदपुर में लोकार्पण, कथामंजरी

जमशेदपुर में 15 अक्टूबर को साहित्य समिति तुलसी भवन द्वारा वयोवृद्ध साहित्यकारमंजदेव देवेंद्र कुमार व्यथित के सम्मान में प्रकल्पित एवं दिव्येंदु त्रिपाठी के द्वारा संपादित साझा काव्य संग्रह " मौन हृदय का खोलेंगे" का लोकापर्ण किया गया. उपरोक्त संस्था के द्वारा ही एक अक्टूबर को 'कथा मंजरी' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न विषयों की 14 कहानियों का पाठ किया गया.

परसाई : एक ईमानदार व्यंग्यकार

दिलीप तेतरवे

ईमानदारी एक ऐसी दुर्लभ चीज है जो कभी-कभी ही समाचार बनती है. हरिशंकर परसाई की यह उक्ति सर्वप्रथम उनकी ईमानदार कलम के कारण उन पर ही चरित्रार्थ दिखती है. जब-जब भ्रष्टाचार साम्प्रदायिक और जातिवादी राजनीति का सांप फन फैलाकर फुंकारेगा परसाई उसके फन को कुचलेंगे, अपने व्यग्य निबंधों से परसाई कभी पुराना नहीं होंगे.
परसाई के व्यंग्य निबंधों में व्यंग्य किरणों का जाल है, जिसमें राजनीति के माध्यम से समाज में विकृति पैदा करने वालों की ऊंची मीनार पर चढे दिमाग को फंसाया गया है- उसे चेताया गया है. उनके व्यंग्य व्यंग्य के लक्ष्यों को अपने आगोश में लेकर उसे अपने व्यंग्यवाणों से छेदकर उनकी मोटी चमड़ी को उधेड़ा गया है. मुखौटा उतार व्यंग्य लिखते रहे परसाई जीवन भर परसाई कभी सत्तामुखी नहीं हुए.
हरिशंकर परसाई ने अपने व्यंग्य में वैसे ही विषय चुने जिन पर लिखे जाने की निरंतर आवश्यकता हर काल के साहित्यकारों, नाटककारों और कवियों में अनुभव किया है- वे विषय हैं राजनीति, स्त्री, दलित, अमीरी, गरीबी, बेरोजगारी, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, अहंकार आदि.
यह सत्य है कि राजनीति का गहरा प्रभाव जनमानस पर पड़ता है- अगर राजनीति सत्ता, विसंगतिबाजों के हाथ में होगी, तो वे जनता की परवाह नहीं करेंगे और अपनी सत्ता-शक्ति के दुरुपयोग को ही अपनी सच्ची शक्ति (पावर) मानेंगे. परसाई ने अपने व्यंग्य निबंधों में झूठे, मक्कार, कोंइयां, मुखौटेदार, नौटंकीबाज, लम्पट करप्ट, तानाशाह नेताओं की पोल-पट्टी खोल दी.
हरिशंकर परसाई ने ठिठुरता हुआ गणतंत्र लिखा. उन्होंने लोकतंत्र में लोक को रुई के फाहे की तरह उड़ाने वाली राजनीति पर व्यंग्य लेखन का दरवाजा खोला, खिड़कियां खोलीं और व्यंग्य लक्ष्य के द्वारा सताए गए लोगों और व्यंग्य लेखकों के लिए भी साहस पैदा किया कि सच को देखे, जोर से सच बोलें और सच ही ठूंस-ठूंस कर लिखें.
देश की आजादी के बाद तो नैतिकता, सिद्धांत, विश्वास जैसे बंधनों से नेताओं को एक साथ आजादी मिल गई और उनके द्वारा कुर्सी लाभ के लिए बहुत तेजी से खूंटे बदले जाने लगे. हरिशंकर परसाई ने तो व्यंग्य निबंध फिसलने के सिद्धांत भी लिख दिया. मोरारजी देसाई सरकार गिरी और जनता पार्टी टूटी तो इंदिरा गांधी के सहयोग पाने चौधरी चरण सिंह राजनाराण के साथ उनके बंगले जा पहुंचे. उनको कांग्रेस का समर्थन मिल गया. परसाई जी ने चौधरी जी की चौधराहट पर तीखे सच के साथ व्यंग्य निबंध लिखा-
"साधो, चौधरी ने सार्वजनिक बयान दिया है मैंने राजनारायण के कहने में आकर तब जनता पार्टी तोड़ दी. राजनारायण ने मुझे बहका दिया था." उनके बयान पर सत्य घटना के आधार पर परसाई ने वाजिब व्यंग्य किया है- "सभा के मंच पर 78 साल के बूढ़े चरणसिंह को लेकर अटलबिहारी इस तरह पहुंचते है, जैसे ऐलान करते जाते हैं- बेचारा बूढा अपंग है. बुद्धि भी मन्द पड़ गई है. सीधा आदमी है. जैसा लोग बहका देते थे, बहक जाता था. एक-से-एक दुष्ट पड़े हैं राजनीति में मगर अब मैंने बेचारे बूढ़े को संभाल लिया है. खूंटे बदलने के लिए बहाना सिद्धांत आज भी बहुत काम कर रहा है- खूंटे बदलने वालों के पास अनेक सिद्धांत और अनेकानेक बहाने हैं परसाईजी के अखबारी व्यंग्य संग्रह कहत कबीर में फिसलने के सिद्धांत के जरिए उन्होंने नेताओं का फिसलना ही नहीं देखा बल्कि उनका 'चंदरी - विकास भी देखा है- साधो जिसे जोकर समझा जाता है, वह बड़ा कांइयां राजनीतिज्ञ है."
महंगाई परसाई काल में भी अनेक बार अवतरित हुई और सरकार कहती रही कि इसके लिए प्राकृतिक आपदा, वैश्विक इनफलेशन है, जमाखोरी है, फलाना-ढेकाना जिम्मेदार है लेकिन महंगाई कम करने का सार्थक प्रयास किसी ने नहीं किया, उस दल ने भी नहीं किया जिसने महंगाई हटाने के वादे पर चुनाव जीता और सरकार बनाई. परसाई के व्यंग्य निबंध मूर्तिचोरी और जुलूस में अपने समय की महंगाई का एक शब्द-चित्र प्रस्तुत किया है-"लोग रोटी-प्याज के गट्टे के साथ खा लेते हैं. पर प्याज का भी भाव देखो. नमक रोटी से काटना पड़ेगा. मगर आगे चल कर रोटी भी मयस्सर नहीं हुई तो नमक से तो कटेगी नहीं... साधो, तभी सुबह के अखबार में मन्दसौर का समाचार पढ़ा और हम रोटी, दाल, प्याज, नमक सब भूल गए." महंगाई पर इतनी सफगोई से व्यंग्य प्रहार उनके व्यंग्य के सौंदर्य का एक उल्लेखनीय उदाहरण है.

व्यंग्य » बर्बरीक

युद्धंदेहि

चचा बचपन से ही युद्ध प्रेमी हैं. मोहल्ले में जब महिलाओं का नल पर पानी भरने के लिए झोंटाझोंटी होता था, उससे लेकर बच्चों का झगड़ा जब बड़ों के बीच शुरू हो जाता था तब से चचा युद्धों का आनंद लेते आए हैं. जब उनसे पूछो कि चचा आपके धर्म में तो करूणा, त्याग, प्रेम आदि को सबसे ऊंचा स्थान दिया गया है तो चचा ने हिकारत से देखा और बोले अच्छा! तो जितने देवी देवता हैं सबने जो तलवार भाला तीर धनुष सबसे लैस रहते हैं वह शांति के लिए है? जितने महाकाव्य हैं सब युद्धों की कथाएं ही तो हैं. लेकिन वह तो असुरों राक्षसों के संहार के लिए है न. - हमने समझाने की कोशिश की. अच्छा! चचा ने आंखों को नचाकर कहा- तुम लोगों ने तय कर दिया कौन असुर है, राक्षस है. उनके जंगलों में घुसकर कब्जा करो और विरोध करें तो जंगली कहो, राक्षस कहो. यह तो वैसी ही बात हुई न कि जंगलों में घुसो, जमीन के नीचे से बेशकीमती चीज़ें निकालो, विरोध किया तो विकास विरोधी, देश विरोधी, आतंकी घोषित कर दो, गोली मार दो. ऐसे ही बनते थे राक्षस. तब तीर धनुष से काम तमाम किया जाता था. पुरानी कहावत है कि सारे झगड़े जर, जोरू जमीन के हैं. बड़ी बड़ी किताबों में इन्हीं झगड़ों को फिलोसोफिकल आधार दिया जाता है- सत्य-असत्य, धर्म-अधर्म टाइप. बात में तो दम है चचा! लेकिन ये जो उधर हो रहा है इजरायल वाला. इसमें आप किस तरफ हैं? हम तो भैया, तमाशबीन हैं. मोहल्ले में जब झगड़ा हो रहा हो तो किसी की साइड लेना बेवकूफी होती है न. दोनों पार्टी से काम पड़ता रहता है. किसी के यहां से कुदाल मांगनी रहती है किसी के यहां से कटोरी भर चीनी. लेकिन इस लड़ाई में तो हमारा देश साइड लेता दिख रहा है. ज़्यादा पंचायती करने वाला दोनों तरफ से पिटता है. विश्व गुरु बनने के चक्कर में कहीं बत्ती न लग जाए. पहले के नेता मूर्ख थोड़ी थे कि कहते थे हम गुट निरपेक्ष रहेंगे. न उधो का लेना न मानो का देना. उससे चीनी भी मांग लेंगे और इससे चायपत्ती भी. मजे से चाय बनाकर पी लेंगे. मज़ाक की बात और है लेकिन युद्धों से फायदा केवल सौदागरों को हुआ है. चाय पिलाया हूं तुमको. सब कुछ मांगा हुआ है. कहकर चचा ठठाकर हंस पड़े.

कविता/गज़ल

रानी सुमिता

विवश मन

मैं आसमां की पड़ोसन
बादल मेरा प्रिय करीबी
जमीं मेरा छूटा मायका
दूर बहुत दूर मेरा घर आंगन..
साथ निभाती हर घड़ी
हवा मेरी हमजोली सखी
कैसे गिनूं घोंसले के तिनके
चुनूं दौड़ कैसे फूल पत्ते
दूर मुझसे पलाश के ऊंचे पेड़
कहां पाऊं
मिट्टी की सोंधी खुशबू
कैसे सने मिट्टी में मेरे पैर
नतमस्तक मैं बरखा रानी
तुमसे ही स्मरण मेरे झंकृत
घर-ड्योढ़ी बूंद-बूंद अलंकृत
धरा पेड़ मिट्टी
जैसे छूटते रिश्ते..
विवश मैं
मन पुरातन
महानगर की
बीसवीं मंजिल
अब मेरा घर -आंगन!

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

गजल

यूं बंदा बदनाम बहुत है,
इसी बहाने नाम बहुत है.
मिलता नहीं एक भी ढूंढे,
कहने को तो काम बहुत है.
जान मेरी लेने की खातिर,
मुझ पर एक इल्जाम बहुत है.
ऐसे दिल ज़ख्मी है बेशक,
पर वैसे आराम बहुत है.
नहीं ज़रूरत अब पीने की,
उन आंखों का जाम बहुत है.
दिल की हालत दिल ही जाने,
चेहरे पे आराम बहुत है.
साथ अगर तेरा मिल जाए,
जीने को इक शाम बहुत है.
जीवन तुझे वसीयत कर दूं,
तेरा इक पैग़ाम बहुत है.
बात खिलौनों की मत करना,
बच्चों, उनका दाम बहुत है.
रावण को काबू करने को,
राम का केवल नाम बहुत है.
जीवन ने तो दर्द ही बख्से,
मरने पर आराम बहुत है.

संगीता कुजारा टाक

रिटायरमेंट

यादों में विचरती चुप, उदास
आधी पिचकी,आधी जीवित
कोने में पड़ी गेंद
अडोल पड़ी इंतजार में है
कि कब नन्हे-मुन्ने हाथ
जवान होते हाथ
लेंगे उसे अपने हाथों में
मोबाइल, लैपटॉप छोड़कर
भरेंगे उसमें पेट भर ऑक्सीजन
फिर ले चलेंगे हरे मैदान में
जहां खिलाड़ियों के पैरों के बीच से
निकलती, फिसलती
उनके सिरों से टकराती
तालियों की गड़गड़ाहट
और मैदान में उठे शोर के साथ
किक मारी जाएगी
गो.......ल.
गेंद को नहीं भा रही है
ये रिटायरमेंट.....

रेणु त्रिवेदी मिश्रा

गजल

प्रीत की रीत भला कैसे निभाती होगी
उसको जिस वक्त मेरी याद सताती होगी.
ये हक़ीक़त है उसे फूल लुभाते होंगे
वो गुलाबों से मगर आंख चुराती होगी.
लोग कहते हैं उसे दर्द ये अपनों ने दिया
ज़ख्म दुनिया को भला कैसे दिखाती होगी.
फर्त ए जज़्बात से माहौल महकता होगा
वो अकीदत से जहां फूल चढ़ाती होगी.
मुस्कुराते हुए दीपक को जलाने वाली
होके मायूस कभी शम्मा बुझाती होगी.

संगीता सहाय "अनुभूति"

क्षणिकाएं

स्त्री ने पुरुष गढ़ा
पुरुष ने रची स्त्री
इन दोनों के मध्य
रच गढ़ गयी असामनता.

स्त्री ने जीता मन
पुरुष ने हारा तन
हार जीत के युद्ध में
पराजित हुई सभ्यता.

माया वर्मा

आगे बढ़ो

हे महान भारत के वंशजों,
आर्यपुत्रों! क्यों बन रहे नादान
ना जाने कितनी बार जगत को दिखाया.
मार्ग ज्ञान का, विज्ञान का!
क्या हो गया है तुम्हें!
कहां गई तुम्हारी
आत्मशक्ति और आत्म सम्मान!
कहां छोड़ आए तुम बुद्धि विवेक की,
वह आत्मवृष्टि!
क्यों भयभीत है आज मन?
कितने कापुरुष हो गए हो तुम,
प्रतिकार करना तो दूर,
देखकर अन्याय
आंखें फेर लेते हो!!
कहां गया तुम्हारा पुरुषार्थ,
जो असंभव को भी संभव बनाने का
सामर्थ्य रखता था?
उठो, ऐ जनमानस रूपी बवंडरों
क्यों सह रहे आतंक
बहुत ताकत है तुम्हारे हुंकार में !!
आगे बढ़ो! उड़ जाएंगे सब
तुम्हारे एक ही फुंफकार में
डरो मत, आंधियां आएंगी- विध्वंस होगा ही
तभी होगा सृजन,
यही है तांडव शिव का,
विनाश और सृजन का सूत्र
जो छोड़ जाएगी एक गहन शांति का साम्राज्य
सत्यम शिवम और सुंदरम
जिसमें होगा साकार ,
जो तुम चाहते हो
आगे बढ़ो आगे बढ़ो आगे बढ़ो.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	दक्षिण अफ्रीका	06	04	01	10	+2.032
2	भारत	05	05	00	10	+1.353
3	न्यूजीलैंड	06	04	02	08	+1.232
4	ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
5	श्रीलंका	05	02	03	04	−0.205
6	पाकिस्तान	06	02	04	04	−0.387
7	अफगानिस्तान	05	02	03	04	−0.969
8	नीदरलैंड	06	02	04	04	−1.277
9	बांग्लादेश	06	01	05	02	−1.338
10	इंग्लैंड	05	01	04	02	−1.634

एक नजर में

ऑस्ट्रेलिया	प्लेयर ऑफ द मैच	न्यूजीलैंड
388/10	ट्रविस हेड	383/9

आगे कौन

सबसे अधिक रन	सबसे अधिक विकेट
431	13

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया

एक नजर में

नीदरलैंड	प्लेयर ऑफ द मैच	दक्षिण अफ्रीक
229/10	पॉल वैन मीकेरेन	142/10

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 17

बाउंड्री

6	4
373	1330

चरम पर रोमांच

ऑस्ट्रेलिया ने मैच जीता, न्यूजीलैंड ने दिल

भाषा । धर्मशाला

विश्व कप में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच एक रोमांचक मुकाबला हुआ. रोमांचक मुकाबले में मैच तो ऑस्ट्रेलिया ने जीता, मगर दिल न्यूजीलैंड की टीम ने जीत लिया. आखिरी बॉल तक रोमांच चलता रहा और न्यूजीलैंड की टीम 5 रनों से हार गई. धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर कीवी टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. मगर कप्तान टॉम लैथम का यह निर्णय गलत साबित हो गया. ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर्स में 388 रन पर ऑलआउट हो गई. न्यूजीलैंड को 389 रनों का लक्ष्य दिया. 389 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 383 रन बना डाले. एक समय तो लग रहा था कि कंगारू टीम आज रिकॉर्ड स्कोर खड़ा करेगी. इस मैच में वापसी कर रहे कंगारू बल्लेबाज ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर ने शानदार शुरुआत की.

दोनों ने अपनी बल्लेबाजी से कई रिकॉर्ड स्थापित किए. ऑस्ट्रेलिया ने दोनों ने पहले विकेट लिए महज 19.1 ओवर्स में 175 रनों की जबरदस्त साझेदारी की. लेकिन डेविड वॉर्नर (81) के स्कोर पर आउट होते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम थोड़ी लड़खड़ा गई. महज 100 रनों के अंदर कंगारू टीम के पांच विकेट गिर गए. ग्लेन फिलिप्स ने एक के बाद एक तीन विकेट झटके. इनमें वॉर्नर के अलावा ट्रेविस हेड (109) शामिल रहे, जिन्होंने 59 गेंदों में सेंचुरी जड़ी, पर वो भी फिलिप्स की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए. इसके बाद कंगारू टीम के लगातार एक के बाद एक झटके लगते रहे. स्टीव स्मिथ (18) रन बनाकर फिलिप्स की गेंद पर कैच आउट हुए. मार्नस लॉबुशेन को सेंटनर ने अपनी फिरकी में फंसाया. उस वक्त ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 274 पर पांच था. मगर अंत में ग्लेन मैक्सवेल और विकेटकीपर बल्लेबाजी जोश इंग्लिस, कप्तान पैट कमिंस ने धुआंधार बल्लेबाजी की.

स्कोरबोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	बॉल	4	6
वार्नर कै व बो ग्लेन फिलिप्स	81	65	5	6
हेड बो ग्लेन फिलिप्स	109	67	0	7
मार्श बो सेंटनर	36	51	2	0
स्मिथ कै बोल्ट बो फिलिप्स	18	17	2	0
लाबुशैन कै रवींद्र बो सैंटनर	18	26	2	0
मैक्सवेल कै बोल्ट बो नीशम	41	24	5	2
इंगलिस कै ग्लेन फिलिप्स बो बोल्ट	38	28	4	1
कमिंस एलबीडब्ल्यू बो बोल्ट	37	14	2	4
स्टार्क कै नीशम बो मैट हेनरी	1	3	0	0.
ज़ैम्पा बो बोल्ट	0	3	0	0
हेजलवुड नॉट आउट	0	0	0	0

अतिरिक्त: 9, कुल: 388/10, 49.2 ओवर, विकेट पतन: 175- 1, 200-2, 228-3, 264-4, 274-5, 325-6, 387-7, 388-8, 388-9, 388-10, गेंदबाजी: मैट हेनरी: 6.2-0-67-1, बोल्ट: 10-0-77-3, फर्ग्यूसन: 3-0-38-0, सेंटनर: 10-0-80-2, ग्लेन फिलिप्स: 10-0-37-3, रचिन रवींद्र: 8-0-56-0, नीशाम: 2-0-32-1

न्यूजीलैंड	रन	बॉल	4	6
कॉनवे कै स्टार्क बो हेजलवुड	28	17	6	0
विल यंग कै स्टार्क बॉ हेजलवुड	32	37	4	1
रचिन रवींद्र कै लाबुशेन बो कमिंस	116	89	9	5
डेरिल मिशेल कै स्टार्क बो जम्पा	54	51	6	1
लैथम कै हेजलवुड बो जम्पा	21	22	2	0
ग्लेन फिलिप्स कै लाबुशैन बो मैक्सवेल	12	16	1	0
नीशम रन आउट (लैबुशेन/जोश इंग्लिस)	58	39	3	3
मिचेल सैंटनर कै मैक्सवेल बो जम्पा	17	12	1	1
मैट हेनरी कै हेजलवुड बो कमिंस	9	8	1	0
बोल्ट नाबाद	10	8	0	1
लॉकी फर्ग्यूसन नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त: 26, कुल: 383/ 9, 50 ओवर, विकेट पतन: 61-1, 72-2, 168-3, 222-4, 265- 5, 293-6, 320-7, 346-8, 383-9, गेंदबाजी: स्टार्क: 9-0-89-0, जोश हेजलवुड: 9-0-70-2, पैट कमिंस: 10-0-66-2, ग्लेन मैक्सवेल: 10-0-62-1, एडम जम्पा: 10-0-74-3, मिशेल मार्श: 2-0-18-0

ऑस्ट्रेलिया ने लगाये 20 छक्के

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी में कुल 20 छक्के लगाए. ट्रेविस हेड ने सात, डेविड वॉर्नर ने छह, कप्तान पैट कमिंस ने चार और ग्लेन मैक्सवेल ने दो छक्के लगाए. जोश इंगलिश ने एक छक्का लगाया. एक वनडे में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगे. कंगारू टीम ने इससे पहले 2013 में भारत के खिलाफ बेंगलूरू में 19 और 2023 में बंगलूरू के मैदान पर ही पाकिस्तान के खिलाफ 19 छक्के लगाए थे.

विश्व कप के एक मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने वाली टीम

टीम	खिलाफ	जगह	साल	छक्के
इंग्लैंड	अफगानिस्तान	मैनचेस्टर	2019	25
ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	धर्मशाला	2023	20
वेस्टइंडीज	जिम्बाब्वे	कैनबरा	2015	19
ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान	बंगलूरू	2023	19
दक्षिण अफ्रीका	बांग्लादेश	मुंबई	2023	19

बांग्लादेश पर भारी पड़ा नीदरलैंड

भाषा । कोलकाता

बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच खेले विश्व कप में खेले गए एकतरफा मुकाले में नीदलैंड ने बांग्लादेश को 00 रनों से हराया. नीदलैंड की ओर से पॉल वैन मीकेरेन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए वहीं बास डी लीडे ने दो विकेट लिए. बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन ने सर्वाधिक 35 बनाए. इससे पहले कप्तान कॉलिन एडवड्र्स के धैर्य पूर्ण अर्धशतक की मदद से नीदरलैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी वनडे विश्व कप के मैच में शनिवार को यहां निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 229 रन बनाए. एडवड्र्स में 89 गेंद पर 68 रन की पारी खेली.

उन्होंने साइब्रेंड एंगलब्रेख्त (61 गेंद पर 35 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की. इन दोनों के अलावा वेस्ली बारेसी ने 41 रन का योगदान दिया जबकि लोगान वान बीक ने अंतिम ओवरों में 16 गेंद पर नाबाद 23 रन की पारी खेली. बांग्लादेश की तरफ से मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, मेहदी हसन और शोरिफुल इस्लाम ने दो-दो विकेट लिए. नीदरलैंड का टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला अनुकूल नहीं रहा, क्योंकि बांग्लादेश के गेंदबाज तुरंत ही उन पर हावी हो गए. तस्कीन अहमद ने पारी के दूसरे ओवर में ही विक्रमजीत सिंह (03) को पवेलियन भेज दिया, जबकि शोरिफुल इस्लाम ने अगले ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडाउड (00) को आउट करके स्कोर दो विकेट पर चार रन कर दिया. वेस्ली बारेसी ने कोलिन एकरमैन (15) के साथ तीसरे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी करके पारी संवारने की कोशिश की लेकिन इन दोनों के लगातार ओवर में आउट होने से नीदरलैंड फिर से बैक फुट पर चला गया. बारेसी ने इस बीच कुछ आकर्षक चौके लगाए. उनकी 41 गेंद की पारी में 8 चौके शामिल हैं.

खास बातें

- नीदरलैंड ने बांग्लादेश को 87 रनों से हराया
- नीदरलैंड के कप्तान एडवड्र्स ने शानदार 68 रन बनाए

नीदरलैंड का स्कोर 4 विकेट पर 63 रन हो गया. यदि एडवड्र्स को मुस्तफिजुर के एक ओवर में दो जीवनदान नहीं मिलते तो उसकी स्थिति और खराब हो जाती. एडवड्र्स ने तब अपना खाता भी नहीं खोला था.

एडवड्र्स ने इसका पूरा फायदा उठाया लेकिन बास डी लीडे (32 गेंद पर 17 रन) क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बावजूद अपने कप्तान का लंबे समय तक साथ नहीं दे पाए. इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 74 गेंद पर 44 रन जोड़े. एंगलब्रेख्त ने हालांकि परिस्थितियों का अच्छा आकलन किया और एडवड्र्स की तरह टिक कर खेलने को प्राथमिकता दी. बांग्लादेश के गेंदबाजों ने हालांकि उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया लेकिन इन दोनों ने लगभग 17 ओवर तक उन्हें सफलता से दूर रखा. एडवड्र्स ने इस बीच वर्तमान विश्व कप में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया.

आज जीत का छक्का लगाने उतरेगा भारत

लखनऊ। भारतीय टीम इस विश्व कप में जहां लगातार पांच मैच जीतकर खिताब की सबसे प्रबल दावेदार साबित हुई है तो गत चैंपियन इंग्लैंड के सामने अब सेमीफाइनल में दौड़ में बने रहने का प्रश्न है और ऐसे में दोनों टीमें रविवार को आमने सामने होंगी तो मेजबान का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने लगातार पांच मैच जीते हैं जबकि सफेद गेंद के क्रिकेट की नयी परिभाषा गढने वाले इंग्लैंड के सामने टूर्नामेंट में अस्तित्व बनाये रखने की लड़ाई है. टी-20 और वनडे क्रिकेट में 'बाजबॉल' यानी अति आक्रामक खेल से इंग्लैंड को पिछले कुछ समय में सफलता जरूर मिली है लेकिन भारतीय हालात में यह दाव उलटा पड़ा है.नतीजा यह है कि मौजूदा चैंपियन टीम लीग चरण से ही बाहर होने की कगार पर है. भारत को इस मैच में हरफनमौला हार्दिक पंड्या की कमी खलेगी. स्पिनरों की मददगार पिच पर आम तौर पर शार्दुल ठाकुर की जगह रविचंद्रन अश्विन को उतारा जाता लेकिन पंड्या की गैर मौजूदगी में टीम प्रबंधन को पांच गेंदबाजों के साथ ही उतरना पड़ सकता है. जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा का चयन तो तय है. तीसरे स्पिनर के तौर पर अश्विन को उतारने के लिये मोहम्मद शमी या मोहम्मद सिराज में से एक को बाहर करना होगा.

एशियाई पैरा खेल
अंतरराष्ट्रीय बहु खेल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

111 पदक जीतकर भारत ने रचा इतिहास

भाषा । हांगझोउ

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने शनिवार को इतिहास रचकर हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में अपने अभियान का अंत 111 पदक जीतकर किया जो किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय बहु खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य जीते. इससे पहले 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक हुए हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 107 पदक जीते थे. भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा. चीन ने 521 पदक (214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य) जीते जबकि ईरान ने 131 (44 स्वर्ण, 46 रजत और 41 कांस्य) अपने नाम किये. जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर रहा.

हमने इतिहास रच दिया: दीपा मलिक

भारतीय पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा कि हमने इतिहास रच दिया. हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है. अब पेरिस पैरालम्पिक में तोक्यो से अधिक पदक जीतेंगे. उन्होंने कहा कि हम इस प्रदर्शन से हैरान नहीं है.

एथलेटिक्स में मिले सर्वाधिक पदक

भारतीय खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 55 पदक एथलेटिक्स में पाये जबकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण समेत 21 पदक जीते. शतरंज में आठ और तीरंदाजी में सात पदक मिले जबकि निशानेबाजों ने छह पदक जीते. आखिरी दिन शनिवार को भारत ने चार स्वर्ण समेत 12 पदक जीते. इनमें से सात पदक शतरंज में, चार एथलेटिक्स में और एक नौकायन में मिला. पुरूषों की भालाफेंक एफ55 स्पर्धा में नीरज यादव ने 33.69 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता. टेक चंद को कांस्य पदक मिला.

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

जापान ने कोरिया को 4-0 से हराया

जापान ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की

शुभम किशोर । रांची

राजधानी रांची के मरांग गोमके एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित झारखंड एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जापान की लगातार दूसरी जीत हुई. दूसरे दिन पहला मुकाबला जापान और कोरिया के बीच खेला गया. जापान की टीम ने शुरुआती क्वार्टर से आक्रामक खेल खेला. मैच के पहले क्वार्टर में 2-0 की लीड ले ली. मुकाबले के 7वें मिनट में कोबायाशी ऐमी और 15वें मिनट में जापान की कप्तान नगाई यूरी ने शानदार गोल दागा. मुकाबले के दूसरे क्वार्टर में जापान के लिए तीसरा गोल आया. मुकाबले के 19वें मिनट में हासेगावा मियू ने फील्ड गोल किया. मुकाबले का आखिरी गोल 49वें मिनट में फील्ड गोल के रूप में तोरियामा शिहो ने गोल मारकर जीत का अंतर 4-0 कर दिया. मुकाबले से पहले झारखंड के पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर, झारखंड विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह मौजूद थे.

चाइना ने थाईलैंड को 6-0 से हराया

रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप के दूसरे दिन का दूसरा मुकाबला चाइना और थाईलैंड के बीच खेला गया, जिसमें चाइना ने 6-0 से थाइलैंड को हराया. मैच की शुरुआत से ही चाइना ने आक्रामक खेल खेलते हुए पहले हॉफ में 2-0 की लीड बनाई. मैच के 10वें मिनट में जोंग जियाकी ने फील्ड गोल किया. वहीं मैच के 30वें मिनट में चाइना का दूसरा गोल पेनाल्टी से आया. दूसरा गोल एमए निंग ने किया. दूसरे हॉफ में भी चाइना ने आक्रामक खेल खेला. मुकाबले के 42वें मिनट में चाइना ने तीसरा गोल मारकर थाईलैंड पर दबाव बना दिया. तीसरा गोल जोंग जियाकी ने किया, जो पेनाल्टी कॉर्नर के रूप में आया. मैच के अंतिम 10 मिनट में चाइना ने 3 और गोल दागे. मुकाबले के 50वें मिनट में कप्तान ओयू जिक्सिया ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. 51वें मिनट में जोंग जियाकी और 57वें मिनट में चीन यि ने गोल दाग स्कोर को 6-0 किया. प्रतियोगिता की शुरुआत में वित्त सचिव सुखदेव सिंह, हॉकी झारखंड के ट्रेजरर शेखर जे मनोहरन और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह मौजूद थे.

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की 10वीं वर्षगांठ पर तालिबान की उपस्थिति बीजिंग की क्षेत्रीय रणनीति का हिस्सा

चीन तालिबान को दोस्त के रूप में चाहता है, दुश्मन के रूप में नहीं

भाषा। लंदन

चीन की महत्वाकांक्षी व्यापार योजना, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की 10वीं वर्षगांठ के जश्न के मौके पर बीजिंग में अक्टूबर के विशाल आयोजन में तालिबान की उपस्थिति बीजिंग की क्षेत्रीय रणनीति का हिस्सा है. यह 2021 में अफगानिस्तान से नाटो की वापसी के बाद सत्ता संभालने के बाद से तालिबान द्वारा की गई कुछ ही विदेशी यात्राओं में से एक थी. अंतरिम अफगान वाणिज्य मंत्री हाजी नूरुद्दीन अज़ीज़ी ने अफगानिस्तान के बीआरआई में शामिल होने की तालिबान की इच्छा के बारे में भी बात की. तालिबान जैसे

इस्लामी समूह का नाममात्र धर्मनिरपेक्ष और साम्यवादी चीन के साथ सहयोग करने का विचार आश्चर्यजनक लग सकता है. लेकिन यह देश और विदेश में इस्लामी आतंकवाद पर चीन की रणनीतिक आशंकाओं का तार्किक परिणाम है. यह हाल के वर्षों में चीन और कई इस्लामी देशों के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों का भी हिस्सा है. ऐतिहासिक रूप से, बीजिंग को अपने घर में धर्म के प्रति संदेह के बावजूद, धार्मिक समूहों या धार्मिक नेतृत्व वाले देशों के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं हुई है.

अफगानिस्तान के हालिया इतिहास पर एक नजर

सोवियत-अफगान युद्ध (1979-1989) की समाप्ति और 1992 में मास्को द्वारा स्थापित नजीबुल्लाह सरकार के पतन के साथ, अफगानिस्तान इस्लामी कट्टरपंथ का केंद्र बन गया. यह दुनिया भर के उग्रवादियों के लिए एक चुंबक बन गया, येल्तसिन के रूस से लड़ने वाले चेचन अलगाववादियों से लेकर फिलीपींस में स्थित इस्लामवादी अबू सयाफ तक. चीन मुजाहिद्दीन, इस्लामिक समूह जिसने 1978 से 1992 तक अफगानिस्तान पर शासन किया, के सबसे बड़े समर्थकों में से एक रहा है, उसने समूह को प्रशिक्षण और हथियार प्रदान किए.

चरमपंथ के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि तैयार की

बीजिंग इन दिनों रूस को लेकर कम चिंतित है. रूस न केवल एक सहयोगी के रूप में है, बल्कि रिश्ते में प्रमुख भागीदार भी है. लेकिन यह मुजाहिद्दीन को सहायता ही थी, जिसने चीन को आज जिन सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उसके लिए कुछ आधार तैयार किया, क्योंकि इसने अपनी सीमाओं के करीब चरमपंथ के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि तैयार की.

इस्लामिक दुनिया के साथ चीन के रिश्ते

बीआरआई शिखर सम्मेलन में तालिबान की उपस्थिति इस्लामी दुनिया के साथ चीन के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाती है. हाल ही में, सऊदी अरब के साथ नौसैनिक अभ्यास इस क्षेत्र में चीन के सैन्य संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ करता है.

चीन का कूटनीतिक प्रभाव

चीन के प्रयासों से शुरुआती लाभ इस रूप में देखा जा सकता है कि शिनजियांग में चीन की नीतियों की निंदा करने वाले ब्रिटेन के नेतृत्व वाले बयान ने मुख्य रूप से पश्चिमी देशों का समर्थन आकर्षित किया. इससे पता चलता है कि चीन ने मुस्लिम जगत में अपना कूटनीतिक प्रभाव बना लिया है.

आओ जानें

गाजा में मानवीय संघर्षविराम' वाले संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव पर वोट

ऑस्ट्रिया	के विरुद्ध	चीन	पक्ष में
क्रोएशिया	के विरुद्ध	कोलंबिया	पक्ष में
चेकिया	के विरुद्ध	क्यूबा	पक्ष में
हंगरी	के विरुद्ध	मिस्र	पक्ष में
इज़राइल	के विरुद्ध	फ्रांस	पक्ष में
यूएसए	के विरुद्ध	इंडोनेशिया	पक्ष में
अल्बानिया	तटस्थ	ईरान	पक्ष में
ऑस्ट्रेलिया	तटस्थ	आयरलैंड	पक्ष में
बुल्गारिया	तटस्थ	कजाकिस्तान	पक्ष में
कनाडा	तटस्थ	केन्या	पक्ष में
डेनमार्क	तटस्थ	कुवैत	पक्ष में
एस्टोनिया	तटस्थ	मेक्सिको	पक्ष में
फ़िनलैंड	तटस्थ	नाइजर	पक्ष में
जर्मनी	तटस्थ.	नाइजीरिया	पक्ष में
भारत	तटस्थ	नॉर्वे	पक्ष में
इटली	तटस्थ	पाकिस्तान	पक्ष में
जापान	तटस्थ.	पुर्तगाल	पक्ष में
लातविया	तटस्थ.	कतर	पक्ष में
लिथुआनिया	तटस्थ	रूस	पक्ष में
नीदरलैंड्स	तटस्थ	सऊदी अरब	पक्ष में
पोलैंड	तटस्थ	स्लोवेनिया	पक्ष में
दक्षिण कोरिया	तटस्थ	दक्षिण आफ्रीका	पक्ष में
स्वीडन	तटस्थ	स्पेन	पक्ष में
यूके	तटस्थ	स्विट्ज़रलैंड	पक्ष में
यूक्रेन	तटस्थ	तुर्की	पक्ष में
अफ़गानिस्तान	पक्ष में	यूएई	पक्ष में
अर्जेंटीना	पक्ष में	**पक्ष में**	**20**
बेलारूस	पक्ष में	**तटस्थ**	**45**
ब्राज़ील	पक्ष में	**विरुद्ध**	**14**
चिली	पक्ष में		*चयनित देशों में

ब्रीफ खबरें

200 करोड़ रुपये के मुफ्त उपहार जब्त

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने राज्य में नौ अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से 200 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, नशीले पदार्थ और आभूषण जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया जाना था. बारह अधिकारियों की एक टीम का नेतृत्व करते हुए, पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने राज्य भर में कड़ी निगरानी के लिए एक स्टॉर्म क्लब बनाया है.

1.04 करोड़ की बिजली चोरी का पता लगाया

ठाणे। महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) ने ठाणे जिले के कल्याण और टिटवाला कस्बों के आवासीय इलाकों में 1.04 करोड़ रुपये की बिजली चोरी का पता लगाया है. एमएसईडीसीएल के अनुसार, कल्याण क्षेत्र के कल्याण (पूर्व) और टिटवाला कस्बों के आवासीय इलाकों में बिजली चोरी का पता चला. घरेलू उपभोक्ताओं के 368 स्थानों पर 1.04 करोड़ रुपये मूल्य की कम से कम 4,84,000 यूनिट बिजली चोरी हुई.

सुरेश गोपी ने महिला पत्रकार से मांगी माफी

तिरुवनंतपुरम। अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक महिला पत्रकार के साथ अपने कथित दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी भी मंच पर या मंच के बाहर किसी का अपमान नहीं किया है और यदि उनके व्यवहार के कारण उन्हें कोई मानसिक पीड़ा हुई है तो वह उनसे माफी मांगते हैं.

आईएस ने ली अफगानिस्तान विस्फोट की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शिया मुस्लिम इलाके में हुए उस विस्फोट की जिम्मेदारी ली है जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी. इस्लामिक स्टेट ने अपनी समाचार एजेंसी 'अमाक' के माध्यम से शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि उसने शियाओं के एक स्थल के अंदर विस्फोटक वाला एक सूटकेस रख दिया था.

दिल्ली मेट्रो के आगे लगाई छलांग, मौत

नई दिल्ली। पंजाब एवं सिंध बैंक के 35 वर्षीय एक अधिकारी ने राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम को हुई और दिव्यांशु चोपड़ा नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. चोपड़ा के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला. पुलिस के मुताबिक, चोपड़ा शुक्रवार को पंजाब के अमृतसर से दिल्ली आए थे. चोपड़ा पंजाब एवं सिंध बैंक में अधिकारी के रूप में काम करते थे.

बांग्लादेश की पीएम हसीना के खिलाफ रैली की योजना

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और अगले साल के आम चुनाव की निगरानी के लिए गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार को सत्ता का हस्तांतरण करने की मांग को लेकर शनिवार को एक विशाल रैली करने की योजना है. वहीं, सत्तारूढ़ आवामी लीग पार्टी ने चेतावनी दी है कि हिंसा पैदा करने की किसी की कोशिश से बलपूर्वक निपटा जाएगा.

इजराइल ने गाजा पट्टी पर हवाई और जमीनी हमले किए तेज, संचार काटा

हमास के सफाए का लिया प्रण

भाषा। दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइल ने गाजा पट्टी में इंटरनेट और संचार के अन्य माध्यम बंद कर दिए हैं, जिससे वहां रहने वाले 23 लाख लोगों का आपस में तथा बाहरी दुनिया से संपर्क कट गया है. इजराइल ने शुक्रवार रात से गाजा पर हवाई और जमीनी हमले भी तेज कर दिए हैं.

इजराइल की सेना ने कहा कि वह क्षेत्र में जमीनी अभियान व्यापक कर रही है. सेना की यह घोषणा इस बात का संकेत देती है कि वह गाजा पर संपूर्ण आक्रमण के नजदीक पहुंच रही है. उसने गाजा में हमास आतंकियों का पूरी तरह से सफाया करने का प्रण लिया है. इजराइल के हवाई हमलों के कारण हुए विस्फोट से गाजा सिटी के आसमान में लगतार चमक दिखाई देती रही. फिलिस्तीन के टेलीकॉम प्रदाता पालटेल ने कहा कि बमबारी के कारण इंटरनेट, सेल्युलर और लैंडलाइन सेवाएं पूर्ण रूप से बाधित हो गई हैं. संचार ठप होने का तात्पर्य यह है कि हमले में लोगों के मारे जाने और जमीनी कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी. हालांकि, क्षेत्र में कुछ सैटेलाइट फोन काम कर रहे हैं. गाजा एक सप्ताह से बिजली नहीं होने से अंधेरे में डूबा हुआ है.

फिलिस्तीन के लोग भोजन और पेयजल की समस्या से भी जूझ रहे हैं. गाजा के लोग उस वक्त दशहत में आ गए, जब मैसेजिंग ऐप अचानक बंद होने के कारण परिवारों के साथ उनका संपर्क कट गया और कॉल आने बंद हो गए. वेस्ट बैंक के रामल्ला शहर में महिलाओं की एक संस्था की निदेशक वफ़ा अब्दुल रहमान ने कहा कि मैं बहुत डर गई. मेरी कई घंटों से मेरे परिवार से कोई बातचीत नहीं हुई है. कब्जे वाले क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र के मानवीय समन्वयक लिन हेस्टिंग्स ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि फोन और इंटरनेट सेवा के बिना अस्पताल और सहायता अभियान संचालित नहीं हो सकेंगे. वहीं, रेड क्रिसेंट ने कहा कि वह चिकित्सा दलों से संपर्क नहीं कर पा रहा है और निवासी एम्बुलेंस सेवा को फोन नहीं कर पा रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों ने कहा कि वे सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल से केवल कुछ कर्मचारियों से ही संपर्क कर सके हैं. इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि गाजा में जमीनी बलों ने शुक्रवार शाम से अपनी गतिविधि बढ़ा दी है.

गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले के बाद उठता हुआ धुआं. -फोटो : पीटीआई

यूएनजीए में 'मानवीय संघर्ष विराम' वाले प्रस्ताव पर वोटिंग से भारत की दूरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष को रोकने के लिए गाजा में 'मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान करने वाला एक प्रस्ताव शुक्रवार को पारित किया. हालांकि यह प्रस्ताव बाध्यकारी नहीं है. अरब देशों द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव को 193 सदस्यीय इस विश्व निकाय ने 14 के मुकाबले 120 मतों से पारित कर दिया. वहीं, 45 देश इस पर मतदान से दूर रहे. इजराइल-हमास संघर्ष संबंधी प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि आतंकवाद हानिकारक है और उसकी कोई सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल नहीं है तथा दुनिया को आतंकवादी कृत्यों को जायज ठहराने वालों की बातों को तवज्जो नहीं देनी चाहिए. प्रस्ताव में हमास द्वारा इजराइल पर सात अक्टूबर के 'आतंकवादी हमले' की स्पष्ट रूप से निंदा करने और हमास द्वारा बंधक बनाए लोगों की तत्काल रिहाई की मांग की गयी थी. संयुक्त राष्ट्र के 22 देशों के अरब समूहों की ओर से संयुक्त राष्ट्र में जॉर्डन के राजदूत महमूद हमूद ने जमीनी स्तर पर बढ़ते तनाव की तात्कालिकता के कारण इस प्रस्ताव पर कार्रवाई करने का आह्वान किया. संयुक्त राष्ट्र की और अधिक शक्तिशाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद के पिछले दो सप्ताह में चार प्रयासों के बावजूद किसी प्रस्ताव पर सहमत न होने के बाद अरब देशों के समूह ने महासभा का दरवाजा खटखटाया.

खास बातें

- 23 लाख लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क कटा
- बिजली नहीं होने के कारण गाजा अंधेरे में डूबा
- इंटरनेट, सेल्युलर व लैंडलाइन सेवाएं पूर्ण रूप से बाधित

सेनाएं अब भी जमीन पर, युद्ध जारी है...

तेल अवीव। इजराइल हवा और समुद्र से बड़े पैमाने पर हमले करने के साथ पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों की मदद से गाजा में अपने जमीनी अभियान का विस्तार कर रहा है. इजराइली सेना के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी. रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने शनिवार को कहा कि सेनाएं अब भी जमीन पर हैं और युद्ध जारी है. इजराइली सेना ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया था, जिसमें गाजा के खुले रेतीले इलाकों में बख्तरबंद वाहनों के काफिले धीरे-धीरे चलते नजर आ रहे थे. इससे पहले, इजराली सैनिक कुछ देर के लिए रात में जमीनी मार्ग से गाजा में गए थे और फिर लौट आए थे.

गाजा में संघर्ष-विराम मतदान से दूर रहा भारत, शर्मिंदा हूं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि वह इससे स्तब्ध और शर्मिंदा हैं कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में संघर्ष-विराम का आह्वान करने वाले प्रस्ताव पर मतदान से भारत दूर रहा. उन्होंने यह भी कहा कि जब मानवता के हर कानून को ध्वस्त कर दिया गया है, तो ऐसे समय में अपना रुख तय नहीं करना और चुपचाप देखते रहना गलत है. भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव पर मतदान से परहेज किया, जिसमें इज़रायल-हमास संघर्ष में तत्काल मानवीय संघर्ष-विराम का आह्वान किया गया था.

काशी विश्वनाथ में श्रद्धालुओं के 'ड्रेस कोड' लागू करने पर विचार

भाषा। वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास यहां स्थित मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक 'ड्रेस कोड' (परिधान) लागू करने पर विचार कर रहा है. इसके लिए मंदिर न्यास की आगामी दिनों में होने वाली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा. यह जानकारी न्याय के एक पदाधिकारी ने दी. काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने शनिवार को कहा कि न्यास की आगामी बैठक में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक परिधान (ड्रेस) निर्धारित करने पर प्रस्ताव रखा जाएगा. हालांकि उन्होंने बैठक की तारीख नहीं बताई, सिर्फ इतना कहा कि बैठक नवंबर माह में होगी. पांडेय ने कहा कि फिलहाल विश्वनाथ धाम आने वाले दर्शनार्थी शालीन और मर्यादित वस्त्र धारण करके आयें.

उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को ऐसे मर्यादित वस्त्र पहनकर आना चाहिए जो देखने में अच्छा लगे. पांडेय ने यह भी बताया कि पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता और महिलाओं के लिए साड़ी पहन कर ही गर्भगृह में दर्शन पूजन करने को लेकर मंदिर न्यास की अगली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि न्यास की बैठक में विचार-विमर्श के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा.

सरकार ने कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मुहैया कराए : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने पारंपरिक के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उद्योग तथा ऑटोमेशन जैसे उभरते क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मुहैया कराए हैं. प्रधानमंत्री ने यह बात विभिन्न सरकारी विभागों में 51,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान कही. मोदी ने कहा कि उनकी सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा उसके सहयोगियों द्वारा शासित राज्य पिछले वर्ष अक्टूबर से 'रोजगार मेला' आयोजित कर रहे हैं और अब तक लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं. उन्होंने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार मेला युवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने युवाओं को कौशल और शिक्षा से युक्त कर रहा है, ताकि वे उभरते हुए अवसरों का लाभ ले सकें. भारत जिस दिशा में बढ़ रहा है और जिस गति से प्रगति कर रहा है, उससे सभी क्षेत्रों में रोजगार की नयी संभावनाएं पैदा हो रही हैं.

न्यूयॉर्क में प्रदर्शनकारियों ने की इजराइली संघर्ष विराम की मांग

न्यूयॉर्क। गाजा पट्टी पर इजराइल की बमबारी तेज होने के बीच, न्यूयॉर्क सिटी के प्रसिद्ध 'ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल' के मुख्य परिसर में शुक्रवार शाम एकत्र हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने संघर्ष विराम की मांग करते हुए नारेबाजी की. न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के अधिकारियों ने इनमें से कम से कम 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें ट्रेन स्टेशन से बाहर ले जाया गया. एनवाईपीडी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया, समन जारी किया गया और फिर उन्हें रिहा कर दिया गया. प्रदर्शन के दौरान 'मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी' ने यात्रियों से विकल्प के तौर पर पेन स्टेशन का इस्तेमाल करने को कहा.

ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो बदलाव ला सके : विधु विनोद चोपड़ा

दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाना है

भाषा। नई दिल्ली

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा का मानना है कि फिल्मों को किसी व्यावसायिक मॉडल की तरह नहीं, बल्कि बदलाव के स्रोत के रूप में काम करना चाहिए. चोपड़ा '12वीं फेल' के साथ तीन साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं. यह फिल्म महत्वाकांक्षाओं, समर्पण और असफलताओं से पार पाने की कहानी दर्शाती है. 'खामोशी', 'परिंदा', '1942 : ए लव स्टोरी' और 'मिशन कश्मीर' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने कभी पैसों को दिमाग में रखकर रचनात्मक फैसले नहीं किए.

चोपड़ा ने एक साक्षात्कार में कहा कि एक कलाकार या फिल्म निर्माता के रूप में उनका काम दुनिया को पहले से थोड़ा बेहतर बनाना है. इसलिए अगर मैं ऐसी फिल्म बना सकता हूं, जो लोगों के जीवन में थोड़ा सा बदलाव ला सके, तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती है. पैसे ने मुझे कभी प्रेरित नहीं किया. मैं 'मुन्नाभाई' 3, 4, 5, 6... बना सकता था और करोड़पति बन सकता था, जो कि मैं नहीं हूं. मैंने विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' बनाने का फैसला किया.' चोपड़ा ने कहा, मैंने 'परिंदा' में हिंसा के बारे में बात की. '1942 : ए लव स्टोरी' देशभक्ति पर आधारित थी और 'मिशन कश्मीर' धार्मिक विभाजन पर... मेरी सभी फिल्मों के लिए यह आवश्यक है कि वे कोई संदेश दें. '12वीं फेल' आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस (भारतीय राजस्व सेवा) अधिकारी श्रद्धा जोशी की कहानी है. यह अनुराग पाठक के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास पर आधारित है.

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार किए गए

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के चार सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि आतंकी मॉड्यूल के आकाओं ने उसके सदस्यों को लोगों की लक्षित हत्याएं करने का काम सौंपा था. उन्होंने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्धों के पास से छह पिस्तौल और 275 कारतूस भी बरामद किए हैं. बीकेआई मॉड्यूल के सदस्यों को लक्षित हत्याओं का काम सौंपा गया था. मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंडा का समर्थन हासिल था, जो उसे देश की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस की मदद से सहायता प्रदान कर रहा था.

आरोप | कांग्रेस ने भाजपा पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का लगाया आरोप

राम मंदिर के चुनावी होर्डिंग पर कांग्रेस-भाजपा में रार

भाषा। इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में राम मंदिर के चित्र और नारे वाले चुनावी होर्डिंग लगाए जाने को लेकर कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ निर्वाचन आयोग से शिकायत की है. भाजपा ने ये होर्डिंग राज्य में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से चंद रोज पहले लगाए हैं. कांग्रेस का आरोप है कि अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर बनकर तैयार हो रहे मंदिर की पहचान के चुनाव प्रचार में इस्तेमाल से आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन हो रहा है. वहीं, भाजपा ने इस इल्जाम को खारिज करते हुए दलील दी है कि वह अपने हर चुनावी घोषणापत्र में कहती रही है कि यह मंदिर बनना चाहिए.

बता दें कि भाजपा के लगाए होर्डिंग में राम मंदिर के साथ ही पीएम मोदी, सीएम शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं की भी तस्वीरें हैं.

खास बातें

- भाजपा कहती रही है राम मंदिर बनना चाहिए
- राम मंदिर का चित्र भारतीय संस्कृति की पहचान है

आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हुआ है: गोविंद मालू

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता गोविंद मालू ने कहा कि हमने गुजरे बरसों के दौरान अपने हर चुनावी घोषणापत्र में साफ कहा है कि हम अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण में आने वाली बाधाएं दूर करेंगे. हम हमेशा से यह मंदिर बनाने की बात करते रहे हैं. ऐसे में इस बार चुनावी होर्डिंग में मंदिर के जिक्र से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कैसे हो सकता है? मालू ने दावा किया कि राम मंदिर का चित्र कोई धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पहचान है, इसलिए इसके इस्तेमाल में आदर्श आचार संहिता आड़े नहीं आती.

जांच के बाद पता चलेगा आचार संहिता का उल्लंघन है या नहीं

राम मंदिर के चित्र और नारे वाले होर्डिंग को लेकर कांग्रेस की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि वह पूरी जांच के बाद ही टिप्पणी कर सकेंगे कि इस तरह के चुनाव प्रचार से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता है या नहीं.

कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही भाजपा : कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई अपने केंद्रीय नेतृत्व की देखरेख में राज्य की सिद्धरैया सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है. पार्टी के संगठन महासिच केसी वेणुगोपाल ने कर्नाटक के अपने एक विधायक के बयान की पृष्ठभूमि में यह आरोप लगाया.

कर्नाटक से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा ने शुक्रवार को सनसनीखेज दावा किया था कि 2019 में कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार के सत्ता से हटने के पीछे जो टीम थी, वह अब कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये और मंत्री पद जैसे प्रलोभन देने का काम कर रही है और चार विधायकों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है. वेणुगोपाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि बिना नेता या एजेंडे वाली पार्टी लोगों के जनादेश को खत्म करने की अपनी पुरानी आदत का सहारा ले रही है. दिल्ली में अपने आकाओं की देखरेख में कर्नाटक भाजपा हमारी सरकार को अस्थिर करने का एक और हास्यास्पद प्रयास कर रही है.

खास बातें

- कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देने का काम कर रही है
- चार विधायकों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है

सत्ता का सेमीफाइनल

तेलंगाना : बहुकोणीय मुकाबले में केसीआर को कांग्रेस की चुनौती

दक्षिण का प्रवेश द्वार तेलंगाना अपने तीसरे विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा है. यहां की 119 सीटों पर 30 नवंबर को मतदान होना है. सत्तारूढ़ दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) जीत की तिकड़ी लगाने की उम्मीद में है, तो प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस सत्ता हथियाने का सपना देख रहा है. भारतीय जनता पार्टी अपने केंद्रीय नेतृत्व के आसरे है और इस चुनाव में यह तय होना है कि भाजपा इस नवोदित राज्य में किस हद तक राजनीतिक दखल बना पाएगी?

तीनों राजनीतिक दलों के लिए दांव पर काफी-कुछ है. बीआरएस का सामना कांग्रेस से है. कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा को राज्य में मिले समर्थन और कर्नाटक की जीत की वजह से ऊर्जा से लबरेज नजर आ रही है. कर्नाटक की तर्ज पर यहां भी कांग्रेस छह गारंटी के साथ वोटरों को लुभाने में लगी है. दूसरी तरफ बीआरएस 2014 में राज्य बनने के बाद से सत्ता में है और इस वजह से उसके खिलाफ एंटी इनकम्बैंसी है. यह इनकम्बैंसी उन क्षेत्रों में ज्यादा है,

राजेंद्र तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार, रांची

जहां के विधायकों का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा नहीं है. इसके बावजूद बीआरएस ने इनमें से तमाम विधायकों को टिकट दिया है. अपनी कल्याणकारी और विकास योजनाओं के अलावा बीआरएस की ताकत मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) हैं. राव कैबिनेट के सदस्य केटी रामा राव, टी हरीश राव और एमएलसी के कविता ने चुनाव प्रचार में जान लगा रखी है. ये सभी केसीआर के परिवार से हैं. उधर, भाजपा की हालत अच्छी नजर नहीं आ रही है. 2019 के आम चुनाव में चार लोस सीटें जीतकर और उसके बाद हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर भाजपा की हवा बन गई थी. लगने लगा था कि विधानसभा चुनाव में पार्टी बीआरएस के सामने एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के तौर पर सामने आएगी. लेकिन कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा, कर्नाटक में मिली जबरदस्त पराजय और पार्टी के भीतर पुराने और नए नेताओं के बीच संघर्ष की वजह से भाजपा की जो हवा बनी थी, वह हवा हो गई. रही सही कसर केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष बांडी संजय को हटाकर पूरी कर दी. फिर भी, भाजपा मुकाबले में बने रहने के लिए पूरी कोशिश कर रही है. उसका प्रचार अभियान मुख्य तौर पर बीआरएस के परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर केंद्रित है.

2018 में तेलंगाना में समय से पहले चुनाव करवाए गए थे. तब बीआरएस (उस समय इसे टीआरएस के नाम से जाना जाता था) और भाजपा अपने बूते अकेले-अकेले चुनाव लड़ी थी, जबकि कांग्रेस ने तेलगु देशम पार्टी और तेलंगाना जन समिति के साथ 'महाकुटुमी' बनाकर चुनाव लड़ा था. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहाद-उल मुसलमीन (एआईएमआईएम) पुराने हैदराबाद में अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों तक सीमित रखा था. महाकुटुमी का जबरदस्त माहौल बना, लेकिन जब नतीजे आए तो बीआरएस को 119 में से 88 सीटों पर विजय मिली और 47% वोट मिले. कांग्रेस को सिर्फ 19 सीटें मिलीं और मजलिस को सात व टीडीपी को सिर्फ दो सीटें मिलीं. भाजपा को मात्र एक सीट से संतोष करना पड़ा और तमाम सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई. कांग्रेस के लिए तेलगु देशम पार्टी के साथ जाना बहुत महंगा पड़ा, क्योंकि बीआरएस ने अलग राज्य बनवाने का पूरा श्रेय लिया और महाकुटुमी को तेलंगाना विरोधी करार दिया. तेलगु देशम नेता एन चंद्राबाबू नायडू संयुक्त आंध्रप्रदेश के बंटवारे का विरोध करते रहे थे.

इस बार, 2023 के विधानसभा चुनाव में लगभग सभी सीटों पर बहुकोणीय मुकाबला है. बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा तो मुख्य रूप से हर सीट पर हैं ही, मजलिस, बसपा, वाईएसआर तेलंगाना पार्टी, टीडीपी और वामदल भी अपना भाग्य

▪ कांग्रेस और भाजपा ने अब तक सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं, जबकि बीआरएस दो महीने पहले ही 115 सीटों पर नाम घोषित कर चुकी है

आजमाने को मैदान में होंगे. कांग्रेस और भाजपा ने अब तक सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं, जबकि बीआरएस दो महीने पहले ही 115 सीटों पर नाम घोषित कर चुकी है. हालांकि बीआरएस टिकट वितरण की वजह से पैदा हुए असंतोष को भी नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, लेकिन टिकट न मिलने से असंतुष्ट नेता दूसरी पार्टियों और खासकर कांग्रेस का रुख कर रहे हैं. कांग्रेस ने पहली सूची में 55 सीटों पर और दूसरी सूची में 45 नाम घोषित किए हैं. दूसरी सूची में पूर्व क्रिकेट कप्तान मो. अजहरुद्दीन को जुबली हिल सीट से और बालादीर गदर की बेटी जी वेनेल्ला को सिकंदराबाद कैंट से उतारा है. बीआरएस से कांग्रेस में आए पी. जनार्दन रेड्डी के पुत्र पी. विजय रेड्डी को खैरातााबाद और अंबरपेट से रोहिन रेड्डी को टिकट दिया है. इस सूची में अधिकतर नाम नए हैं या फिर दूसरी पार्टियों (मुख्यतया बीआरएस व भाजपा) से आए नेताओं के नाम हैं. कांग्रेस की कोशिश जाति, धर्म व अन्य क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की है, जिसमें वह अब तक कामयाब होती भी दिख रही है. हालांकि पार्टी के पिछड़े वर्ग के समर्थकों में असंतोष दिखाई दे रहा है. इनको लग रहा है कि सर्वे के नाम पर उनको दरकिनार किया जा रहा है. कांग्रेस व वामदलों के बीच कोई गठबंधन को लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है. भाजपा की भी 52 सीटों की पहली सूची जारी हो चुकी है. भाजपा जन सेना पार्टी के मुखिया पवन को प्रचार में उतारने की कोशिश में लगी हुई है. इन दोनों के बीच गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. इससे भाजपा के भीतर असंतोष पैदा हो रहा है.

कांग्रेस ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक और उसके बाद विशाल रैली आयोजित कर की थी. इसमें सोनिया गांधी ने कांग्रेस की छह गारंटी घोषित की और सरकार बनने पर 100 दिन के भीतर इन्हें लागू करने का वादा किया. राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की भी सभाएं वहां हो चुकी हैं और आनेवाले दिनों में राहुल गांधी विशेष तौर पर अपना ध्यान यहां केंद्रित करने वाले हैं. कांग्रेस की गारंटी को निस्तेज करने के लिए बीआरएस ने अपने घोषणा पत्र में उन लोगों को दी जा रही वित्तीय सहायता बढ़ाने की बात कही है, जिनको कांग्रेस ने अपनी छह गारंटी का लक्ष्य बनाया है.

भाजपा मुख्य रूप से केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर है और उसे लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल सकता है. प्रधानमंत्री मोदी अब तक दो रैलियां, महबूबनगर और निजामाबाद में कर चुके हैं. उन्होंने केसीआर को संदेह के घेरे में खड़े करने की कोशिश की और कहा कि केसीआर एनडीए में आना चाहते थे, लेकिन मोदी की ताप में कोई भ्रष्टाचारी खड़ा नहीं रह सकता है. दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी बीआरएस और मजलिस को भाजपा की बी टीम कह रहे हैं.

मध्य प्रदेश: बुंदेलखंड में कांग्रेस भाजपा दोनों के लिए बड़ी चुनौती

सपा,बसपा और आप का भी होगा असर

मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में पिछले चार चुनाव से भाजपा का दबदबा है. कांग्रेस लगातार संघर्ष करती आ रही है .बुंदेलखंड की 26 सीटों में अभी भाजपा के पास 18, कांग्रेस के पास सात और एक बसपा के पास है. यहां जातिगत राजनीति हावी रहती है.राजनीतिक दल भी जाति के आधार पर ही अपने प्रत्याशी उतारते रहे हैं.यही वजह है कि यहां सपा और बसपा भी परिणाम प्रभावित करती हैं. हालांकि भाजपा-कांग्रेस ने अपने सभी प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं. लेकिन बगावत के सुर अभी भी सुनाई दे रहे हैं.

राजकुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

क्षेत्र की सभी 26 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं. इस क्षेत्र की एकमात्र सीट खरगापुर से भाजपा ने उमा भारती के भतीजे राहुल लोधी को चुनाव मैदान में उतारा है. इसे लोधी वोटरों को साधने के लिए भाजपा का जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण का बड़ा दांव बताया जा रहा है. इस बार कांग्रेस-भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर दूसरी पार्टियों से चुनाव लड़ रहे हैं. तीसरा मोर्चा भाजपा-कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती है.

बुंदेलखंड क्षेत्र में अनुसूचित जाति के लिए आठ सीटें आरक्षित हैं. इनमें से पांच सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के पास है. इस बार भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सागर में संत रविदास के मंदिर का शिलान्यास कराकर अनुसूचित जाति के वोटरों को साधने का दांव चला है. इसकी काट में कांग्रेस ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से कांग्रेस की सरकार बनने पर संत रविदास के नाम पर यूनिवर्सिटी बनाने का ऐलान कराया. भाजपा अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहती है.चुनाव से पहले इस क्षेत्र में कई सौगातें दी हैं.वहीं, कांग्रेस भी अपनी सीट बढ़ाने के लिए पूरा जोर लगा रही है. बहुजन समाजवादी पार्टी, समाजवादी और आम आदमी पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी उतारे हैं. बुंदेलखंड मध्य प्रदेश का सबसे पिछड़ा इलाका माना जाता है. बेरोजगारी, कुपोषण, अशिक्षा,पलायन जैसी समस्याएं बुंदेलखंड में प्रदेश के बाकी इलाकों से ज्यादा हैं. बुंदेलखंड में दिखावे के लिए हर बार चुनाव तो इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाता है, लेकिन मतदान के ठीक पहले जाति वाला मामला हावी होने लगता है. कहते हैं कि बुंदेलखंड में दल से ज्यादा जातियों का जोर रहता है. जातियों में बंटे वोटर अपने-अपने जाति-समाज के प्रत्याशियों के साथ खड़े नजर आते हैं. कमोबेश 17 नवंबर 2023 के चुनाव में भी यही सीन रह सकता है. जातीय समीकरणों के चलते इस इलाके में भाजपा और कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी और बसपा भी अपनी ताकत दिखाएगी. इन दोनों दलों को वोट कटवा भी माना जाता है. हालांकि साल 2018 के विधानसभा चुनाव में यहां भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था.

बसपा, सपा, आप और भीम आर्मी मैदान में : बुंदेलखंड में छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ के इलाके उत्तर प्रदेश सीमा से लगे हुए हैं. यहां पर बसपा और सपा का प्रभाव रहा है. बुंदेलखंड में पिछड़ेपन के साथ जातिवाद की बड़ी समस्या है. यही वजह है कि यहां पर भाजपा और कांग्रेस के अलावा दूसरे दल भी बाजी मार जाते हैं. 2018 के विधानसभा चुनाव में बुंदेलखंड क्षेत्र में बीएसपी की रामबाई पथरिया और बिजावर से सपा के राजेश शुक्ला गोलू भैया जीते थे. हालांकि, सपा उम्मीदवार बाद में भाजपा में शामिल हो गए. इस बार भी उत्तर प्रदेश से लगी बुंदेलखंड की सीटों पर बसपा और सपा कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकती है.

केन बेतवा प्रोजेक्ट से भाजपा को उम्मीद : चुनाव के पहले भाजपा की मोदी सरकार ने केन बेतवा प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है. इसे बुंदेलखंड के लिए मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है. यह नदी जोड़ो योजना है. इससे बुंदेलखंड की लंबे समय की सूखे की समस्या खत्म होने की उम्मीद है. बुंदेलखंड के छह जिले सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़ और निवाड़ी है.

उप्र की सीमा से लगी 14 सीटों पर तीसरे मोर्चे से खतरा : भाजपा और कांग्रेस को उत्तर प्रदेश से लगीं 14 विधानसभा सीटों पर तीसरे मोर्चे से खतरा है. पिछले चुनाव का रिकॉर्ड देखा जाए तो इन सीटों पर दोनों पार्टियों के 15 से 50 फीसदी तक वोट तीसरे मोर्चे ने काटे थे. इसके चलते दोनों पार्टियों का गणित गड़बड़ा गया था . इस बार भी दोनों पार्टियों से असंतुष्ट नेता तीसरे मोर्चे का दामन थाम रहे हैं. टिकट नहीं मिलने को लेकर दोनों ही पार्टियों में बुंदेलखंड में अंदरूनी विद्रोह है. इन क्षेत्रों में तीसरे मोर्चे के साथ सपा और बसपा चुनाव में भारी पड़ती है. इस बार आम आदमी पार्टी भी चुनाव का गणित बिगाड़ेगी.

बुंदेलखंड में यह था सीटों का गणित

- 2003 : भाजपा 20 और कांग्रेस दो, सपा दो
- 2008 : भाजपा 14, कांग्रेस आठ, जनशक्ति दो, एक सपा और निर्दलीय
- 2013 : भाजपा 20, कांग्रेस 6
- 2018 : भाजपा 18, कांग्रेस सात, बसपा एक

ज्योतिरादित्य को दामाद क्यों बना लिया मोदी जी ने?

सियासत की रेल कब पटरी बदल ले, कोई नहीं जानता. भारत में दो दिन पहले 'नमो भारत' रेल चली थी और कल ग्वालियर से दिल्ली के बीच 'नमो सिंधिया' रेल चल पड़ी. नमो यानी नरेंद्र मोदी और सिंधियाओं को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था किन्तु शुक्रवार की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से सिंधिया खानदान का गुणगान किया उसे सुनने के बाद कम से कम भाजपाइयों ने तो मान लिया है कि हिचकोले खा रही 'नमो-सिंधिया' रेल अब पूरी गति से दौड़ने वाली है. नरेंद्र मोदी के बदले रुख की वजह से सिंधिया और सामंतवाद के विरोधियों को निराशा हो सकती है.

राकेश अचल
वरिष्ठ पत्रकार, ग्वालियर

प्रधानमंत्री 21 अक्टूबर को ग्वालियर के सिंधिया स्कूल के स्थापना समारोह के मुख्य अतिथि थे. चुनाव आचार संहिता लगने के बाद उनका ग्वालियर आना एक आश्चर्य का विषय था लेकिन वे न सिर्फ आये बल्कि उन्होंने आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए भी न केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं बल्कि वे सिंधिया परिवार पर भी लट्टू होते दिखाई दिए. उन्होंने सिंधिया परिवार से जो रिश्ता स्वीकार किया वो भी भाजपाइयों की आँखें खोल देने वाला है. उन्होंने कहा कि ग्वालियर से उनका रोटी-बेटी का रिश्ता है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुजरात के दामाद हैं. और उनके ससुर बड़ोदरा के गायकवाड़ों द्वारा स्थापित स्कूल में पढ़े हैं. कल्पना कीजिये कि यदि गायकवाड़ों ने स्कूल न खोला होता तो मोदी जी का क्या होता?

प्रधानमंत्री जी ने ग्वालियर के विकास में माधवराव सिंधिया [प्रथम] के योगदान की भूरि-

भूरि सराहना की. उन्होंने ग्वालियर के हरसी बाँध का ज़िक्र किया. सिंधिया स्कूल का हवाला दिया. और तो और उन्होंने कांग्रेस के जमाने के रेल मंत्री और ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता माधवराव सिंधिया की रेल मंत्री के रूप में जमकर तारीफ़ की. मोदी जी ने कहा कि माधवराव के समय में शताब्दी जैसी 87 रेलें शुरू हुई थीं तब से 30 साल बीत गए एक भी रेल शुरू नहीं हुई. अब मोदी जो को कौन बताता कि भारत में सिंधिया के बाद कांग्रेस की ही सरकार ने 2008 में 54 गरीब रथ चलाये थे. तब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे. उनके बाद की रेल मंत्री ममता बनर्जी ने 2009 में 33 दूरंतो रेलें चलाई थीं.

प्रधानमंत्री ने सिंधिया स्कूल के बच्चों को 9 सूत्रीय टास्क देने से पहले अपनी सरकार की उपलब्धियाँ गिनाईं. उन्होंने बच्चों को बताया कि वे पेंडेसी से निपटने वाले प्रधानमंत्री है. उन्होंने 60 साल से पेंडिंग धारा 370 हटाने का काम पूरा किया. तीन तलाक रोकने के लिए कानून बनाया. नारी शक्ति वंदन क़ानून बनाया. देश में कांग्रेस के जमाने में 100 स्टार्टअप थे आज वे एक लाख हैं. उन्होंने ग्वालियर में बनने वाले नए हवाई अड्डे का भी ज़िक्र किया. लेकिन उनके भाषणों से किसी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हुआ.

बता दें कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा ने ही 2019 में सिंधिया खानदान के चश्मो-चिराग ज्योतिरादित्य सिंधिया को लोकसभा का चुनाव हरवाकर उनकी मिट्टी पलीत की थी. मोदी की वजह से राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया की मिट्टी कुटी थी. मोदी की वजह से ही मध्यप्रदेश में यशोधरा राजे सिंधिया को विधानसभा चुनावों से भागना पड़ा था लेकिन ये सब भरम था भाजपा कार्यकर्ताओं का. मोदी और पूरी भाजपा सिंधिया खानदान के अहसानों के नीचे दबे थी और दबी है.

ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता की मामी माया सिंह को ग्वालियर पूर्व से भाजपा का प्रत्याशी बना दिया. हालाँकि उनकी उम्र (73 वर्ष) संन्यास लेने की है. मुमकिन है कि मोदी जी आगामी लोकसभा चुनाव में यशोधरा राजे सिंधिया को गुना संसदीय सीट से टिकट दे दें. ये भी मुमकिन है कि मोदीकाल में ही ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महारमन को भी सियासत में लांच कर दिया जाये. ध्यान रहे कि सिंधिया परिवार के साथ मोदी की पहली पारिवारिक तस्वीर मार्च 2022 में वायरल हुई थी. सिंधिया खानदान के प्रति भाजपा की मोदी-शाह जोड़ी के व्यवहार में भारी अंतर नोट किया गया. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब जयविलास महल गए थे तब ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके बेटे महाआर्यमन सिंधिया शाह के सामने अर्दलियों की भांति हाथ बांधे खड़े थे लेकिन मोदी ने उन्हें न केवल अपने साथ बैठाया बल्कि उन्हें गुजरात का यानी अपना दामाद बताकर सम्मानित भी किया. यानी मोदी ने शाह की ग़लती को सुधारा. अब शाह को भी अपनी ग़लती का अहसास शायद हो जाये और वे सिंधियाओं को घुड़की देना छोड़ दें.

मोदी जी के व्यवहार में आयी तब्दीली से जहां सिंधिया खानदान राहत महसूस कर रहा है वहीं भाजपा का स्थानीय कार्यकर्ता कसमसा रहा है. भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ जय सिंह कुशवाह ने तो सिंधिया की मामी को ग्वालियर पूर्व विधानसभा से टिकट देने के फौरन बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया. संघ परिवार में भीतर तक पैठ रखने वाले ग्वालियर के संसद विवेक नारायण शेजवलकर तक अपने बेटे को लश्कर पश्चिम से विधानसभा का टिकट न मिलने से खिन्न हैं. भाजपा का मौजूदा नेतृत्व कब सिंधिया का विरोधी हो जाता है और कब उनके गुणगान करने लगता है, पता ही नहीं चलता. सिंधिया के साथ गलबहियाँ करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा को सिंधिया के करीबी होने का कोई फायदा नहीं मिला. वे विधानसभा चुनाव का टिकट हासिल नहीं कर पाए जबकि उनकी ही तरह असंतुष्ट माने जाने वाले अजय बिश्नोई और जयंत मलैया को टिकट मिल गया. जाहिर है, या तो सिंधिया अनूप के लिए अड़े नहीं या फिर उन्होंने अनूप के टिकट को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया क्योंकि ज्योतिरादित्य को भाजपा नेतृत्व से टकराकर कुछ भी हासिल नहीं होने वाला, भले ही वे गुजरात के दामाद बने रहें.

बीजेपी और कांग्रेसी मान चुके हैं कि मोदी-शाह की जोड़ी ने सिंधिया खानदान के सभी ख़ून माफ़ कर दिए हैं. 1857 की कहानी भी मोदी-शाह की जोड़ी को काबिले यक़ीन नहीं लगी. उन्हें सिंधिया खानदान का विकास नज़र आता है. भाजपा को 1857 के बाद के सिंधिया पसंद हैं इसलिए भाजपा उन्हीं का यशोगान करती है. पुराने सिंधियाओं को विस्मृत कर देती है. बहरहाल, सिंधिया खानदान के प्रति मोदी जी के रुख में आयी तब्दीली से एक बात साफ़ हो गयी है कि मोदी जी को और भाजपा को सामंतों और सामंतवाद से कोई परहेज नहीं है. परहेज है तो सिर्फ कांग्रेस से और कांग्रेस की औरस संतानों से.

(साभार - सत्य हिंदी)

कॅरियर-काउंसिलिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग में बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

माइनिंग इंजीनियरिंग, जमीन के नीचे और ऊपर पाए जाने वाले खनिजों से जुड़ी अभियांत्रिकी की पढ़ाई. माइनिंग इंजीनियरिंग कई अन्य विषयों से भी जुड़ी हुई है, जैसे- खनिज प्रोसेसिंग, एक्सप्लोरेशन, एक्सकेवेशन, जियोलॉजी और मेटलर्जी, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग व सर्वे. माइनिंग इंजीनियर, मिनरल्स की तलाश, माइंस की डिजाइनिंग व योजना विकसित करने तक के काम करता है. साधारण भाषा में समझा जाए तो माइनिंग इंजीनियरिंग खनिजों की खोज और देखरेख से जुड़ी पढ़ाई है. एक माइनिंग इंजीनियर विशेषज्ञ होता है, जो खदाननों की फिजिबिलिटी, सुरक्षा और उत्पादन प का इंस्पेक्शन करता है. माइनिंग इंजीनियर बनने के लिए अभ्यर्थी को आईआईटी, एनआईटी या किसी सरकारी या प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज से माइनिंग इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए.

माइनिंग इंजीनियरिंग के विषय

- माइन प्लानिंग
- वेंटिलेशन
- इंजीनियरिंग स्ट्रक्चर डिजाइन
- मिनरल रिसोर्सेज
- ड्रिलिंग और ब्लॉस्टिंग
- माइन कॉस्ट इंजीनियरिंग
- माइन हेल्थ एवं सुरक्षा
- ओर रिजर्व एनॉलिसिस
- एनवायरमेंटल एस्पेक्ट्स ऑफ माइनिंग
- रॉक मैकेनिक्स
- इंडस्ट्रियल माइनिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम

- डिप्लोमा इन माइनिंग इंजीनियरिंग
- बीई मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- बीई ऑनर्स साइंस इन मेजर माइनिंग इंजीनियरिंग
- बीई ऑनर्स इंफॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी माइनिंग इंजीनियरिंग
- बीएससी माइनिंग इंजीनियरिंग
- एमई/एमएस माइनिंग इंजीनियरिंग
- एमई माइनिंग जियोलॉजिकल एंड जियोफिजिकल इंजीनियरिंग
- एमएससी माइनिंग एंड मिनरल्स
- पीजी डिप्लोमा माइनिंग इंजीनियरिंग
- एमफिल माइनिंग एंड मिनरल्स इंजीनियरिंग

भारत के टॉप माइनिंग इंजीनियरिंग संस्थान

- लखनऊ प्रौद्योगिकी संस्थान,लखनऊ
- आईआईटी बनारस
- आईआईटी धनबाद
- विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर
- दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्था, सूरत काली
- विग्नन विश्वविद्यालय, गुटूरी
- सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई
- अखिल भारतीय श्री शिवाजी मेमोरियल सोसाइटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे
- प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय अहमदाबाद
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान विघ्नेश्वर

एंट्रेंस एग्जाम

- जेईई मेन्स
- जेईई एडवांस्ड
- एमएचटी सेट
- ओजेईई
- बीसीईसीई
- असम सीईई
- यूपीएसईई
- केईएएम
- केसीईटी

माइनिंग इंजीनियरिंग टॉप रिक्रूटर्स की लिस्ट

- टाटा स्टील
- कुद्रेकमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड
- एसेंचर सोल्यूशन
- आदित्य बिरला हिंडाल्को
- भारत एल्यूमीनयम कंपनी
- एलएनटी
- अडानी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड
- आरसेलोर मित्तल
- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
- इसेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- भारत फोर्ज लिमिटेड
- राजस्थान स्टेट माइन एंड मिनरल लिमिटेड
- एनएएलसीओ
- कोल इंडिया लिमिटेड
- गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कोरपोरेशन
- एनएमडीसी
- नवेली लिमिटेड कोरपोरेशन
- जियोलोजीकल सर्वेय ऑफ इंडिया
- इंडियन बेरियर ऑफ माइनिंग
- स्टिल ऑथोरिटी ऑप इंडिया लिमिटेड
- यूरेनियम कोरपोरेशन ऑप इंडिया लिमिटेड
- सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑप माइन प्लानिंग एंड डिजाइन
- डीआरडीओ

प्रवेश प्रक्रिया

- किसी कॉलेज में अपने इच्छित पैरामीटर सेट करें और उन मापदंडों के आधार पर कॉलेज खोजें.
- कॉलेजों की आवेदन तिथियां जांचें और उसके अनुसार आवेदन पत्र भरें.
- कॉलेजों के आधार पर, विभिन्न राउंड के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाती है.
- अंतिम मेरिट सूची कॉलेज की वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई है.
- चयनित उम्मीदवारों को कॉलेज में अपने प्रवेश की पुष्टि करने के लिए कॉलेज द्वारा बताई गई आवश्यक राशि का भुगतान करना होगा.

माइनिंग इंजीनियरिंग के विंग

- माइन प्लानर
- ड्रिलिंग इंजीनियर
- माइनिंग इंजीनियरिंग टेक्नीशियन
- जनरल माइनिंग इंजीनियर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के सुपरविजन के लिए जिम्मेदार होता है.
- माइनिंग सेफ्टी इंजीनियर सभी सुरक्षा उपायों, ट्रेनिंग, मॉनिटरिंग और दस्तावेजों के लिए जिम्मेदार है.
- माइनिंग और माइन टूल्स सप्लाई के असेसमेंट का ध्यान रखना.
- मासिक बजट और विस्तृत रिकॉर्ड का प्रबंधन करना होता है

माइनिंग इंजीनियरिंग के प्रचलित कोर्स

डिप्लोमा इन माइनिंग इंजीनियरिंग : डिप्लोमा इन माइनिंग इंजीनियरिंग एक डिप्लोमा लेवल की प्रोफेशनल डिग्री है जो आपको खनन के क्षेत्र में डिप्लोमा की डिग्री प्रदान करता है. यह कोर्स 3 साल की अवधि का होता है दसवीं कक्षा पास करने के बाद स्टूडेंट्स माइनिंग इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने का विकल्प चुन सकते हैं.

माइनिंग इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग कोर्स को बहुत पसंद करते हैं. डिप्लोमा इन माइनिंग इंजीनियरिंग कंप्लीट करने के बाद आपको बड़ी-बड़ी कंपनियां जैसे सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल, हिंडालको अपने यहां इंटर्नशिप प्रोग्राम के अलावा माइनिंग सरदार, माइनिंग ओवरमैन, माइनिंग फोरमैन और अन्य कई पदों पर जॉब के लिए नियुक्ति करती रहती हैं.

मुख्य रूप से इस कोर्स के माध्यम से स्टूडेंट्स को खनिज पदार्थों की संभावनाओं का पता लगाना, उसके सैंपल्स को कलेक्ट करना, अंडरग्राउंड खदानों का विस्तार और डेवलपमेंट करना, खनिजों को रिफाइन करना, आदि के बारे में बताया जाता है.

बीटेक इन माइनिंग इंजीनियरिंग : बीटेक इन माइनिंग इंजीनियरिंग ग्रेजुएशन लेवल की एक प्रोफेशनल डिग्री है, जो आपको खनन के क्षेत्र में ग्रेजुएट होने की डिग्री प्रदान करता है.

यह कोर्स 4 साल की अवधि का होता है. 12वीं कक्षा पास करने के बाद स्टूडेंट्स माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक करने का विकल्प चुन सकते हैं. माइनिंग इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स बीटेक इन माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स को बहुत पसंद करते हैं.

बीटेक इन माइनिंग इंजीनियरिंग कंप्लीट करने के बाद आपको बड़ी-बड़ी कंपनियां जैसे सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल, हिडल्को अपने इंटर्नशिप प्रोग्राम के अलावा माइनिंग सरदार, माइनिंग ओवरमैन, माइनिंग फोरमैन, सेकंड क्लास मैनेजर और अन्य कई पदों पर जॉब के लिए नियुक्ति करती रहती है.

मुख्य रूप से इस कोर्स के माध्यम से उम्मीदवार को खनिज पदार्थों की संभावनाओं का पता लगाना, उसके सैंपल्स को कलेक्ट करना, अंडरग्राउंड खदानों का विस्तार और डेवलपमेंट करना, खनिजों को रिफाइन करना, आदि के बारे में बताया जाता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)